@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 2 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 53 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

3 जनवरी से कांग्रेस शुरू करेगी 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान: जयराम रमेश

नई दिल्ली, 1 जनवरी। कांग्रेस शुक्रवार को पूर्व निर्धारित जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान का शुभारंभ करेगी। यह अभियान राज्यों, जिलों और ब्लॉक से शुरू होगा और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन मध्य प्रदेश के महू (वर्तमान में डॉ. आंबेडकर नगर) शहर में एक बड़ी जनसभा के साथ समाप्त होगा। इस अभियान की शुरुआत पहले 27 दिसंबर को होनी थी। लेकिन 26 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के कारण इसे टाल दिया गया था। मनमोहन सिंह के निधन पर सात दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई थी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कांग्रेस कार्यकारी समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में फैसला लिया गया था कि मनमोहन सिंह को सम्मान देने के लिए इस अभियान को एक हफ्ते के लिए स्थगित किया गया था। उन्होंने कहा, यह भरोसा करना मुश्किल है कि वह (मनमोहन सिंह) अब हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन अब तीन जनवरी से यह अभियान फिर से शुरू किया जाएगा। इस अभियान का समापन डॉ. आंबेडकर की जन्मभूमि महू में 26 जनवरी को एक जनसभा के साथ होगा। 26 जनवरी को भारतीय संविधान को लागू हुए 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सीडब्ल्यूसी ने अपने प्रस्ताव में कहा था कि कांग्रेस संविधान की सुरक्षा और भारतीय स्वाधीनता संग्राम के सिद्धांतों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अभियान के तहत 27 दिसंबर को बेलगावी में एक रैली का आयोजन किया जाना था, लेकिन शोक के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। कांग्रेस के मुताबिक, 26 जनवरी 2025 से लेकर 26 जनवरी 2026 तक एक राष्ट्रीय पदयात्रा शुरू की जाएगी, जिसे संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा नाम दिया जाएगा। इस यात्रा में कांग्रेस के सभी नेता शामिल होंगे और यह यात्रा गांव-गांव और शहर-शहर जाएगी।

नए साल पर किसानों को मोदी सरकार का तोहफा

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 1 जनवरी। नए साल के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने किसानों को लेकर अहम फैसले लिए हैं। कैबिनेट ने डीएपी खाद पर सब्सिडी और फसल बीमा योजना को लेकर किसानों को सौगात दी है। इन मामलों पर अब पीएम मोदी की ओर से प्रतिक्रिया आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को फसल बीमा योजना के लिए आवंटन बढ़ाने सहित केंद्रीय मंत्रिमंडल के कुछ अन्य फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि नये साल में सरकार का पहला फैसला किसानों को समर्पित है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक के बाद एक पोस्ट में यह भी कहा कि उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस फैसले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नए वर्ष का पहला निर्णय हमारे देश के करोड़ों किसान भाई-बहनों को समर्पित है। हमने फसल बीमा के लिए आवंटन बढ़ाने को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं की फसलों को और ज्यादा सुरक्षा मिलेगी, वहीं नुकसान की चिंता भी कम होगी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें अपने सभी किसान बहनों और भाइयों पर गर्व है जो हमारे राष्ट्र का पेट भरने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। 2025 का पहला, मंत्रिमंडल का फैसला हमारे किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए समर्पित है। मुझे खुशी है कि इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा किसानों को सस्ती दर पर डीएपी उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज को 3,850 करोड़ रुपये तक बढ़ाने के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इससे किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। मंत्रिमंडल के इस फैसले से किसानों को डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की 50 किलो वजन की एक बोरी 1,350 रुपये में मिल सकेगी। बता दें कि, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2021-22 से लेकर वर्ष 2025-26 तक कुल 69,515.71 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2025-26 तक देश भर के किसानों को नहीं रोके जा सकने योग्य प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी।

महाकुंभ में आतंकी पन्नू दिखा तो जमीन में घुसा देंगे: परमहंस दास

प्रयागराज, 1 जनवरी। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह उर्फ पन्नू की धमकी के बाद महाकुंभ में आए संतों में जबरदस्त उबाल है। महाकुंभ मेले के सेक्टर-16 में अयोध्या छावनी के जगतगुरु परमहंस दास जी महाराज के नेतृत्व में संतों ने आतंकी पन्नू का पोस्टर जलाया। उसके खिलाफ संतों ने जोरदार नारेबाजी की। स्वामी परमहंस दास बोले कि अगर आतंकी पन्नू महाकुंभ में दिखा तो उसे जिंदा जमीन में दबा देंगे। संगम की रेती पर आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। पिछले सप्ताह सुरक्षा का जिम्मा खुद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने ले लिया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि हर तरह की स्थिति में सभी सुरक्षा एजेंसियां तैयार हैं। बता दें कि सोमवार को यूपी के पीलीभीत जिले में तीन खालिस्तानी आतंकवादियों वीरेंद्र सिंह, गुरविंदर सिंह और जसनप्रीत सिंह के एनकाउंटर के बाद पन्नू ने अमेरिका से वीडियो जारी कर कहा कि वह इस घटना का बदला महाकुंभ में लेगा। उसने इस आयोजन को 'हिंदुओं का आखिरी महाकुंभ' बनाने और तीन शाही स्नानों (14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को अंतिम शाही स्नान) को निशाना बनाने की धमकी दी थी। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। यूपी पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां चप्पे-चप्पे की निगरानी कर रही हैं।

गढ़चिरौली जल्द होगा नक्सली प्रभाव से मुक्त: सीएम फडणवीस

मुंबई, 1 जनवरी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने विदर्भ क्षेत्र के वांगेतुरी-गार्डेवाड़ा-गट्टा-अहेरी मार्ग पर 32 किलोमीटर लंबी गट्टा-गार्डेवाड़ा-वांगेटुरी सड़क और महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस सेवाओं का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने गढ़चिरौली में नक्सलियों (माओवादियों) को लेकर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि राज्य जल्द ही नक्सली खतरे से मुक्त हो जाएगा। सीएम फडणवीस ने बताया कि गढ़रिचौली के दूरदराज इलाकों में नक्सलियों का प्रभाव खत्म हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि नक्सलवाद अपने अंत की तरफ है। गढ़चिरौली में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, सरकार ने माओवादियों के प्रभाव को खत्म कर गढ़चिरौली को पहला नक्सल मुक्त जिला बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गढ़चिरौली को महाराष्ट्र का आखिरी जिला कहा जाता है। यह राज्य की पूर्वी सीमा पर है। गट्टा-गार्डेवाड़ा-वांगेटुरी सड़क और महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस सेवाओं के उद्घाटन पर सीएम फडणवीस ने बताया कि यह सड़क मार्ग महाराष्ट्र को सीधे छत्तीसगढ़ से जोड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, आजादी के 75 साल बाद नक्सलियों के प्रभाव वाला हिस्सा भी मुक्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ काम के लिए गढ़चिरौली पुलिस की सराहना की। फडणवीस ने कहा, लोग अब नक्सलियों का समर्थन नहीं करते हैं और न ही उनके आंदोलनों में शामिल होने के लिए इच्छुक हैं।

ठेकेदार आत्महत्या केस में प्रियांक खरगे की प्रथम दृष्टया कोई भूमिका नहीं

सौरभ शर्मा

बंगलूरू, 1 जनवरी। कर्नाटक के बीदर में एक ठेकेदार की आत्महत्या के मामले में भाजपा की तरफ से मंत्री प्रियांक खरगे के इस्तीफे की मांग के बीच कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को पुलिस विभाग का हवाला देते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया इस मामले में प्रियांक खरगे की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सीआईडी की जांच रिपोर्ट से सच्चाई सामने आ जाएगी। बता दें कि, आत्महत्या करने वाले ठेकेदार ने सात पन्नों का एक नोट छोड़ा है, जिसमें उसने एक व्यक्ति के खिलाफ आरोप लगाए हैं, जो प्रियांक खरगे का सहयोगी बताया जा रहा है। वहीं इस मामले में भाजपा ने मांग की है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को प्रियांक खरगे से तुरंत इस्तीफा मांगना चाहिए और मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए 4 जनवरी की समय सीमा तय की है। ऐसा न करने पर पार्टी ने कलबुर्गी में एक बड़ी रैली आयोजित करने के बाद मंत्री के आवास का घेराव करने की धमकी दी है। 26 वर्षीय ठेकेदार सचिन मोनप्पा पंचाल ने 26 दिसंबर को ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि प्रियांक खरगे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर ने ठेका देने के लिए 1 करोड़ रुपये की मांग करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। नोट में सात अन्य लोगों के नाम भी थे, जिन पर 15 लाख रुपये की रिश्वत लेने के बावजूद ठेका न देकर धोखाधड़ी करने का आरोप था। ठेकेदार ने आरोप लगाया कि 1 करोड़ रुपये न देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। सुसाइड नोट के आधार पर विधायक बसवराज मट्टीमाडु समेत कुछ भाजपा नेताओं की हत्या की सुपारी देने के आरोप में शनिवार को कलबुर्गी में कपनूर और पांच अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। वहीं भाजपा एमएलसी सीटी रवि की तरफ से पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर आरोप लगाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कि पिछले महीने बेलगावी में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के निर्देश पर काम करते हुए, गृह मंत्री ने कहा, डीजीपी इसका जवाब देंगे। उन्होंने कहा, पुलिस आमतौर पर मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के निर्देशों का पालन करती है। उनके लिए दूसरों के निर्देशों का पालन करना संभव नहीं होगा। उन्होंने (रवि) आरोप लगाए हैं, डीजीपी इसका जवाब देंगे। इधर इस मामले में सीएम सिद्धारमैया ने कहा है कि सिविल कॉन्ट्रैक्टर आत्महत्या मामले में प्रियांक खरगे के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या मामले की जांच के लिए आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को नियुक्त किया गया है

हिंदू और बौद्ध मंदिरों को तोड़ने की योजना बना रही भाजपा: सीएम आतिशी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 1 जनवरी। दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा, भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हिंदू मंदिरों और बौद्ध मंदिरों को तोड़ने की योजना बना रही है। एक धार्मिक समिति है, जो मंदिरों को शिफ्ट करने या उन्हें तोड़ने के बारे में फैसला लेती है। यह दिल्ली सरकार के गृहमंत्री के अधीन आती थी। पिछले साल तक इस समिति के सभी फैसले पहले गृहमंत्री के सामने रखे जाते थे और उनकी मंजूरी के बाद ही कोई कार्रवाई की जाती थी, लेकिन पिछले साल दिल्ली के एलजी ने आदेश दिया कि किसी भी धार्मिक स्थल को तोड़ना कानून व्यवस्था का मामला है और इसलिए यह दिल्ली एलजी के अधीन आता है और इसलिए दिल्ली के सीएम या गृहमंत्री का इससे कोई लेना-देना नहीं है। आतिशी ने कहा, अब धार्मिक समिति सीधे

दिल्ली एलजी के अधीन है। समिति के अध्यक्ष गृह विभाग के प्रमुख सचिव होते हैं और वह समिति के सुझावों को मंजूरी के लिए सीधे दिल्ली एलजी को भेजते हैं। 22 नवंबर को धार्मिक समिति की बैठक हुई थी। कल एलजी के कार्यालय ने मीडिया को बताया कि मंदिरों को तोड़ने का कोई आदेश नहीं है, लेकिन यह झूठ है। 22 नवंबर को हुई बैठक में वेस्ट पटेल नगर, दिलशाद गार्डन, सीमापुरी, गोकलपुरी, न्यू उस्मानपुर और सुल्तानपुरी में स्थित कई मंदिरों और सुंदर नगरी में स्थित एक बौद्ध मंदिर को गिराने का फैसला लिया गया।

समस्या के वक्त याद और वोट देते समय मनसे को भूल जाते हैं लोग: राज ठाकरे

मुंबई, 1 जनवरी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने बुधवार को कहा कि जब लोग किसी समस्या का समाधान चाहते हैं तो वे उनकी पार्टी के बारे में सोचते हैं, लेकिन चुनाव के दिन इसे अनदेखा कर देते हैं। नए साल पर सोशल मीडिया एक्स पर एक संदेश में राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव परिणामों को भूलकर आगे बढ़ने की अपील की, उन्होंने कहा कि वे जल्द ही उनसे बात करेंगे और भविष्य की कार्रवाई के बारे में व्यापक दिशा-निर्देश देंगे। राज ठाकरे ने कहा, कुछ चीजें नहीं बदली हैं, लोग हर समस्या के समाधान के लिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को याद करते हैं, लेकिन मतदान के समय इसे अनदेखा कर देते हैं। राज ठाकरे ने यह भी दावा किया कि चुनाव परिणामों के कुछ ही हफ्तों बाद राज्य में मराठी भाषियों के खिलाफ उत्पीड़न शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि लोगों को उम्मीद थी कि मनसे इन मामलों में कार्रवाई करेगी और उसने ऐसा किया। मनसे प्रमुख ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि मराठी मानुष का इस्तेमाल केवल वोट के लिए किया जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान ने की परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 1 जनवरी। भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच एक समझौते के तहत किया गया है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे के परमाणु ठिकानों पर हमला करने से रोकता है और यह तीन दशकों से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि यह आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले को रोकने के समझौते के तहत किया गया। यह सूची नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ कूटनीतिक चैनलों के जरिए साझा की गई। भारत और पाकिस्तान के बीच इस सूची का आदान-प्रदान हर साल एक जनवरी को होता है और दोनों देशों को एक-दूसरे को सूचित करना होता है कि उनके परमाणु प्रतिष्ठान और सुविधाएं इस समझौते के दायरे में हैं। इस समझौते पर 31 दिसंबर 1988 को दोनों देशों ने हस्ताक्षर किए थे। 27 जनवरी 1991 को इसे लागू किया गया था। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि परमाणु युद्ध या हमले की संभावना को कम किया जा सके। भारत और पाकिस्तान के बीच यह 34वीं बार सूची का आदान-प्रदान हुआ। एक जनवरी 1992 से यह आदान-प्रदान लगातार हो रहा है। कश्मीर पर विवाद और सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दों के कारण दोनों देशों के बीच संबंध हाल के वर्षों में तनावपूर्ण रहे हैं। इसके बावजूद इस सूची का आदान प्रदान किया गया, जो समझौते और सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा, भारत और पाकिस्तान ने आज एक-दूसरे के कब्जे में रह रहे नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची की भी आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह सूची कूटनीतिक चैनलों के जरिए साझा की गई। यह आदान-प्रदान 2008 के कांसुलर पहुंच (एक्सेस) समझौते के तहत किया गया है, जिसके अनुसार दोनों देशों को हर साल एक जनवरी और एक जुलाई को एक-दूसरे को अपने कब्जे में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची देनी होती है। भारत ने 381 नागरिक कैदियों और 81 मछुआरों के नाम की सूची दी है, जो या तो पाकिस्तानी हैं या जिनके पाकिस्तानी होने का शक है। वहीं, पाकिस्तान ने 49 नागरिक नागरिक कैदियों और 217 मछुआरों के नाम की सूची साझा की है, जो या तो भारतीय हैं या जिनके भारतीय होने का शक है। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान से कहा कि वह जल्द से जल्द इन नागरिक कैदियों, मछुआरों और लापता भारतीय सैनिकों को रिहा करे और उन्हें भारत भेजे। भारत ने यह भी कहा कि 183 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों को जल्द रिहा किया जाए, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है।

चीन का प्रस्तावित बांध असम में ब्रह्मपुत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को पहुंचाएगा नुकसान

गुवाहाटी, 1 जनवरी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को दावा किया कि, चीन की तरफ से तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के प्रस्तावित निर्माण से असम में नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को बड़ा नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने इसे लेकर केंद्र सरकार को पहले ही सूचित किया था। गुवाहाटी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि केंद्र सरकार ने नदी के निचले इलाकों में बांध से उत्पन्न खतरों के बारे में चीन को बताया है। उन्होंने कहा, बांध हमारे लिए बड़ी समस्या पैदा करेगा क्योंकि नदी का तल सूख जाएगा और पूरी नदी प्रणाली कमजोर हो जाएगी। हमने पहले ही केंद्र के समक्ष इस मामले को उठाया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भी इस मामले के बारे में केंद्र को पत्र लिखा है। बता दें कि, पिछले हफ्ते चीन ने भारतीय सीमा के करीब तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दी थी, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना बताया जा रहा है

ओपी चौटाला की विरासत अब अभय सिंह के जिम्मे

नरेश मल्होत्रा

सिरसा, 1 जनवरी। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की शोकसभा में परिवार के एकजुट होने के सारे आसार खत्म हो गए। अभय सिंह चौटाला और अजय चौटाला अलग-अलग ही नजर आए। हर किसी की निगाहें दोनों भाइयों के भावों पर टिकी हुई थी। आखिरकार दोनों परिवारों के एक होने की उम्मीद रखने वाले कार्यकर्ताओं को मायूसी हाथ लगी। अब पूर्व मुख्यमंत्री चौटाला के उत्तराधिकारी अभय सिंह चौटाला ही होंगे और उनकी विरासत को आगे ब?ाएंगे। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की सारी रस्म क्रिया से लेकर शोकसभा के आयोजन की जिम्मेदारी अभय सिंह चौटाला और उनके बेटों ने संभाली हुई थी। मंच से एकमात्र किसान नेता राकेश टिकैत ने ही दोनों भाइयों के एकजुट होने की बात कही। सभी ने एक स्वर से अभय सिंह चौटाला से ही पार्टी को आगे ब?ाने की बात पर जोर दिया। शोकसभा में अजय सिंह और अभय सिंह के बेटे आपस में एक-दूसरे से दूरी बनाते हुए नजर आए। एक बारगी अभय सिंह चौटाला के पास अर्जुन चौटाला जाने लगे तो रास्ते में दुष्यंत चौटाला कुर्सी पर बैठे हुए थे। ऐसे में अर्जुन चौटाला दुष्यंत चौटाला को नजरअंदाज करते हुए दूसरी दिशा से अभय सिंह चौटाला के पास पहुंच गए। इनेलो की मौजूदा राजनीतिक स्थिति में पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल और पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की विरासत को आगे ब?ाना एक चुनौती से कम नहीं होगा। मौजूदा समय में अभय चौटाला स्वयं विधायक नहीं हैं। उनके बेटे अर्जुन चौटाला ही रानियां से विधायक हैं और डबवाली से उनके चचेरे भाई आदित्य देवीलाल चौटाला इनेलो से विधायक हैं। ऐसे में पार्टी को आगे ब?ाने की ब?ी जिम्मेदारी इन दोनों कंधों पर मौजूदा समय में रहेगी। चाचा-भतीजे की इस जो?ी से इनेलो को बेहद उम्मीद है। गांव चौटाला के साहिब राम स्टेडियम में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की रस्म पगड़ी और श्रद्धांजलि सभा में सभी दलों के राजनीतिक दिग्गज जुटे। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने नम आंखों से ओपी चौटाला की यादों को ताजा करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सर्वधर्म सभा में ओपी चौटाला की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। मंगलवार को इस स्टेडियम में आयोजित शोकसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ओम प्रकाश चौटाला का जाना समूचे हरियाणा के लिए दुखदायी है। उनका निधन एक तरीके से राजनीतिक क्षेत्र में एक युग का अंत है। मुझे उनके साथ राजनीतिक तौर पर कई बार काम करने का अवसर मिला। ओपी चौटाला बहुत जिंदा दिल इंसान थे। लोगों की आवाज को उठाना उनके रगों में बसा हुआ था। सबके लिए ओम प्रकाश चौटाला हमेशा उनकी आवाज बनकर रहे। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि पूर्व सीएम ओपी चौटाला का जीवन संघर्षों का जीवन रहा। हरियाणा के पानी के लिए चौटाला ने काफी संघर्ष किया। हरियाणा की जनता की यादों में पूर्व सीएम ओपी चौटाला हमेशा रहेंगे। एनसीआर के प्रांतों में हरियाणा को अग्रणी बनाने में उनका अहम योगदान रहा है। राज्यपाल ने कहा कि भले ही ओमप्रकाश चौटाला हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी सेवा, परिश्रम, काम व लगन को हमेशा याद रखा जाएगा। राज्यपाल ने पूरे प्रदेश की ओर से पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ओम प्रकाश चौटाला का पूरा जीवन खुली किताब रहा है। हरियाणा के लिए संघर्ष किया। विकास को नई दिशा देने का काम किया। ऐसी दिवंगत आत्मा, जिनसे हमें भी सीखने को मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी समाज के हित की बात आई है, चौटाला ने अपना योगदान दिया है, वे हमें रास्ता देकर गए हैं, हम सब उस पर मिलकर चलेंगे। इसके अलावा पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने ओपी चौटाला को श्रद्धांजलि दी।

लखनऊ हत्याकांड: मेरे घर बनवा देना राम मंदिर

आगरा, 1 जनवरी। राजधानी लखनऊ में चार बहनों और मां का कत्ल करने वाले असद ने 18 दिसंबर को एक शिकायती पत्र लिखा, जिसमें उसने अपनी पीड़ा बताते हुए पीएम मोदी, सीएम योगी के अलावा जिले के तमाम अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई। इस शिकायती पत्र में उसने अपील की थी कि क्षेत्र के ही कुछ लोगों द्वारा उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। असद के पिता ने इस शिकायती पत्र में लिखा है कि 18 दिसंबर को उनके घर पर पथराव किया गया। मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। उसने डायल 112 पर फोन कर पुलिस भी बुलाई, लेकिन पुलिसकर्मियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस बात से वो बुरी तरह आहत हो चुके थे। इसी वजह से हिंदू धर्म अपनाने और अपने मकान में मंदिर बनवाने की घोषणा कर दी। साथ ही परिवार के लोगों की सुरक्षा के लिए गुहार भी लगाई थी। असद के पिता बदर की ओर से ये शिकायती पत्र पीएम मोदी, सीएम योगी के अलावा अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष, नई दिल्ली के अलवा आगरा के जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त, पुलिस उपआयुक्त, थाना छत्ता सर्किल के सहायक पुलिस आयुक्त और थाना ट्रांस यमुना के थाना प्रभारी का नाम है। इस पत्र में लिखा है कि वो मकान संख्या-183 इस्लाम नगर, टेढ़ी बगिया का रहने वाला है। उसके पड़ोसी और उनके रिश्तेदार अपराधी किस्म के लोग हैं। वो अपने घर में छोटी सी परचून की दुकान चलाता है। आरोपियों ने 16 दिसंबर की शाम पांच बजे ऑटो से उसकी दुकान में टक्कर मरवाई, जिससे उसकी छोटी बेटी आलिया के हाथ में चोट लग गई। पीड़ित ने थाने में शिकायत की, तो थाना पुलिस ने राजीनामा कराकर मामला रफादफा कर दिया। इसके बाद 18 दिसंबर को सुबह आठ बजे आरोपियों ने उसके घर पर पथराव कर दिया। बेटियों से अभद्रता की गई। विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। उसने दो बार डायल 112 पर फोन किया। दोनों बार पुलिसकर्मी आए, लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई करने की जगह उल्टा उसे ही डांट फटकार कर चले गए।

नया यूरोपीय आयात मानक एक जनवरी से होगा प्रभावी

एजेंसी

तेल अवीव। अपनी आयात प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए इजराइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्रालय ने सैकड़ों आयातकों के बीच किए गए एक व्यापक सर्वेक्षण के परिणाम प्रकाशित किए हैं। यह सर्वेक्षण 'जो यूरोप के लिए अच्छा है वह इजराइल के लिए अच्छा है' बैनर के तहत 01 जनवरी 2025 को प्रभावी होने वाले व्यापक आयात सुधार के कार्यान्वयन की तैयारी में आता है। सर्वेक्षण के अनुसार, बड़ी संख्या में आयातक आने वाले वर्ष की पहली तिमाही में नए सुधार का लाभ उठाने की उम्मीद करते हैं। इस पहल में इजराइल के आयात मानकों को यूरोपीय नियामक प्रथाओं के साथ संरेखित करना शामिल है, जो आम तौर पर इजराइल के मौजूदा प्रोटोकॉल की तुलना में कम कठोर हैं। सुधार का उद्देश्य आयात के लिए योग्य उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार करना है, इस कदम से बढ़ती प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने और इसके बाद इजराइली बाजार में कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने बताया कि 400 आयातकों ने सर्वेक्षण में भाग लिया, जिससे सुधार को तुरंत अपनाने के लिए पर्याप्त उत्सुकता का पता चला। अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री, नीर बरकत ने इस बात पर जोर दिया कि सुधार बाजार प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के साथ-साथ इजराइल की उच्च जीवन लागत का मुकाबला करने में एक महत्वपूर्ण उपाय का प्रतिनिधित्व करता है।

मेट्रो में जिंदा जलाई गई महिला की पुलिस ने की पहचान

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क शहर में ब्रुकलिन मेट्रो ट्रेन में एक हफ्ते पहले एक महिला को जिंदा जला दिया गया था। पुलिस ने मृतक महिला की पहचान कर ली है। समाचार एजेंसी न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से बताया कि पुलिस ने महिला की पहचान न्यू जर्सी के टॉम्स रिवर निवासी 61 वर्षीय देब्रिना कावम के रूप में की है। महिला कोनी आइलैंड में एक एफ ट्रेन के दरवाजे के सामने खड़ी थी, उसका शरीर आग की पलटों से घिरा था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गया था। जिंदा जलकर महिला की दर्दनाक मौत हो गई थी। कुछ घंटों बाद, देब्रिना कावाम पर हमला करने के आरोपी सेबेस्टियन जैपेटा-कैलिल (33) पर प्रथम श्रेणी की हत्या और आगजनी का आरोप लगाया गया। ब्रुकलिन के जिला अटॉर्नी एरिक गोंजालेज ने पिछले सप्ताह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया था कि जांचकर्ता महिला की पहचान करने के लिए हर संभव तरीके का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने उसके फिंगरप्रिंट लिए और डीएनए सबूत एकत्र किए थे। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज भी एकत्र किए, ताकि आग लगने से पहले महिला के चेहरे की स्पष्ट फोटो मिल सके। उन्होंने कहा था, मेरे लिए, मेरे कार्यालय के लिए, पुलिस विभाग के लिए यह प्राथमिकता है कि इस महिला की पहचान की जाए, ताकि हम उसके परिवार को सूचित कर सकें कि उसके साथ क्या हुआ था।

पाकिस्तानी जनता पर महंगाई की मार, नए साल पर बढ़े पेट्रोल, डीजल के दाम

इस्लामाबाद । पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया। 31 दिसंबर की रात जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, पेट्रोल की कीमत में 56 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, अब पेट्रोल की नई कीमत 252.66 रुपये प्रति लीटर होगी। इसी तरह, हाई-स्पीड डीजल की कीमत में 2.96 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। अब हाई-स्पीड डीजल की नई कीमत 258.34 रुपये प्रति लीटर होगी। ये बदलाव ईंधन की कीमतों में नियमित बदलाव के तहत किए गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार और स्थानीय आर्थिक हालात पर निर्भर करते हैं। पाकिस्तान सरकार ने 15 दिसंबर को पेट्रोल और डीजल की नई कीमतों का ऐलान किया। जानकारी के मुताबिक, पेट्रोल की कीमत 252.10 रुपये प्रति लीटर पर बनी हुई है। वहीं, हाई-स्पीड डीजल की कीमत में 3.05 रुपये प्रति लीटर की कमी आई है और अब इसकी नई कीमत 255.38 रुपये प्रति लीटर है। इसके अलावा, केरोसिन तेल की कीमत में 3.32 रुपये प्रति लीटर की कमी आई है और अब इसकी नई कीमत 161.66 रुपये प्रति लीटर है। लाइट डीजल तेल की कीमत में भी 2.78 रुपये प्रति लीटर की कमी हुई है और नई कीमत 148.95 रुपये प्रति लीटर तय की गई है।

संसद को भंग करने से समाधान के बजाय विभाजन बढ़ा : राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्वीकार किया कि जून में फ्रांसीसी नेशनल असेंबली को भंग करने से समाधान के बजाय विभाजन अधिक पैदा हुआ। राष्ट्रपति मैक्रों ने नववर्ष की पूर्वसंध्या पर कहा, इस विघटन का उद्देश्य फ्रांसीसी लोगों को उनकी आवाज वापस देना और स्थिति को साफ करना था, लेकिन समझ और विनम्रता यह मांग करती है कि हमें यह मानना चाहिए कि इस फैसले से शांति की बजाय ज्यादा अस्थिरता हुई है और मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, जून में यूरोपीय चुनावों में दक्षिणपंथी गठबंधन के हारने के बाद मैक्रों ने संसद भंग कर दी थी। उन्होंने संसदीय चुनावों की घोषणा की, जिसके परिणामस्वरूप संसद में अस्थिरता आई और प्रधानमंत्री गेब्रियल एटल को इस्तीफा देना पड़ा। मिशेल बार्नियर ने एटल का स्थान लिया, लेकिन 4 दिसंबर को अविश्वास प्रस्ताव में उन्हें हटा दिया गया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने नए साल के संदेश भी 'कश्मीर' का राग अलापा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्र के नाम संबोधन में 2025 में भूख, गरीबी, युद्ध, आतंकवाद, अपराध, संप्रदायवाद और वर्ग विभाजन से मुक्त दुनिया की आशा व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के लोगों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मगर इस मौके पर शरीफ %कश्मीर% का राग अलापना नहीं भूले। जियो न्यूज के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि मध्य पूर्व और भारत के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रहे अत्याचारों के मामले में पिछला साल सबसे खराब रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्य पूर्व संकट और कश्मीर मुद्दे का इस साल शांतिपूर्ण समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा, %%हमारे उत्पीड़ित

भाइयों और बहनों को भारतीय कब्जे वाली ताकतों की क्रूरता का सामना करना पड़ा। अपने संदेश में शहबाज ने राष्ट्र से 2025 में एक बेहतर और मजबूत पाकिस्तान के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 'मैं प्रार्थना करता हूं कि 2025 का सूरज हमारे देश पाकिस्तान के लिए प्रगति और समृद्धि के वादे के साथ उगेगा। मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि नए साल में हम पिछले साल में की गई अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक गलतियों को सुधारें और एक नई शुरुआत करें और एक नए उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत करें। राष्ट्रपति जरदारी ने नागरिकों से पिछले वर्ष की सफलताओं और कमियों पर चिंतन करने और उनसे सीखने और बेहतर भविष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने राष्ट्र की गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक सिद्धांतों के रूप में एकता, अनुशासन और कड़ी मेहनत के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने देश के युवाओं में निवेश के महत्व पर भी प्रकाश डाला और उन्हें पाकिस्तान के भविष्य की नींव बताया।

बिलावल भुट्टो के 2025 में पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी

एजेंसी

इस्लामाबाद। ज्योतिषियों के दावों पर यकीन किया जाए तो पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के लिए यह साल (2025) बड़ी सौगात देने जा रहा है। एक प्रसिद्ध ज्योतिषी ने मुल्क के अगले प्रधानमंत्री के रूप में उनके नाम की भविष्यवाणी की है। एआरवाई न्यूज चैनल के कार्यक्रम 'खबर' में ज्योतिषी सामिया खान ने यह भविष्यवाणी की। उन्होंने दावा किया कि पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो 2025 में प्रधानमंत्री और दूल्हा दोनों बन सकते हैं। सामिया खान ने कहा कि यह साल शहबाज शरीफ, मौलाना फजलुर रहमान और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के लिए यह साल अच्छा होगा। उन्होंने कहा इस साल मुल्क की स्थिति में सुधार होता दिख रहा है। साल के शुरुआती महीने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लिए फायदेमंद रहने की उम्मीद है। बिलावल भुट्टो के के राजनीतिक सितारे बहुत मजबूत हैं। यह संभव है कि उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। यहां तक ??कि वह दूल्हा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 21 सितंबर 1988 को कराची में जन्मे बिलावल पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के पुत्र हैं। 27 दिसंबर, 2007 को बेनजीर की हत्या के बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की कमान उनके हाथ में है। वह बेनजीर भुट्टो और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की सबसे बड़ी संतान और इकलौते बेटे हैं। उन्होंने दुबई के राशिद स्कूल फॉर बॉयज से पढ़ाई की और ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट भी प्राप्त किया। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के क्राइस्ट चर्च से इतिहास और राजनीति की पढ़ाई की है। बिलावल को उनके दादा हकीम अली जरदारी के निधन के बाद मई 2011 में जरदारी जनजाति का तुमंदर (प्रमुख) भी घोषित किया गया था।

जिम्बाब्वे ने मृत्युदंड को किया समाप्त, राष्ट्रपति मनांगाग्वा ने कानून को दी मंजूरी

एजेंसी

हरारे। जिम्बाब्वे ने मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है, यह उस देश में व्यापक रूप से अपेक्षित कदम था जिसने लगभग दो दशक पहले आखिरी बार यह सजा दी थी। 1960 के दशक में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा को एक बार खुद मौत की सज़ा का सामना करना पड़ा था। संसद से एक विधेयक पारित होने के बाद राष्ट्रपति मनांगाम्वा ने इस सप्ताह कानून को मंजूरी दी। जिम्बाब्वे में लगभग 60 कैदी मौत की सजा पर हैं, और नए कानून से उन्हें राहत मिली है। देश ने आखिरी बार दो दशक पूर्व वर्ष 2005 में किसी को फांसी दी थी। मृत्युदंड के खिलाफ अभियान चलाने वाले मानवाधिकार समूह के अनुसार, अन्य अफ्रीकी देशों जैसे केन्या, लाइबेरिया और घाना ने भी हाल ही में

मृत्युदंड को खत्म करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए हैं। हालांकि अभी तक इसे कानून में शामिल नहीं किया गया है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने देशवासियों से कहा- हमें अभी बहुत कुछ तय करना है

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए वर्ष की पूर्व संध्या पर टेलीविजन पर देशवासियों को संबोधित किया। क्रेमलिन प्रमुख ने कहा, हां, हमें अभी भी बहुत कुछ तय करना है लेकिन जो पहले किया जा चुका है उस पर हमें गर्व हो सकता है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों ने आगे के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। द मॉस्को टाइम्स के अनुसार, पुतिन ने अपने भाषण में देश की उपलब्धियों की प्रशंसा की। अपने पूर्ववर्ती बोरिस येल्तसिन से सत्ता संभालने के ठीक 25 साल बाद दिए गए संबोधन में पुतिन ने यूक्रेन युद्ध का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया। उनका भाषण मुख्य रूप से शुभकामनाओं पर केंद्रित रहा।

पुतिन ने कहा, प्रिय दोस्तों, बस कुछ ही मिनटों में 2025 की शुरुआत होगी, जो 21वीं सदी की पहली तिमाही को पूरा करेगा। उन्होंने रूसी सैनिकों की भी प्रशंसा की। पुतिन ने कहा, नए साल की दहलीज पर हम भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। हमें यकीन है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। हम केवल आगे बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि 1999 में नए साल की पूर्व संध्या पर बोरिस येल्तसिन ने अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा दे दिया था और अपने भाषण में देश में उथल-पुथल के लिए माफी मांगी थी।

तब पुतिन को कार्यवाहक राष्ट्रपति नामित किया गया था। टेलीविजन पर नए साल की पूर्व संध्या पर दिया जाने वाला भाषण सोवियत नेता लियोनिद ब्रेझनेव द्वारा शुरू की गई परंपरा का अनुसरण है। यह रूस के 11 समय क्षेत्रों में से प्रत्येक में आधी रात से ठीक पहले राज्य टीवी पर प्रसारित किया जाता है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। जांच एजेंसी ने उन्हें छह जनवरी से पहले हर हाल में गिरफ्तार करने की तैयारी कर ली है। सियोल वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने येओल को गिरफ्तार करने का वारंट जारी कर दिया है। यह वारंट भ्रष्टाचार जांच कार्यालय को मिल चुका है। वारंट की मियाद छह जनवरी को खत्म हो जाएगी। इस बीच राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने इस्तीफा देने की पेशकश की है द कोरिया हेराल्ड समाचार पत्र के अनुसार, येओल के विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के मामले की जांच भ्रष्टाचार जांच कार्यालय कर रहा है। इस कार्यालय के प्रमुख ओह डोंग-वून ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि येओल की गिरफ्तारी वारंट की मियाद खत्म होने से पहले कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रपति की सुरक्षा टीम

सहयोग नहीं करती तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। वून ने कहा कि कार्यालय ने राष्ट्रपति के सुरक्षा अधिकारियों से गिरफ्तारी में सहयोग करने का अनुरोध किया है। ओह ने चेतावनी दी कि गिरफ्तारी में हस्तक्षेप करने वालों पर सत्ता के दुरुपयोग और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोपों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति आवास का दरवाजा खोलने से इनकार करना, गेट पर ताला लगाना, बैरिकेड लगाना और गिरफ्तारी आदेश का पालन न करना भी सरकारी कार्य में बाधा डालना है। द कोरिया टाइम्स के अनुसार वारंट जारी होने के बाद राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ चुंग जिन-सुक और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वोन-सिक ने बुधवार को इस्तीफा देने की पेशकश की है।

कराची में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया बल प्रयोग, 11 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में पुलिस ने धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों पर कल बल प्रयोग किया। इस दौरान कम से कम 11 लोग घायल हो गए। इनमें छह पुलिस जवान भी शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में स्थित पाराचिनार में हाल ही में हुई हत्याओं के खिलाफ विरोध जताया है। डॉन समाचार पत्र के अनुसार, धार्मिक और राजनीतिक संगठन मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) ने पाराचिनार के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। संगठन के आह्वान पर देशभर में 20 दिसंबर से धरना और प्रदर्शन जारी है। सड़कें बंद कर दी गई हैं। प्रदर्शनकारी कुर्रम में जारी हिंसा के साथ-साथ उस घटना का भी विरोध कर रहे हैं जिसमें जिले के बागान इलाके में पाराचिनार की ओर जाते समय रास्ते में दो लोगों की हत्या कर दी गई और बाद में उनका सिर काट दिया गया।

एमडब्ल्यूएम के प्रवक्ता सैयद अली अहमर जैदी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने अब्बास टाउन, पावर हाउस और कामरान चौरंगी सहित 10 स्थानों पर आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा, बावजूद इसके तीन स्थानों नुमाइश चौरंगी, एंचोली और रिजविया सोसाइटी में धरना जारी है। उन्होंने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। उधर, पुलिस के बल प्रयोग की सूचना मिलते ही मालिर में मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी हिंसा भड़क उठी। यहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प होने की खबर है। पुलिस अधिकारी डॉ. सुम्मैया सैयद ने कहा कि चार घायलों को मालिर से जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर लाया गया। उनमें से एक की हालत गंभीर है। इस व्यक्ति के सिर में गोली लगी है।

पाकिस्तान ने ईरान से निर्वासित 10 हजार से अधिक नागरिकों के पासपोर्ट ब्लॉक किए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने 10 हजार से अधिक ऐसे नागरिकों के पासपोर्ट ब्लॉक कर दिए हैं, जो ईरान से निष्कासित किए गए थे। ये लोग यूरोप में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए ईरान का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए थे।

यह कदम देश में अवैध मानव तस्करों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के तहत उठाया गया है। हाल ही में ग्रीक के समुद्री क्षेत्र में एक नाव पलटने से 40 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों की मौत के बाद सरकार एक्शन में आई है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, 10,454 व्यक्तियों के पासपोर्ट ब्लॉक कर दिए गए हैं, जिन्हें ईरानी अधिकारियों ने उनके क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया था। मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि इन व्यक्तियों ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान और

उसकी असुरक्षित सीमाओं से ईरान में प्रवेश करने की कोशिश की थी। उनका अंतिम लक्ष्य यूरोप था। इन्हें पाकिस्तान और ईरान के स्थानीय तस्करों द्वारा भेजा जा रहा था। उनके संपर्क यूरोप में अवैध रूप से पहुंचने में मदद करने के लिए पहले से इंतजार कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद इन लोगों को बलूचिस्तान के छगई जिले में तफ्तान सीमा पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया गया। इन गिरफ्तारियों से यह चिंताजनक तथ्य सामने आता है कि पाकिस्तान से ईरान के रास्ते यूरोप जाने के लिए अवैध तरीकों का इस्तेमाल करने की इच्छा रखने वाले लोगों की संख्या कितनी अधिक है। गृह मंत्रालय ने पुष्टि की है कि वह अन्य देशों से गिरफ्तार और निष्कासित किए गए हजारों व्यक्तियों के पासपोर्ट भी ब्लॉक करने की प्रक्रिया में है। सूत्रों के अनुसार, पहले ही संयुक्त अरब अमीरात में नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों में शामिल 2,470 व्यक्तियों के पासपोर्ट ब्लॉक किए जा चुके हैं, जबकि इराक से निष्कासित 1,500 व्यक्तियों के पासपोर्ट और सऊदी अरब में हिरासत में लिए गए चार हजार से अधिक व्यक्तियों के पासपोर्ट भी ब्लॉक किए गए हैं। इन व्यक्तियों में से अधिकांश पाकिस्तान के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से हैं।

नेपाल–भारत के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण शुरू

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली सेना और भारतीय सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण का 18वां संस्करण आज 31 दिसंबर, 2024 को शुरू हुआ। रुपन्देही जिले के सलझंडी में नेपाली आर्मी बैटल स्कूल में मिड-वेस्टर्न डिवीजन कमांडर मेजर जनरल प्रेम बहादुर पुन ने औपचारिक समारोह के दौरान इस अभ्यास का उद्घाटन किया। इस अभ्यास में लेफ्टिनेंट कर्नल निरजन कटवाल के नेतृत्व में नेपाली सेना के 668 कर्मियों और कर्नल जपेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में भारतीय सेना के 668 कर्मियों की सहभागिता है। संयुक्त अभ्यास 13 जनवरी, 2025 को समाप्त होगा। सूर्य किरण अभ्यास का 17वां संस्करण पिछले साल पिथौरागढ़, भारत में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था। 2011 में अपनी स्थापना के बाद से, यह अभ्यास नेपाल और भारत में पारस्परिक आधार पर सालाना आयोजित किया गया है, जो अब तक 17 सफल

संस्करणों को पूरा कर रहा है।

यह अभ्यास मुख्य रूप से आतंकवाद विरोधी, आतंकवाद विरोधी, मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया अभियानों पर केंद्रित है। प्रतिभागी इन क्षेत्रों में आपसी सहयोग और समन्वय बढ़ाने के लिए अपनी विशेषज्ञता और अनुभवों को साझा करेंगे। नेपाली सेना का मानना है कि इस तरह के संयुक्त सैन्य अभ्यास न केवल दोनों देशों के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करते हैं बल्कि दोनों सेनाओं के बीच पेशेवर कौशल और आपसी समझ को बढ़ाने में भी योगदान देते हैं।

उत्तर कोरिया बना रहा चार हजार टन वजनी युद्धपोत, खतरनाक मिसाइलों से होगा लैस : सोल

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया ने एक चार हजार टन वजनी फ्रिगेट का निर्माण शुरू किया है। यह वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टम से लैस है। दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार, प्योंगयांग अपने परमाणु और मिसाइल हथियारों को आगे बढ़ाना चाहता है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने किम जोंग-उन की एक शिपयार्ड का दौरा करने के दौरान की तस्वीरें शेयर की थीं, जहां नए युद्धपोत का निर्माण किया जा रहा है।

श्रीलंका के सरकारी विभागों पर साइबर हमले

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के कई सरकारी संस्थानों को साइबर हमलों का सामना करना पड़ा है। एक पुलिस प्रवक्ता ने स्थानीय मीडिया को यह जानकारी दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के.बी. मन थुंगा ने कहा कि श्रीलंका पुलिस विभाग का आधिकारिक यूट्यूब चैनल हैक कर लिया गया है। मन थुंगा ने कहा कि श्रीलंका सरकार के प्रिंटिंग डिपार्टमेंट की आधिकारिक वेबसाइट को भी हैक कर लिया गया है और उसके डाटा में बदलाव किया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि श्रीलंका कंप्यूटर आपातकालीन तत्परता टीम (एसएलसीईआरटी) और पुलिस वर्तमान में साइबर हमलों की जांच कर रही है। एसएलसीईआरटी ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि सरकारी वेबसाइटें हमलों के प्रति संवेदनशील हैं और कहा कि वह

साइबर हमलों से निपटने के लिए सरकारी कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए कई कार्यक्रम चलाने की योजना बना रहा है। एक सरकारी प्रवक्ता ने घोषणा की कि श्रीलंका के मंत्रिपरिषद ने सोमवार को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसमें सार्वजनिक संस्थानों के अंदर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए हर मंत्रालय में जांच इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव है। कोलंबो में पत्रकारों से बात करते हुए, कैबिनेट प्रवक्ता और स्वास्थ्य और मास मीडिया मंत्री नलिंडा जयतिसा ने कहा कि सरकारी संस्थानों में अनियमितताओं के बारे में कई शिकायतें मिली हैं। जयतिसा ने बताया कि इन चिंताओं को दूर करने और सार्वजनिक सेवा को बढ़ाने के लिए, कैबिनेट ने ऐसी शिकायतों की निष्पक्ष और व्यवस्थित जांच करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत प्रस्ताव में मंत्री स्तर पर जांच इकाइयों की स्थापना की बात कही गई है, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व व्यापक सेवा अनुभव और जांच में पूर्व भागीदारी वाले एक वरिष्ठ कार्यकारी-ग्रेड सरकारी अधिकारी द्वारा किया जाएगा। जयतिसा के अनुसार, ये अधिकारी पिछले प्रशासनों के तहत राज्य संस्थानों के संचालन की जांच करेंगे और चल रही सार्वजनिक शिकायतों का समाधान करेंगे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

स्पैडेक्स पूरी तरह से स्वदेशी मिशन : जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि स्पैडेक्स मिशन का नाम भारतीय डॉकिंग टेक्नोलॉजी रखा गया है क्योंकि यह पूरी तरह से स्वदेशी मिशन है और भारत डॉकिंग तकनीक से संबंधित इस तरह का पहला प्रयोग कर रहा है। डॉ. सिंह ने दिल्ली के राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि स्पैडेक्स मिशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ बहुत मेल खाता है। उन्होंने कहा कि जहां तक डॉकिंग तकनीक का सवाल है, स्पैडेक्स मिशन की लॉन्चिंग भारत द्वारा किए गए पहले प्रयोगों में से एक है। यह पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक है और इसीलिए इसे भारतीय डॉकिंग तकनीक नाम दिया गया है। यह प्रधानमंत्री द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के मंत्र के बिल्कुल अनुरूप है। वर्ष 2024 के अंत के अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा कि वर्ष 2024 भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक उल्लेखनीय यात्रा रही है। भारत के पहले सौर मिशन का उदाहरण देते हुए सिंह ने कहा कि आदित्य मिशन भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक बहुत ही महत्वाकांक्षी मिशन है, जो लॉन्च होने के तीन महीने बाद ही जनवरी 2024 में एल1 बिंदु पर पहुंच गया। इसके अतिरिक्त भारत ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले तीन महीनों के भीतर अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया।

युवा नए साल 2025 को चुनौती के रूप में लें: डॉ. बीरबल झा

नई दिल्ली। हमारा देश न केवल सांस्कृतिक विविधताओं और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए जाना जाता है, बल्कि यह विश्व का सबसे युवा देश भी है। देश की 65 फीसदी जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु वर्ग में आती है, जो भारत को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली शक्ति बना सकती है लेकिन इस शक्ति का सही दिशा में उपयोग करने के लिए हमारे युवाओं को जिम्मेदारी से अपने कौशल को और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है। ब्रिटिश लिंग्वा के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. बीरबल झा ने यह बातें पटना में संस्था द्वारा आयोजित रिंग आउट द ओल्ड, रिंग इन द न्यू कार्यक्रम के दौरान कहीं। डॉ. झा ने कहा कि हमारे देश के युवा न केवल अपनी जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं, बल्कि वे अपने कौशल और मेहनत के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उनका मानना है कि युवा पीढ़ी को केवल अपनी नौकरी के बारे में नहीं सोचना चाहिए, बल्कि उन्हें वैश्विक कल्याण और विश्व बंधुत्व में भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध उद्धरण उठो, जागो, और संघर्ष करो तबतक जबतक लक्ष्य न हाशिल हो जाय का हवाला देते हुए युवाओं से आग्रह किया कि वे इस उक्ति को आत्मसात करें। उन्होंने कहा, हमारी युवा पीढ़ी को यह समझने की आवश्यकता है कि 21वीं सदी में कौशल और शिक्षा के बिना किसी भी व्यक्ति का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

भाजपा विधायकों ने कैग रिपोर्ट को सदन में प्रस्तुत करने की मांग को लेकर स्पीकर कक्ष में धरना दिया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा विधायक दल ने कैग की 14 रिपोर्ट्स को सदन पटल पर रखने के लिये विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर आज विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल के समक्ष उनके कार्यालय कक्ष में धरना दिया। इस दौरान विपक्षी विधायकों ने स्पीकर को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि वे इस संबंध में सरकार को निर्देश दें कि वह कैग की सभी 14 रिपोर्ट्स को तुरंत ही सदन पटल पर पेश करे। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सरकार ने चारों तरफ से दबाव होने के बावजूद कैग की 14 रिपार्ट्स को विधानसभा के सदन पटल पर रखने के लिये जानबूझकर देरी कर रही है ताकि सरकार का कार्यकाल किसी तरह पूरा हो जाये और इन रिपोर्ट्स में छुपी आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार की कहानी जनता के सामने न आ सके। विधानसभा अध्यक्ष से भेंट करने वालों में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता के साथ भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अभय वर्मा, अजय महावर, अनिल बाजपेयी और जितेंद्र महाजन शामिल थे।

केजरीवाल का नित बदलता रूप किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं: भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आज प्रेस वार्ता के माध्यम से भाजपा सोशल मीडिया विभाग के द्वारा बनाया वीडियो पोस्टर जारी कर अरविंद केजरीवाल के नित बदलते चेहरे को चुनावी राजनीति बताया। दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नये-नये चेहरे देख एक्टर संजीव कुमार की बहुत पुरानी फिल्म नया दिन नई रात की याद आती है, जिसमे संजीव कुमार मौका अनुसार चेहरा बदलते हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने प्रेस वार्ता में कहा कि अरविंद केजरीवाल की धर्म को लेकर मौकापरस्ती को इस वीडियो ने उजागर किया है। इसने स्पष्ट कर दिया कि अरविंद केजरीवाल चुनावी हिंदू बनने की और हिंदू धर्म का महिमामंडन करने की कोशिश कर रहे हैं। सचदेवा ने कहा कि जिस अरविंद केजरीवाल ने भगवान श्री राम के अस्तित्व पर ही सवाल उठाया हो, वह कभी हिंदुवादी नहीं हो सकता है।

दिल्ली में कोई मंदिर या बौद्ध स्थल तोड़ा न जाए, सीएम आतिशी ने एलजी को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को राजधानी के मंदिरों और बौद्ध धार्मिक स्थलों के मामले को लेकर चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कहा है कि उपराज्यपाल ने मंदिरों और बौद्ध धार्मिक स्थलों को तोड़ने के निर्देश दिए हैं लेकिन इन्हें तोड़ा नहीं जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस चिट्ठी में लिखा है कि आपके निर्देश पर और आपकी स्वीकृति से धार्मिक समिति ने दिल्ली भर में कई धार्मिक ढांचों को गिराने का निर्णय लिया है। जैसा कि आप देख सकते हैं कि गिराए जाने वाले धार्मिक ढांचों की सूची में कई मंदिर और बौद्ध पूजा स्थल शामिल हैं, जो दलित समुदाय द्वारा पूजनीय हैं। इन ढांचों को गिराने से इन समुदायों की धार्मिक भावनाओं को ठेस

पहुंचेगी। दिल्ली के लोगों की ओर से मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगी कि संलग्न सूची में दिए गए किसी भी मंदिर और पूजा स्थल को न तोड़ा जाए। इस चिट्ठी में पश्चिमी पटेल नगर, दिलशाद गार्डेन, सुंदर नगरी, सीमापुरी, गोकलपुरी और न्यू उस्मानपुर इलाके के एक-एक मंदिर का जिक्र किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे ध्यान में लाया गया है कि धार्मिक समिति ने 22 नवंबर 2024 को आयोजित बैठक में दिल्ली भर में अनेक धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने पत्र के साथ बैठक की कार्यवाही भी संलग्न की है। आतिशी ने तर्क दिया है कि इन बौद्ध धार्मिक स्थलों से दलितों की आस्था जुड़ी है। इन्हें तोड़ने से लोगों की भावनाएं आहत हो सकती हैं। हालांकि, पिछले साल जारी एक आदेश में आपके कार्यालय ने कहा था कि धार्मिक संरचनाओं को गिराना सार्वजनिक व्यवस्थासे जुड़ा मामला है, और यह निर्वाचित सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। यह सीधे एलजी के अधिकार क्षेत्र में होगा। तब से धार्मिक समिति के काम की निगरानी सीधे आपके द्वारा की जाती है। धार्मिक समिति की सभी फाइलें गृह विभाग से एलजी के पास भेजी जाती हैं, जिसमें मुख्यमंत्री और मंत्री (गृह) को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया जाता है। इससे पहले आतिशी ने आज गुरुद्वारा संत सुजान सिंह महराज करोल बाग में पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना के तहत ग्रंथी साहिबानों के पंजीकरण की शुरुआत की। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए लिखा, यह योजना समाज के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा और समर्पण को सम्मानित करने की दिशा में अरविंद केजरीवाल का एक सराहनीय प्रयास है।

सरकार 2025 में और अधिक मेहनत करने तथा विकसित भारत के लिए दृढ़ संकल्पित: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2024 में उनकी सरकार की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार वर्ष 2025 में और भी अधिक मेहनत करने तथा विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। श्री मोदी ने माई गोव इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट किए गए वीडियो पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, सामूहिक प्रयास और परिवर्तनकारी परिणाम! 2024 में कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं, जिन्हें इस वीडियो में बहुत ही शानदार ढंग से दर्शाया गया है। हम 2025 में और भी अधिक मेहनत करने और विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

मोदी ने संस्कृत विद्वान फिलियोजात के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। संस्कृत के जाने-माने विद्वान एवं पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर पियरे सिल्वेन फिलियोजात का पेरिस में निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार चल रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक जताया है और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री मोदी ने फ्रांसिसी मूल भारतीय संस्कृत विद्वान् एवं पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर फिलियोजात के निधन पर शोक जताया है और कहा है कि संस्कृत के लोकप्रिय बनाये जाने के प्रयासों के लिये याद किये जायेंगे। डॉ. फिलियोजात मैसूर में रहते थे और उन्हें इलाज के लिये पेरिस ले जाया गया था, जहाँ उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर शोक संदेश में कहा, %डॉ. पियरे सिल्वेन फिलियोजात को संस्कृत अध्ययन, विशेषकर संस्कृत साहित्य और व्याकरण के अध्ययन को लोकप्रिय बनाने के उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिये याद किया जायेगा। वह

भारत और भारतीय संस्कृति से गहराई से जुड़े हुये थे। उनके निधन से मुझे दुख हुआ है। दुख की इस घडी में मेरी संवेदनायें उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। उन्हें इस वर्ष पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

दल्लेवाल को मेडिकल सहायता मामले में उच्चतम न्यायालय ने पंजाब सरकार को दिया तीन दिन का अतिरिक्त समय

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब-हरियाणा सीमा पर एक महीने से अधिक समय से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल को मेडिकल सहायता देने के अपने आदेश पर अमल करने के लिए पंजाब सरकार को उसके अनुरोध पर तीन दिन यानी दो जनवरी तक की अतिरिक्त मोहलत दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने इस संबंध में पंजाब सरकार द्वारा दायर एक आवेदन और राज्य के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह की मौखिक गुहार पर गौर करते हुए यह आदेश पारित किया।

पीठ के समक्ष पंजाब के महाधिवक्ता श्री सिंह ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसानों ने प्रस्ताव दिया है कि अगर केंद्र सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित उनकी मांगों पर उनसे बात करने के लिए तैयार हो तो उनके नेता दल्लेवाल मेडिकल सहायता लेंगे।

श्री सिंह यह भी कहा कि केंद्र को प्रस्ताव दिया गया है और यदि वह

बातचीत के लिए तैयार है तो दल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने के लिए तैयार हैं। महाधिवक्ता ने कहा कि कुछ हस्तक्षेपकर्ता दल्लेवाल से बात करने गए थे। उन्होंने कहा कि बंद का आह्वान किया गया था जिसके परिणामस्वरूप पूरे राज्य में नाकेबंदी की गई। इस पर पीठ ने कहा, हम यह देखने के लिए समय देंगे कि क्या सभी पक्षों के लिए कुछ सहमत है।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, परिस्थितियों की समग्रता को ध्यान में रखते हुए और न्याय के हित में हम इस अदालत द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन के लिए कुछ और समय देने के अनुरोध को स्वीकार करने के लिए इच्छुक हैं। पीठ ने 26 नवंबर से आमरण अनशन कर रहे दल्लेवाल को मेडिकल सहायता लेने के लिए मनाने के अनुरोध पर पंजाब सरकार को तीन दिन का अतिरिक्त समय देते हुए यह भी कहा, %हम इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे कि क्या चल रहा है या बातचीत के बारे में क्या है। अगर कुछ ऐसा होता है जो सभी पक्षों को स्वीकार्य है तो हम समान रूप से खुश हैं।शीर्ष अदालत इस मामले में दायर एक अवमानना ??याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें राज्य सरकार द्वारा भूख हड़ताल पर बैठे दल्लेवाल को 20 दिसंबर के अदालती आदेश के अनुसार चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में विफल रहने के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की गई थी। शीर्ष अदालत ने 28 दिसंबर 2024 को पंजाब सरकार को फटकार लगाई थी और दल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया है। इसके साथ ही यह भी कहा था कि राज्य सरकार को यदि जरूरत पड़े तो वह केंद्र सरकार से सैन्य सहायता लेने के लिए स्वतंत्र है।

दिल्ली में 1984 के सिख विरोधी दंगा पीड़ितों ने किया प्रदर्शन, राहुल और प्रियंका को दी नसीहत

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ष 1984 के दिल्ली सिख विरोधी दंगा पीड़ितों ने यहां गुरुद्वारा बंगला साहिब के बाहर लोकसभा में नेता विपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व दंगा पीड़ितों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले सरदार गुरलाड सिंह काहलों ने किया। इस अवसर पर गुरलाड सिंह काहलों ने कहा कि प्रियंका गांधी ने संसद में केंद्र सरकार को घेरने के लिए अपनी पहली स्पीच में उन्नाव, हाथरस और मणिपुर तथा संभल आदि पर बोलीं लेकिन 40 साल पहले 1984 के सिख विरोधी दंगों पर नहीं बोलीं। आखिर उस समय ऐसा कौन सा जघन्य अपराध नहीं हुआ। सड़कों पर जा रहे निर्दोष सिखों को जला दिया गया, दुकानें लूट ली गईं, महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया।

काहलों ने कहा कि जिन्होंने इंदिरा गांधी की हत्या की, उन्होंने भावनाओं में बहकर हत्या की थी। एक हत्यारे को मौके पर गोली मार दी गई थी। दूसरे ने स्वीकार किया था कि उसने भावनाओं में बहकर हत्या

की थी। उन्होंने कहा कि इसी तरह भावनाओं में बहकर राजीव गांधी और शायद महात्मा गांधी की भी हत्या हुई थी। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि जब भावनाओं में बहकर हत्या हुई तो इस मामले में सभी सिखों को क्यों लपेटा गया? सड़क चलते निर्दोष सिखों के गले में टायर डालकर जलाया गया। उनके शवों के पास उनकी लड़कियों के साथ बलात्कार हुए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में तिलक नगर में एक कालोनी है, जिसका नाम विधवा कालोनी है। यहां 1984 के दंगे में मारे गए सिखों की विधवाएं रहती हैं। क्या उन्हें (राहुल गांधी को) अपनी मोहब्बत की दुकान को लेकर विधवा कालोनी में जाकर माफी नहीं मागना चाहिए? इन्हीं मुद्दों को लेकर हम मार्च निकाल रहे हैं और प्रियंका गांधी के आवास जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस प्रदर्शनकारियों को आगे जाने नहीं देगी लेकिन हमारे कुछ लोग जाने का प्रयास करेंगे। जो उन्हें इस तथ्य से अवगत कराएंगे।

मणिपुर हिंसा पर मुख्यमंत्री का माफी मांगना नाकाफी, प्रधानमंत्री वहां जाएं और माफी मांगें: जयराम रमेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन द्वारा राज्य में हिंसक घटनाओं के लिए माफी मांगने को नाकाफी बताते हुए इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मणिपुर का दौरा करने और वहां के हालात के लिए माफी मांगने का आग्रह किया है।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पत्रकारों से कहा कि हिंसा शुरू होने के 19 महीने बाद मणिपुर के मुख्यमंत्री एन वीरेन ने अपनी चुप्पी तोड़ी। तीन मई 2023 को मणिपुर जलने लगा। तब से बेइंतहा हिंसा हुई। सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों लोग विस्थापित हुए। आज सीएम ने क्या कहा, यह मायने नहीं रखता। मायने यह रखता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर पर अब तक अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। मोदी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को मणिपुर का जिम्मा दिया है, जिन्होंने 17 दिसंबर 2024 को राज्यसभा में बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री तो महज कठपुतली हैं। असली जिम्मेदार तो प्रधानमंत्री मोदी हैं। यह प्रधानमंत्री की विफलता है। प्रधानमंत्री को फौरन

मणिपुर जाना चाहिए। मणिपुर की जनता पूछ रही है कि प्रधानमंत्री क्यों मणिपुर नहीं जा रहे हैं? वो वहां जाएं और माफी मांगें। मुख्यमंत्री ने जो माफी मांगी है, वो उनका कर्तव्य है। रिलीफ कैंप स्थापित करना सरकार की जिम्मेदारी है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि कुछ महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मणिपुर में संवैधानिक मशीनरी का ब्रेकडाउन हो चुका है। इसलिए हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर जाना चाहिए। वहां के राजनीतिक दलों से नेताओं से मिलना चाहिए। रिलीफ कैंप में जाना चाहिए। नागरिक संस्थाओं से मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री पद से एन वीरेन को हटाना चाहिए। वहां के बारे में आज मुख्यमंत्री ने जो कहा, वह कोई खास मायने नहीं रखता। वहां प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जाना चाहिए और अपनी बात कहनी चाहिए। गौरतलब है कि इंफाल में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री सिंह ने राज्य में चल रहे संकट पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। मैं पिछले साल 3 मई से आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए राज्य के लोगों से माफी मांगना चाहता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोग अपने घर छोड़कर चले गए। मुझे खेद है। मैं माफी मांगता हूं।

मुस्लिम काशी,मथुरा पर दावा छोड़ें, मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजना बंद करेंगे : विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र कुमार जैन ने कहा है कि अगर मुसलमान काशी और मथुरा पर अपना दावा छोड़ दें तो वे हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग ढूंढना बंद कर देंगे। बतौर जैन अगर मुस्लिम समुदाय पहल करे और कट्टरता को छोड़कर प्यार से अपने अधिकार छोड़ दे तो आप हमारा दिल जीत लेंगे, अन्यथा इन मामलों के फैसले के लिए अदालतें हैं। डॉ. जैन ने एक बयान में कहा कि विश्व हिंदू परिषद ने अपने किसी भी विषय को नहीं छोड़ा है। मंदिर वहीं बनाएंगे, मंदिर भव्य बनाएंगे के वादे के अनुरूप अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है, अब कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर मुक्त होंगे। जैन ने कहा कि शांतिप्रिय हिंदू समाज 1984 से काशी और मथुरा पर दावा कर रहा है। उस समय भी हमने मुसलमानों को प्रस्ताव दिया था कि अगर वे इन दोनों जगहों पर अपना दावा छोड़ दें तो हिंदू समाज बाकी जगहों पर दावा नहीं करेगा। जैन ने खेद जाहिर करते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय ने अपनी कट्टरता नहीं छोड़ी और इस अवसर को गंवा दिया। अब मामला कोर्ट में है, फिर भी यदि मुसलमान काशी और मथुरा पर अपना दावा छोड़ दें तो हम मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजना बंद कर देंगे।सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के उस बयान पर भी सहमति जताई, जिसमें उन्होंने हर मस्जिद के नीचे मंदिर मत ढूंढो का आह्वान किया था। डॉ. जैन ने इस पर अपनी राय रखते हुए कहा कि हम सरसंघचालक के बयान से पूरी तरह सहमत हैं, लेकिन उनके बयान का एक वाक्य मोहन भागवत के उस बयान पर भी सहमति जताई, जिसमें उन्होंने हर मस्जिद के नीचे मंदिर मत ढूंढो का आह्वान किया था। डॉ. जैन ने इस पर अपनी राय रखते हुए कहा कि हम सरसंघचालक के उठाकर दिखाया गया। बतौर जैन सरसंघचालक ने यह भी कहा है कि पहले मुस्लिम समुदाय को कट्टरता छोड़नी होगी। जैन ने कहा कि मुस्लिमों की कट्टरता के चलते आज हिंदू समाज मस्जिद के नीचे मंदिरों की तलाश कर रहा है। बतौर जैन काशी और मथुरा के मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं। जैन ने कहा कि मुस्लिम समुदाय को इस मामले के नतीजे का धैर्यपूर्वक इंतजार करना चाहिए।

NAME CHANGE
I, Rahul S/O Dharampal R/o Dhandlan, Jahjjar, Haryana-124107 have changed My name To Rahul Chand For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, Suyash S/o Ajay Aggarwal R/o 277-R/17, Model Town, Sai Market Chowk Ke Pass, Sonipat Haryana-131001 Have Changed My Name To Suyash Aggarwal For All Future Purpose

NAME CHANGE
It is for general information that I PRIYANSHU SHISHODIYA S/O SANJEEV KUMAR RANA R/O C-59 Sector -P-3 Greater Noida, Rampur Jagir, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306, declare that name of my father has been wrongly written as SANJEEV KUMAR in my 10th and 12th educational documents. The actual name of my father is SANJEEV KUMAR RANA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Govind S/O Ghanshyam R/O Z-198, Gali No-10, Narayan Vihar, Prem Nagar-2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi - 110086 Have Changed my name and shall hereafter be known as Govind Vishwakarma.

NAME CHANGE
I, ABUTLAHA S/O UMAR FARUK residing at IJRAHTA, LAHTA, PUTAI, MANIGACHHI, DARBHANGA BIHAR - 847423 have changed my name to ABUTALHA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Raj Kumar S/O Dhani Ram R/0 Pol No- 163, Near Balmiki Mandir, Pachhiya Mohalla, Chhawla, Chhawla, South West Delhi, Delhi, 110071,declare that name of mine has been wrongly written as Raj Kumar BALMIKI in my service record. The actual name of mine is Raj Kumar,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Bala Devi W/O Ram Sagar Yadav, ?- 3/199, AGAR NAGAR, PREM NAGAR-3, NEAR BALMIKI MANDIR, KIRARI, North West Delhi, Delhi - 110086,have changed my name and shall hereafter be known as Rambala .

NAME CHANGE
I, SUMEDHA D/o YOGESH SHARMA R/o SECTOR D-170/D, L D A COLONY, S.O, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226012, have changed my name from SUMEDHA to SUMEDHA SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KHASHTI DEVI Mother of No-4200262Y Rank-HAV, Name-VINAY PANDEY Presently residing at H NO-53, 2ND FLOOR, B-BLOCK, GALI NO-6, BHAJANPURA, DELHI-110053 have changed my name from KHASHTI DEVI to KHASHTI PANDEY for all future purposes vide Affidavit dated 01/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD AMIR S/O ABDUL BARI residing at A-21/164 DDA FLATS INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to MD AMIR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PRIYA DESHWAL Wife of SACHIN DESHWAL residing at D-1073, STREET NO-9/10, NEAR DOCTOR MEHTA CLINIC, ASHOK NAGAR, MANDOLI, DELHI-110093 have changed my name and shall hereafter be known as PRRIYA DESHWAL .

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANKIT DESHWAL Son of Shri Ikbal Singh residing at D-1073, STREET NO-9/10, NEAR DOCTOR MEHTA CLINIC, ASHOK NAGAR, MANDOLI, DELHI-110093 have changed my name and shall hereafter be known as ANKKIT DESHWAL

NAME CHANGE
I, RAJ GUHAN FATHER OF R SADHIKA born on 09/10/2014, R/O H.NO. 10/5, C-2, KH.NO. 619/8, 619/3, SAVITRI RESIDENCY, CHATTTARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110074 have change the name of my minor daughter to SADHIKA RAJGUHAN for all purposes.

NAME CHANGE
I ZAINUL S/O MD RASOOL MISTRI R/O A-724, STREET NO 19, SHRI RAM COLONY, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME To MD ZAINUL HAQ

NAME CHANGE
I, JC-340030Y, Rank-SUB MAJ Name-RAM NIWAS MUWAL Father of AMISHA MUWAL Presently residing at VILL-MUWALON KI DHANI, PO-MAKRANA, TEH-PARBATSAR, DIST-NAGAUR, RAJASTHAN-341505 have changed my daughter's name from AMISHA MUWAL to AMISHA for all future purposes vide Affidavit dated 31/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JEEWAN CHANDRA PANDEY Father of No-4200262Y Rank-HAV, Name-VINAY PANDEY Presently residing at H NO-53, 2ND FLOOR, B-BLOCK, GALI NO-6, BHAJANPURA, DELHI-110053 have changed my name from JEEWAN CHANDRA PANDEY to JEEWAN CHANDRA for all future purposes vide Affidavit dated 01/01/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e.1. WILL Dated 14.05.2012 executed by Sh. Omprakash in favour of Sh. Ramakant Pathak in respect of Plot No. 16, Area Measuring 25 Sq. Yds., Out of Khasra No. 421, Situated at Indira Garden, Village Khora, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad, U.P. 2. WILL dated 24.05.2012 executed by Sh. Ramakant Pathak in favour of Smt. Santosh Kumari in respect of Residential Vacant Part of Plot No. 16, Area Measuring 25 Sq. Yds. Out of Khasra No. 421, Situated at Indira Garden, Village Khora, Pargana Loni, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P. (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Sh. Satish Kumar who is Selling the 'said property' to Smt. Payal and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., LAXMI NAGAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.
Dated : 01-01-2025
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

सार्वजनिक सूचना

मैंने 2798, प्रथम तल गली गढ़ैया कूचा चालान दरिया गंज, नई दिल्ली-110002, अपना फ्लैट मोहम्मद अनवार (पुत्र मो.हारून) निवासी मकान नं. 523, गली नंबर 4, कबीर नगर, पुराना शाहदरा , उत्तर पूर्वी दिल्ली- 110094, आधार कार्ड नंबर 4841 4617 8233) को 1 दिसंबर, 2023 से 31 अक्टूबर तक 11 महीने के समझौते पर घर किराए पर दिया था और पुलिस सत्यापन भी कराया था। परन्तु मोहम्मद अनवार जुलाई 2024 से मेरे संपर्क में नहीं है। उसने अगस्त-2024 से दिसंबर 2024 तक (छह महीने) का किराया भी नहीं दिया है। । मैं दिल्ली के कबीर नगर में उसके माता-पिता के घर भी गया, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसलिए पिछले छह महीने से इंतजार कर रहा हूं। अगले महीने, मैं दो लोगों की मौजूदगी में अपना घर खोलने जा रहा हूँ।

मो. जाकिर पुत्र मो. ?करिया निवासी 2632 तीसरी मंजिल, गली खजूर वाली, कूचा चालान, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002

NAME CHANGE
I, TULASI RANI DASADHIKARY Mother of JC-334191L Rank-SUB Name-RABI SANKAR DASADHIKARY Presently residing at VILL-BAMUNIA, PO-JUKHIA BAZAR, TEH-CONTAI, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721430, have changed my name from TULASI RANI DASADHIKARY to TULSI DASADHIKARI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 27/01/1962 instead of my correct date of birth as 28/10/1962 vide Affidavit dated 01/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, P PACHAI AMMAL Mother of JC-315192Y, Rank-NB/SUB, Name-SUBRABALA KUMAR R residing at 2/12, SOUTH STREET, VILL-SANGAMPATTI, PO-MURAMBAN, SUB DIST-OTTAPIDARAM, DIST-THOOTHUKUDI, TAMIL NADU-628302 have changed my name from P PACHAI AMMAL to PATCHIAMMAL for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/09/1951 instead of my correct date of birth as 01/06/1953 vide Affidavit dated 01/01/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, ADHILAKSIMI Mother of No-15326990Y Rank-HAV, Name-SRINIVASA RAO DOMPAKA Presently residing at VILL-KOLLIVALASA, PO-TALASAMUDRAM, MANDAL-POLAKI, DISTT-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532429, have changed my name from ADHILAKSIMI to DOMPAKA ADILAXMI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1967 vide Affidavit dated 01/01/2025 before Notary Public Delhi.

नारनौल खंड की महिलाओं के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 2 जनवरी को

एजेंसी

नारनौल। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। महिलाओं के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़े इसी उद्देश्य को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग 2 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में 30 वर्ष से ऊपर की महिलाओं तथा 30 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं व लड़कियों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करने जा रहा है। यह प्रतियोगिता केवल नारनौल शहरी व ग्रामीण खंड की महिलाओं के लिए है। यह जानकारी देते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 30 साल से ज़्यादा उम्र की महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर, डिस्कस थ्रो तथा 100 मीटर की दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 30 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं तथा लड़कियों के लिए 300 मीटर दौड़ तथा 400 मीटर की दौड़ के अलावा 5 किलोमीटर साइकिल रेस का आयोजन किया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि खेलों में नियमित रूप से भाग लेने से महिलाओं का तनाव कम होता है। कामकाजी महिलाओं को पारिवारिक और कार्य क्षेत्र के बीच संतुलन बनाने में मदद मिलती है। महिलाओं को अपने कौशल, शक्ति, और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए मौके पर ही पंजीकरण करवाया जाएगा। जो भी महिलाएं या लड़कियां इन प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहती हैं वे 2 जनवरी को सुबह 10 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाएं।

समाधान शिविर में एडीसी ने सुनीं नागरिकों की शिकायतें

नारनौल। मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार हर रोज सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में आज अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस मौके पर कुल 9 शिकायतें प्राप्त हुई। एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक समस्या को पूरी गंभीरता के साथ सुना जाए। सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को कागजात के बारे में अच्छी तरह से जानकारी दें। एडीसी ने कहा कि नागरिकों को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की समस्याओं को रखने का एक बहुत ही बेहतरीन प्लेटफार्म समाधान शिविरों के तौर में मिला है। समाधान शिविर में आज जिला के गांव कटकई के सतवीर ने बताया कि उनका राशन कार्ड नहीं बन रहा था। आज समाधान शिविर में उनका राशन कार्ड बन गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से की गई यह व्यवस्था बहुत अच्छी है। इस मौके पर एसडीएम रमित यादव, डीएसपी हरदीप सिंह, नगराधीश मंजीत सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

निगमायुक्त ने समाधान शिविर में शिकायतों का त्वरित निदान करने के दिए निर्देश

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि निगम क्षेत्र में सीवरेज ओवरफ्लो तथा ब्लॉकेज से संबंधित शिकायतों का त्वरित निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इसके तहत सभी अभियंता उनके क्षेत्रों में आने वाली शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करें। यह निर्देश निगमायुक्त ने मंगलवार को निगम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में जन शिकायतों की सुनवाई के दौरान अधिकारियों को दिए। मंगलवार को समाधान शिविर में निगमायुक्त के समक्ष 8 शिकायतकर्ता पहुंचे। इन शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुनकर निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निदान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़ी शिकायतों का मौके पर ही संबंधित जोनल टैक्सेशन अधिकारियों के माध्यम से समाधान सुनिश्चित कराया। हरियाणा सरकार की नई पहल के तहत 22 अक्टूबर से प्रत्येक कार्य दिवस लगातार आयोजित हो रहे समाधान शिविरों में नगर निगम गुरुग्राम के पास आई 498 शिकायतों का निदान किया जा चुका है। इनमें जन्म व मृत्यु प्रमाण-पत्र से संबंधित चार, बिल्डिंग प्लान से संबंधित चार, सीएंडडी वेस्ट से संबंधित छह, डॉग लाइसेंस से संबंधित एक, एनफोर्समेंट से संबंधित 23, कचरे से संबंधित 38, स्वास्थ्य से संबंधित एक, हॉर्टिकल्चर से संबंधित 20, विवाह पंजीकरण संबंधी एक, ओसी संबंधी एक, एनयूएलएम संबंधी एक, प्रॉपर्टी आईडी संबंधी 237, सड़क संबंधी 16, सीवरेज संबंधी 76, स्ट्रॉम वाटर ड्रेन संबंधी तीन, स्ट्रे कैटल संबंधी दो, स्ट्रीट लाइट संबंधी 14, अवैध निर्माण संबंधी 13, वाटर एवं सीवरेज कनेक्शन संबंधी छह, जलभराव संबंधी छह तथा पेयजल आपूर्ति संबंधी 25 शिकायतें शामिल हैं।

तावडू में विभिन्न गांवों में कार्यक्रम कर महिलाओं को जल संरक्षण के बारे में किया जागरूक

तावडू। महिला एंव बाल विकास विभाग की तरफ से 2 सर्कल बावला व सर्कल पढैनी की मीटिंग का आयोजन गांव बावला व सर्कल सेंटर में किया गया। जिसमें गांव बावला व पढैनी सर्कल के तहत आने वाले गांव सीलखो, नानुका, डीलमकी, मसीत, ग्वारका, पंचगांवा, चीला, चीलावली, बावला, छारौडा, नाई नंगला, बुराका, पिपाका, किरुरि धुलावट, खरखडी, राहेडी, माहलाका, साहलाका, घुसबैठी, पाटुका, भूतलाका आदि गांवों की आंगनवाडी वर्कर ने मंगलवार को इस सर्कल मीटिंग में बढ़ चढ़कर भाग लिया व पब्लिक हेल्थ विभाग की तरफ से जल एंव स्वच्छता सहायक संगठन की तरफ से आए खंड संयोजक संदीप शर्मा ने जल संरक्षण व जल की गुणवत्ता व टोल फ्री नंबर के बारे में ग्रामीण महिलाओं व आंगनवाडी वर्कर को विस्तार से बताया।

नए साल में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 21 दिन चलेगा आयोजन ल मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। नए साल में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का विस्तार होगा। अभी तक यह आयोजन 18 दिन तक होता था लेकिन 2025 में यह 21 दिन आयोजित होगा। महाभारत धरा की 48 कोस भूमि के तीर्थों पर भी महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। 2025 में नायब सरकार ने तीर्थों को स्वच्छ रखने और हरियाली बढ़ाने का रोडमैप तैयार किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में सीएम आवास पर आयोजित हुई कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के अधिकारियों व पदाधिकारियों की बैठक में तीर्थों के जीर्णोद्धार और गीता महोत्सव के आयोजन का एक्शन प्लान तैयार किया गया। वर्ष 2025 में पहली दिसंबर से महोत्सव का आगाज होगा। वहीं 21 दिन की अवधि में तीन शनिवार और तीन रविवार आए, इसको देखते हुए महोत्सव की अवधि तीन दिन बढ़ाई गई है।मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बैठक में 48 कोस के तीर्थों के जीर्णोद्धार के साथ आमजन

को जोड़ने का सुझाव देते हुए ग्राम पंचायतों व प्रबुद्ध लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने तीर्थों पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने ब्रज 84 कोस परिक्रमा की तर्ज पर महाभारत धरा पर 48 कोस तीर्थों की यात्रा शुरू करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड तीर्थों के जीर्णोद्धार के साथ उन पर वर्ष में महत्वपूर्ण पर्व व आयोजनों के दौरान कार्यक्रम आयोजित करे, ताकि लोगों का जुड़ाव तीर्थों के साथ बढ़े।गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के भव्य आयोजन पर मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर गीता विचारों की महत्ता बढ़ी है। पूरा विश्व तनाव ग्रस्त है, पूरे विश्व में युद्ध का वातावरण बना हुआ है। परिवार, समाज और आपस द्वेष बढ़ रहा है, हर व्यक्ति समस्याओं में उलझा हुआ है। 48 कोस तीर्थ निगरानी कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने तीर्थों पर चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि हर तीर्थ को स्वच्छ व हरा-भरा के लिए केडीबी पूरी तरह तत्पर है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, अतिरिक्त प्रधान सचिव साकेत कुमार, केडीबी के सदस्य सचिव विकास गुप्ता, कुरुक्षेत्र उपायुक्त नेहा सिंह तथा केडीबी मानद सचिव उपेंद्र सिंह प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने दी स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गांव चौटाला में स्थित साहिब राम स्टेडियम में पहुंचकर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धासुमन अर्पित किए और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला एक जिंदादिल इंसान थे। बेबाक होकर आमजन की आवाज उठाना उनकी रगों में बसा था। वे हमेशा मेहनतकश, किसान व मजदूर की आवाज बनकर रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर ओमप्रकाश चौटाला का प्रदेश के विकास में योगदान रहा और प्रदेश को विकसित राज्य बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई। ओमप्रकाश चौटाला युवाओं में बहुत प्रिय थे। उन्होंने समाज के सभी वर्गों का नेतृत्व किया। इसलिए उनका चला जाना संपूर्ण समाज व प्रदेश के लिए दुखदायी है।

महान व्यक्तित्व के धनी थे ओम प्रकाश चौटाला : बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गांव चौटाला के साहिब राम स्टेडियम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि ओमप्रकाश चौटाला महान व्यक्तित्व के धनी थे। प्रदेश की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

हरियाणा में पानी के लिए जो संघर्ष उन्होंने किया वो इतिहास में दर्ज है। उन्होंने कहा कि जब वे केंद्र में शहरी विकास मंत्री थे और ओमप्रकाश चौटाला हरियाणा के मुख्यमंत्री थे, उस दौरान एनसीआर की प्रांतीय बैठकों में ओमप्रकाश चौटाला ने न केवल एनसीआर प्रांत की मांगों को केंद्र के समक्ष रखा बल्कि उन्हें पूरा भी करवाया। इस प्रकार से एनसीआर के प्रांतों में हरियाणा को अग्रणी बनाने में उनका अहम योगदान रहा है। राज्यपाल ने

कहा कि पारिवारिक समारोह में पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला से मिला था, तो मुझे बहुत ही अच्छा लगा। जब अभय सिंह चौटाला उनसे एक प्रतिनिधि मंडल के साथ उनसे मिले थे, तब भी मैंने उनसे पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला का हाल जाना था, तब अभय ने बताया था कि ठीक है, लेकिन उनके चले जाने की खबर से बेहद ही दुःख हुआ। उन्होंने कहा कि भले ही ओमप्रकाश चौटाला हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी सेवा, परिश्रम, काम व लगन को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने पूरे प्रदेश की ओर से पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बहादुरगढ़ में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम तीन को, डीसी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

एजेंसी

बहादुरगढ़। डीसी प्रदीप दहिया ने मंगलवार को बहादुरगढ़ शहर का दौरा किया। दौरे के दौरान लघु सचिवालय का निरीक्षण किया, अधिकारियों की बैठक ली, तीन जनवरी को प्रदेश के मुख्यमंत्री के बहादुरगढ़ के प्रस्तावित दौरे को लेकर कार्यक्रम स्थल का व हेलीपैड का जायजा लिया, पुराने लघु सचिवालय सहित अन्य स्थानों का भी दौरा किया। इस दौरान डीसीपी बहादुरगढ़ मंयक मिश्रा, एसीपी शुभम सिंह, एसडीएम नसीब कुमार, नगराधीश परवेश कादियान सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे । डीसी ने लघु सचिवालय में प्रशासन, पुलिस और विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी तीन जनवरी को बहादुरगढ़ पधार रहे हैं। सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी के साथ मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर आवश्यक तैयारियां समय पर पूरा करें। डी सी ने कहा कि शहर में

सफाई व्यवस्था को लेकर काफी काम करने की जरूरत है। उन्होंने झज्जर रोड स्थित सब्जी मंडी व आसपास के क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के आदेश दिए ।डीसी ने लघु सचिवालय परिसर का भी निरीक्षण किया और सभी कार्यालयों में स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालय साफ सुथरे होने पर विभाग कार्यशैली भी बेहतर होती है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों में आने वाले नागरिकों के कार्य तय समय सीमा में पूरे किए जाएं। डी सी ने कहा कि बहादुरगढ़ देश की राजधानी दिल्ली से सटा हुआ क्षेत्र है। इसलिए शहर को साफ सुथरा रखने का हमारा दायित्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि शहर में अतिक्रमण की रोकथाम पर विशेष फोकस किया जाएगा। अतिक्रमण शहर की सुंदरता के साथ विकास में भी बाधा बनता है।

हरियाणा के किसानों को सूखा राहत का 90 करोड़ बोनस जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रदेश के धान उत्पादक किसानों को नए वर्ष का तोहफ़ा देते हुए उनके लिए 90 करोड़ का बोनस जारी किया। उन्होंने आज यहाँ अपने कार्यालय से ऑनलाइन बोनस जारी करने के बाद कृषि , बागवानी एवं अन्य सहायक क्षेत्रों के लिए अधिकारियों के साथ प्री-बजट चर्चा भी की। कृषि मंत्री ने आगामी बजट की व्यापक तैयारियां करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के व्यापक हित की योजनाओं के लिए बजट में रूपरेखा तैयार करें। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सभी 24 फसलों की खरीद को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने तत्काल राहत उपायों के तहत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा घोषित सूखा राहत योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ दो हजार का

बोनस प्रदान करते हुए 90 करोड़ जारी किए। यह निर्णय प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों से जूझ रहे धान उत्पादकों को समर्थन देने के उद्देश्य से लिया गया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी पहलों के प्रति किसानों में जागरूकता फैलाने पर भी जोर दिया। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को विभागीय संकल्पों (प्रतिबद्धताओं) की स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और घोषित योजनाओं को समय पर लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि उपकरणों के लिए प्रत्यक्ष सब्सिडी हस्तांतरण जल्द से जल्द किया जाए , ताकि किसान खुले बाजार से उपकरण खरीद सकें। हरियाणा राज्य कृषि एवं विपणन बोर्ड के अधिकारियों को कृषि मंडियों (मंडियों) में किसानों और श्रमिकों के लिए सुविधाओं को बढ़ाने का निर्देश दिया गया। विपणन प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए अधिकारियों से राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) को बढ़ावा देने का आग्रह किया, जिससे किसान अपने उत्पाद पूरे भारत में ऑनलाइन बेच सकें। कृषि मंत्री ने कहा कि पराली जलाने को रोकने के लिए आगे आने वाली ग्राम पंचायतों को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। अधिकारियों ने कृषि मंत्री को जानकारी दी कि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए नकली बीज, कीटनाशक और उर्वरक बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। श्याम सिंह राणा ने बताया कि हरियाणा एकमात्र ऐसा राज्य है जो पराली न जलाने वाले किसानों को प्रति एकड़ एक हजार प्रदान करता है।

हरियाणा के विकास को नई दिशा देने का कार्य चौटाला की देखरेख में हुआः नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुये। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा के विकास को नई दिशा देने का कार्य चौटाला की देखरेख में हुआ।मुख्यमंत्री सैनी सिरसा के गांव चौटाला के चौधरी साहब राम स्टेडियम में आयोजित स्व. चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की श्रद्धांजलि सभा में को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौटाला का जीवन संघर्ष का प्रतीक रहा है। उनके मार्गदर्शन में हरियाणा को विकास के क्षेत्र में नई दिशा मिली। ऐसे महान व्यक्तित्व चौधरी ओम प्रकाश चौटाला अपना एक गौरवशाली जीवन व्यतीत करके हम सबको एक दिशा देकर गए हैं। ऐसी दिवंगत आत्मा से हमें प्रेरणा मिलती है, जिन्होंने समाज और प्रदेश के हित में अपना जीवन समर्पित किया। जब भी समाज के

हित की बात आई चौटाला ने हमेशा आगे बढ़कर योगदान दिया और लोगों तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को ये दुःख सहने का साहस दे।

लोहारू में दलित युवती आत्महत्या के दोषियों पर कार्रवाई कर रही पुलिस : बेदी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के लोहारू के एक कॉलेज में पढ़ने वाली दलित युवती की आत्महत्या के मामले में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा है कि युवती के आत्महत्या के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के इस मामले में ट्वीट किए जाने पर कहा कि ट्वीट करने वाले दोषियों को बचाने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की बात करें। दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और पुलिस दोषियों की धरपकड़ के लिए तत्परता से काम कर रही है। राज्य की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी यहां हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। मंत्री बेदी ने कहा कि जिस कॉलेज में युवती पढ़ती थी, उस कॉलेज की तरफ से क्षेत्र में लंबे समय से निःशुल्क शिक्षा और निशुल्क यातायात सुविधा दिए जाने की बातें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उक्त क्षेत्र के विधायक के वीडियो भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। इस मामले में पीड़ित बेटी के पिता ने शिकायत में कहा कि कॉलेज की प्रिंसिपल और प्रिंसिपल के भाई पर दलित बेटी को मानसिक

और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। लोहारू थाने में इस संबंध में 27 दिसंबर को एफआईआर दर्ज हो चुकी है। पुलिस दोषियों की गिरफ्तारी के लिए कोशिश कर रही है। इस मामले में कांग्रेस नेताओं के ट्विट पर मंत्री बेदी ने कहा कि ट्वीट करने वाले नेताओं को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आधा अधूरा ट्वीट करके ये नेता दोषियों को बचाने में लगे हैं। उन लोगों को दलित बेटी को न्याय दिलाने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मिर्चपुर के घटनाक्रम के समय ये कांग्रेस नेता ट्वीट करना क्यों भूल गए थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि क्या पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने विधायक से इस विषय में पूछेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का दोषियों को बचाने का प्रयास करने के ट्वीट की वह निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि उक्त नेताओं को अपना ट्वीट वापस लेना चाहिए और दलित बेटी को न्याय दिलाने के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात करनी चाहिए।

आईजी ने किया नारनौल का दौरा

जिला पुलिस द्वारा जब्त किए गए नशीले पदार्थों का किया निरीक्षण

एजेंसी

नारनौल। साउथ रेंज के आईजी अशोक कुमार ने आज महेंद्रगढ़ जिले में नारनौल का दौरा किया। आईजी ने एनडीपीएस एक्ट

के तहत दर्ज मामलों में पुलिस द्वारा पकड़े गए नशीले पदार्थों का निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी पूजा वशिष्ठ, डीएसपी हरदीप सिंह, डीएसपी सुरेश कुमार, डीएसपी दिनेश कुमार मौजूद रहे। इस दौरान मामलों का निरीक्षण कर उनके रख-रखाव बारे निर्देश दिए। जब्त मामलों के रिकॉर्ड और उनकी चेकिंग को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद महिला थाना नारनौल का निरीक्षण करते हुए सीसीटीएनएस एवम् कंप्यूटर कक्ष और थाना परिसर में साफ-सफाई का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन का निरीक्षण किया, पुलिस लाइन में उन्होंने एडम ब्लॉक और लाइन की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं और लाइन की साफ-सफाई एवम् स्वच्छता के निरीक्षण के दौरान आईजी संतुष्ट दिखाई दिए। आईजी ने निरीक्षण करते हुए वहां पर मौजूद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कार्यालय दक्षिण मंडल रेवाड़ी से उप निरीक्षक अनिल, उप निरीक्षक राजेश और महिला थाना प्रबंधक और अन्य पुलिस कर्मचारी मौजूद थे।

एडीसी हितेश कुमार ने ऋण योजना की बुकलेट का किया विमोचन

एजेंसी

गुरुग्राम। नाबार्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 51 हजार 914 करोड़ रुपये की जिला स्तरीय संभावित ऋण योजना तैयार की है। एडीसी हितेश कुमार ने नाबार्ड के इस क्रेडिट प्लान की बुकलेट का विमोचन किया। नाबार्ड गुरुग्राम संभाग के प्रमुख विनय कुमार त्रिपाठी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण व आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लिए जिला में अगले साल प्राथमिक क्षेत्र को बैंकों द्वारा 51 हजार 914 करोड़ रूपए के ऋण प्रदान किए जा सकते हैं। नाबार्ड द्वारा हर साल बैंक अधिकारियों, कृषि, शिक्षा, पशुपालन विभाग, एमएसएमई व अन्य विभागीय अधिकारियों से विचार-विमर्श करने के बाद हरियाणा व केंद्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं को सफल बनाने के उद्देश्य से संभावित ऋण योजना तैयार की जाती है। इस साल की संभावित ऋण योजना का विमोचन एडीसी हितेश कुमार द्वारा किया गया। जिसमें वर्ष 2025-26 के दौरान बैंकों द्वारा प्राथमिक क्षेत्र जैसे कृषि, पशु पालन, मत्स्य पालन, एमएसएमई और अन्य प्राथमिक क्षेत्र जैसे शिक्षा, निर्यात, स्वास्थ्य, स्वयं

सहायता समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप), संयुक्त दायित्व समूह (जॉइंट लायबिलिटी ग्रुप) को ऋण दिए जाने की संभावना जताई गई है। नाबार्ड के क्लस्टर हैड ने बताया कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार ने प्राथमिक क्षेत्र के ढांचागत विकास के लिए सरकारी विभागों के माध्यम से अनेक योजनाएं शुरू की हुई हैं। जिनमें हर साल युवाओं, कामकाजी महिलाओं, विद्यार्थियों, किसानों, अनुसूचित वर्ग, अंत्योदय परिवारों को स्वरोजगार, विद्या प्राप्त करने, औद्योगिक एवं व्यावसायिक विकास, उन्नत खेती, दुग्ध उत्पादन, उत्पादों का निर्यात आदि के लिए बैंक से लोन दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के पोटेंशियल क्रेडिट प्लान के अनुसार कृषि क्षेत्र को तीन हजार 287 करोड़ रुपये, एमएसएमई अर्थात लघु व सूक्ष्म उद्योगों को स्थापित करने के लिए 45 हजार 491 करोड़ रुपये तथा अन्य प्राथमिक क्षेत्र (ओपीएस) यानि स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्यात आदि के लिए तीन हजार 135 करोड़ रूपए के ऋण दिए जा सकते हैं।

समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का हुआ समाधान

एजेंसी

नूंह। जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शिविर में नागरिकों ने बिजली, पानी, सड़क शिक्षा, स्वास्थ्य और पेंशन से जुड़ी शिकायतें प्रशासन के समक्ष रखीं।

समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रियता दिखाते हुए कई समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया। जिन मामलों में समय की आवश्यकता थी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा में निपटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि आयोजित समाधान शिविर में कुल 6 शिकायत प्राप्त हुई। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने शिविर के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समाधान शिविर नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल समस्याओं के समाधान में मददगार साबित होते हैं, बल्कि प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास को भी मजबूत करते हैं। जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि हर नागरिक की समस्या को गंभीरता से लिया जाए और उन्हें शीघ्र समाधान प्रदान किया जाए। शिविर में पहुंचे नागरिकों ने प्रदेश सरकार के इस पहल की सराहना की और अपनी समस्याओं पर तुरंत ध्यान देने के लिए धन्यवाद दिया। कई नागरिकों ने कहा कि समाधान शिविर जैसे आयोजन से उन्हें अपनी शिकायतें सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिलता है। शिविर में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया और नागरिकों की शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करें और समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने नागरिकों से अपनी शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविरों का फायदा उठाने का आह्वान किया। प्रत्येक कार्य दिवस जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के जरिये प्रशासन को अपनी समस्याओं से अवगत कराएं ताकि समस्या का त्वरित समाधान करते हुए नागरिकों को राहत दी जाए। जिला प्रशासन नागरिकों की जनहित को लेकर प्रतिबद्ध है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.72 प्रतिशत चढ़कर 71.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.68 प्रतिशत बढ़कर 74.49 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

खाद्य तेलों में टिकाव, दालें सस्ती

नयी दिल्ली । विदेशी बाजारों की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि अधिकांश दालें सस्ती हो गईं वहीं अन्य जिसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जनवरी का पाम ऑयल वायदा 90 रिंगिट गिरकर 4835 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.22 सेंट की बढ़त के साथ 40.08 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों टिकाव रहा सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन:दाल-दलहन के बाजार में मिलजुला रुख रहा। चना 150 रुपये, दाल चना 150 रुपये और अरहर दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गया। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

व्हाट्सऐप पे को अब सभी को यूपीआई सेवाएं प्रदान करने की अनुमति

मुंबई। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने थर्ड पार्टी ऐप प्रदाता व्हाट्सऐप पे को अब सभी उपयोगकर्ताओं को यूपीआई सेवायें प्रदान करने की अनुमति दे दी है। एनपीसीआई ने आज यहां जारी बयान में कहा कि व्हाट्सऐप पे के लिए यूपीआई उपयोगकर्ता ऑनबोर्डिंग सीमा को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इसके साथ ही व्हाट्सऐप पे अब भारत में अपने संपूर्ण उपयोगकर्ताओं को यूपीआई सेवाएँ प्रदान कर सकता है। इससे पहले,एनपीसीआई ने व्हाट्सऐप पे को चरणबद्ध तरीके से अपने यूपीआई उपयोगकर्ता आधार का विस्तार करने की अनुमति दी थी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी के सीईओ अमित सिंह पद से हटेंगे, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार की कमान संभालेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एजीईएल) ने कहा कि उसके मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित सिंह अपने पद से हटेंगे और अदाणी समूह के अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। अदाणी समूह की कंपनी ने बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ आशीष खन्ना अगले साल एक अप्रैल से अदाणी ग्रीन एनर्जी के सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। बयान के अनुसार, ''एजीईएल के वर्तमान सीईओ अमित सिंह 31 मार्च, 2025 से कंपनी के सीईओ के रूप में अपने पद से हट जाएंगे और अदाणी समूह के अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ का पदभार संभालेंगे।''

एजीईएल ने कहा कि यह कदम अदाणी समूह में नियमित आंतरिक नेतृत्व बदलाव की योजना के अनुरूप है। समूह और कंपनी के उद्देश्यों के अनुरूप सतत विकास और लगातार विकसित होने वाले नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए यह बदलाव किया गया है। खन्ना के पास भारत और विदेश दोनों में नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, परियोजना प्रबंधन और अनुबंध प्रबंधन के क्षेत्रों में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। अमित सिंह को ऊर्जा उद्योग का रणनीतिकार माना जाता है। वह एसएलबी (पूर्व में श्लम्बरगर) में काम करने के व्यापक वैश्विक अनुभव के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में बदलाव के क्षेत्र में अच्छा-खासा अनुभव रखते हैं।

आठ प्रमुख उद्योगों में नवंबर के उत्पादन में सालाना आधार पर 4.3 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। सीमेंट, कोयला और इस्पात क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश के आठ प्रमुख उद्योगों ने सम्मिलित उत्पादन सूचकांक में नवंबर 2024 में एक साल पहले की तुलना में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है। मंत्रालय ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इन प्रमुख उद्योगों की अक्टूबर, 2024 के उत्पादन के आंकड़ों को संशोधित कर उस माह वृद्धि के पहले अनुमान को 3.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया। अप्रैल-नवंबर, 2024-25 के दौरान इन आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.2 प्रतिशत बढ़ा। इन आठ उद्योगों का देश के कुल औद्योगिक उत्पादन का

लगभग 40 प्रतिशत योगदान है। विज्ञप्ति के अनुसार नवंबर के आंकड़ों में सीमेंट क्षेत्र का बड़ा योगदान है। सीमेंट उत्पादन में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। एक साल से अधिक समय में सीमेंट क्षेत्र के उत्पादन में यह सबसे बड़ा उछाल है। माह-दर-माह आधार कोर इंडस्ट्रीज का सूचकांक (आईसीआई) अक्टूबर के स्तर से 3.3 प्रतिशत नीचे 156.8 सूचकांक पर आ गया, जिसमें आठ में से छह क्षेत्रों में उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। रिफाइनरी उत्पाद और कोयला ही एकमात्र ऐसे क्षेत्र थे, जिनमें पूर्ण उत्पादन स्तर में वृद्धि देखी गई, जो क्रमशः चार महीने और आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। साल-दर-साल आधार पर, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में क्रमशः 2.1 प्रतिशत और 1.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी । कच्चे तेल का उत्पादन लगातार सात महीने और गैस का लगातार पाचवें महीने में गिरावट में रही। बिजली उत्पादन में पिछले वर्ष नवंबर की तुलना में इस वर्ष नवंबर में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि स्टील का उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 4.8 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान उर्वरकों का उत्पादन साल-दर-साल दो प्रतिशत की दर से बढ़ा, जबकि रिफाइनरी उत्पादों में 2.9 प्रतिशत और कोयले के उत्पादन में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। अगस्त, 2024 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार उस माह इन प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में सालाना आधार पर 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी थी।

विमान ईंधन 1,401.37 रुपये तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल 2025 की शुरुआत कई सारे बदलाव के साथ हो गई है। विमानन क्षेत्र को राहत देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम में 1,401.37 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती की है। इस कटौती के बाद हवाई सफर सस्ता हो सकता है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई । इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, नई दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 1,401.37 रुपये घटकर 90,455.47 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) हो गई है। इसी तरह कोलकाता में इसका भाव 93,059.79 रुपये प्रति किलोलीटर, मुंबई में 84,511.93 रुपये प्रति किलोलीटर और चेन्नई में 93,670.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने एटीएफ की कीमत में

1,318.12 रुपये प्रति किलोलीटर और नवंबर में 2,941.5 रुपये प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की गई थी। विमान ईंधन की कीमतों में यह गिरावट हवाई यात्रियों के लिए संभावित लाभ में तब्दील हो सकती है।

गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, निफ्टी और सेंसेक्स ने निचले स्तर से की शानदार रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। पहले 1 घंटे के कारोबार में बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में बड़ी गिरावट आ गई, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने जोर लगाया। खरीदारों की लिवाली की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के कुछ देर पहले ये दोनों सूचकांक निचले स्तर से शानदार रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे। हालांकि आखिरी वक्त में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बनने की वजह से दोनों सूचकांक वापस लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.14 प्रतिशत टूट कर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 0.00042 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ साल 2024 के कारोबार का अंत किया। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, एनर्जी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह पीएसई, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, टेक, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी होने के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.99 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 441.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 63 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,079 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,321 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,647 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 111 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,503 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,572 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 931 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरें रहेंगी अपरिवर्तित : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त 2024-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के लिए लघु बचत योजनाओं की की ब्याज दरों में लगातार चौथी तिमाही में इसमें कोई बदलाव नहीं किया है। सरकार ने इन योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी है।वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज की दरें, जो 01 जनवरी 2025 से शुरू होकर 31 मार्च 2025 को समाप्त होंगी, वो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (01 अक्टूबर, 2024 से 31 दिसंबर, 2024) के लिए अधिसूचित दरों से अपरिवर्तित रहेंगी। मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज की दरें वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अधिसूचित दरों से अपरिवर्तित रहेंगी। अधिसूचना के अनुसार सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 फीसदी ब्याज मिलेगी, जबकि तीन साल की

सावधि जमा पर ब्याज की दर 7.1 फीसदी ही रहेगी। सबसे प्रचलित सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज की दरें क्रमशः 7.1 फीसदी और 4 फीसदी पर बरकरार रखी गई है। किसान विकास पत्र पर ब्याज की दर 7.5 फीसदी होगी, जबकि निवेश 115 महीने में परिपक्व होगा। इसी तरह राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज की दर जनवरी-मार्च 2025 की अवधि के लिए 7.7 फीसदी रहेगी। इसके अलावा मासिक आय योजना पर निवेशकों को 7.4 फीसदी ब्याज मिलेगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पिछली चार तिमाहियों से लघु बचत योजनाओं पर ब्याज की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछली बार पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कुछ योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव किया गया था। वित्त मंत्रालय प्रत्येक तिमाही में डाकघरों और बैंकों की ओर से संचालित लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की अधिसूचना जारी करती है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। नया साल 2025 अपने साथ कई सारे बदलाव को लेकर आया है। इन बदलावों का असर आपकी जिंदगी और जेब पर पड़ेगा। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की गाड़ियां महंगी हो गई हैं। वहीं, 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक सस्ता हो गया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। नई दरें लागू हो गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 16 रुपये तक की कटौती की है। राजधानी दिल्ली में इसका दाम 14.50 रुपये घटकर 1804 रुपये हो गया है, जो पहले 1818.50 रुपये में मिल रहा था। वहीं, कोलकाता में इसकी कीमत 16 रुपये घटकर 1911 रुपये हो गई है, जो पहले 1927 में मिल रहा था। मुंबई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 15 रुपये घटकर 1756 रुपये का हो गया है, जबकि चेन्नई में यह सिलेंडर 1966 रुपये का मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

नए साल में बदल जाएंगे कई नियम, आपकी जेब पर भी पड़ सकता है असर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आज 2024 का आखिरी दिन है और कल से नए साल 2025 की शुरुआत हो जाएगी। नए साल की शुरुआत के साथ ही कई चीजें बदलेंगी, वहीं कुछ नियमों में भी बदलाव होगा। इनमें जीएसटी के नियम, पेंशन, यूपीआई लिमिट समेत कई नियम शामिल हैं। एक जनवरी से नए नियमों के तहत कई कामकाज होंगे। जीएसटी काउंसिल के फैसले के मुताबिक 1 जनवरी से जीएसटी से जुड़े कई नियमों में परिवर्तन होने वाला है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन (एमएफए) का है। एमएफए की प्रक्रिया जीएसटी फाइल करने वाले सभी करदाताओं पर लागू होगी। इसका उद्देश्य जीएसटी फाइल करने की प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित बनाना है। इसी तरह 1 जनवरी से बेसिक फोन या पुश बटन फोन के जरिए अपने बैंक अकाउंट से पैसा ट्रांसफर करने वाले टेलीफोन यूजर्स के

लिए यूपीआई 123 पे की लिमिट 10,000 रुपये कर दी गई है। पहले यूपीआई 123 पे के तहत टेलीफोन यूजर्स अधिकतम 5,000 रुपये ट्रांसफर कर सकते थे। पेंशन प्लान के मामले में भी बड़ा अपडेट है। 1 जनवरी से ईपीएफओ ने पेंशन के नियमों को सरल कर दिया है। इसके तहत अब किसी भी बैंक से कर्मचारी अपने पेंशन की रकम को निकाल सकेंगे। ईपीएफओ के इस नियम से पेंशन की रकम निकालना काफी आसान हो जाएगा। इसके लिए कर्मचारियों को किसी भी अतिरिक्त सत्यापन की जरूरत नहीं होगी।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद लिए गए फैसले में किसानों के लिए बिना गारंटी लोन की सीमा बढ़ाने की भी मंजूरी दी गई थी। इसके तहत 1 जनवरी से किसान अब बिना गारंटी के 2 लाख रुपये तक कर्ज ले सकेंगे। पहले बिना गारंटी के किसानों को 1.60 लाख रुपये तक लोन मिलता था, लेकिन अब इसकी सीमा 2 लाख कर दी गई है। 1 जनवरी से ऑयल मार्केटिंग कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी बदलाव कर सकती हैं। हर महीने की पहली तारीख को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों को रिवाइज करती है। इसके बाद कीमतों को घटाया या बढ़ाया जा सकता है। कई बार ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कीमतों में बदलाव नहीं भी करती हैं या कई बार किसी एक ही श्रेणी के सिलेंडर की कीमत में बदलाव किया जाता है। हालांकि इसकी ठोस जानकारी कल यानी 1 जनवरी को ही मिलेगी। 1 जनवरी से ही फिक्स डिपॉजिट (एफडी) के नियमों में भी बदलाव होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक में नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए एफडी से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। ये बदलाव फिक्स डिपॉजिट में जमा की गई रकम को परिपक्वता की तारीख से पहले ही निकाल लेने से संबंधित है।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का आईपीओ 6 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 133-140 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आईपीओ के लिए साल 2024 शानदार रहा। निवेशकों को अगले साल के आईपीओ का इंतजार है। इस बीच नए साल में स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 6 जनवरी को निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल?य का दायरा (प्राइस बैंड) 133-140 रुपये प्रति शेयर तय किया है। शेयरों की लिस्टिंग 13 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर होगी।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आईपीओ 6 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 8 जनवरी, 2025 को बंद होगा। कंपनी ने कहा कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले वाले इस इश?यू में निवेशक न्यूनतम 107 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 107

इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। बालो को फिर से उगाना अब हुआ संभव 9 सिर्फ यह जड़ीबूटी स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड कंपनी का आईपीओ 410.05 करोड़ रुपये का एक बुक बिल्ट इश्यू है। यह 210 करोड़ रुपये मूल्य वाले 1.50 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू और 200.05 करोड़ रुपये के 1.43 करोड़ ऑफर फॉर सेल शेयरों का कॉम्बिनेशन है। कंपनी इस नए निर्गम से प्राप्त 10 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मशीनरी और उपकरणों की खरीद, कुछ बकाया उधारों और भुगतान के लिए 130 करोड़ रुपये और इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के लिए 30 करोड़ रुपये तथा 20 करोड़ रुपये सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड भारत में फार्मास्यूटिकल और रासायनिक क्षेत्रों के लिए शीर्ष 5 विशेष इंजीनियरिंग उपकरण निर्माताओं में से एक है। इस कंपनी के पास पूरी उत्पादन प्रक्रिया को इन-हाउस प्रबंधित करने की क्षमता है। कंपनी की हैदराबाद (तेलंगाना) में आठ मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। यह कंपनी फार्मास्यूटिकल और केमिकल निर्माताओं के लिए डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, असेंबली, इंस्टॉलेशन और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीज़र सहित टर्नकी सॉल्यूशन प्रदान करती है।

जिंदल स्टेनलेस ने कर्मचारियों को ईसॉप्स प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने वरिष्ठ कर्मचारियों को कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना के तहत कर्मचारी स्टॉक विकल्प (ईसॉप्स) और सीमित स्टॉक यूनिट्स (आरएसयू) में बराबर हिस्सेदारी के माध्यम से रियायती दर पर 12,42,736 स्टॉक विकल्प प्रदान किए हैं।कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि ये स्टॉक विकल्प पिछले साल दिसंबर में कंपनी द्वारा प्रदान किए गए स्टॉक विकल्प के क्रम में दिए गए हैं। प्रदर्शन पर आधारित ये स्टॉक विकल्प चार वर्ष की अवधि के लिए होंगे।कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सुशील बावेजा ने कहा जिंदल स्टेनलेस कर्मचारियों के विकास और सफलता के लिए अवसर सृजित करने को लेकर बहुत

प्रतिबद्ध है। इस तरह की पहल से हम हमारे कर्मचारियों में धन अर्जित करने और स्वामित्व की भावना पैदा करके उन्हें सशक्त बनाते हैं, जिसकी वजह से कर्मचारियों में कंपनी के प्रति अधिक जुड़ाव, उत्साह और निष्ठा बढ़ती है। इससे, बदले में सभी हितधारकों का महत्व बढ़ता है, कंपनी और कर्मचारियों दोनों को एक-दूसरे से लाभ होता है और कंपनी मजबूत होती है। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और प्रदर्शन के लिए उन्हें पुरस्कृत करना है। इसका एक और मकसद स्वामित्व की भावना पैदा करके, नए प्रतिभाशाली कर्मचारियों को आकर्षित करना और ऐसे मौजूदा कर्मचारियों को बरकरार रखना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति

लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.18 प्रतिशत फिसलकर 70.47 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत उतरकर 74.16 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

कैट वर्ष 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाएगा: प्रवीण खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने वर्ष 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। कैट के राष्ट्रीय राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने मंगलवार को कहा कि यह वर्ष व्यापारियों के अधिकारों, देश के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विकास में उनके योगदान और उनकी समस्याओं को उजागर करने तथा उनके सम्मान को स्थापित करने के उद्देश्य से समर्पित होगा। खंडेलवाल ने बताया कि आगामी 6-7 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में कैट एक राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन आयोजित कर रहा है। उन?होंने कहा कि इस सम?मेलन में देश के सभी राज्यों के 150 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेता शामिल होंगे और व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप देंगे। खंडेलवाल ने कहा कि देशभर के 48 हजार से ज?यादा व्यापारिक संगठन इस बृहद योजना के क्रियान्वयन में जुटेंगे। वहीं, कैट अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने कहा कि देशभर में मअनेक कार्यक्रम होंगे, जिसमें व्यापारियों के अधिकारों और सम्मान के लिए विशेष पहल होगा। दोनों व्यापारी नेताओं ने बताया की प्रारंभिक रूप से व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के तहत मुख्य कार्यक्रम की योजना बनाई गई है, जिसमें विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

देशव्यापी अभियान :-

-व्यापारियों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

-केंद्र और राज्य सरकारों के साथ संवाद कर व्यापारियों के लिए हितकारी नीतियों की मांग की जाएगी।

सम्मान समारोह :-

-देशभर में व्यापारियों के योगदान को मान्यता देने के लिए विशेष सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

-प्रमुख व्यापारियों और संगठनों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं :-

-व्यापारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

-डिजिटल व्यापार, जीएसटी, ई-कॉमर्स और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

-व्यापारी मार्च एवं रैलियां

-व्यापारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए देश के विभिन्न राज्यों में स्वाभिमान मार्च निकाले जाएंगे।

-व्यापार में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी।

व्यापारिक संस्कृति को बढ़ावा :-

-स्थानीय और पारंपरिक व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष मेले और प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी।

व्यापारियों का स्वाभिमान होगा सर्वोपरि

प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कैट व्यापारियों की रीढ़ की हड्डी के रूप में उनकी भूमिका को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों को एक मंच पर लाने का यह प्रयास व्यापारिक समुदाय को एक नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी संगठनों, एसोसिएशनों और व्यापारियों से अनुरोध है कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें और 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाकर अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा करें।

हड्डियों को स्टील जैसा मजबूत बना देंगी ये 5 चीजें ! इनमें कूट-कूटकर भरा है कैल्शियम, मसल्स ग्रोथ भी होगी तेज

डेयरी प्रोडक्ट्स को कैल्शियम का सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है और इनका सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है. हालांकि इसके अलावा भी कई फूड्स को खाने से हड्डियों में फौलादी ताकत आ सकती है.

शरीर को ताकतवर रखने के लिए हड्डियों का मजबूत होना बहुत जरूरी है. हमारे शरीर का पूरा वजन हड्डियों पर ही आता है और हड्डियों को लंबी उम्र तक हेल्दी बनाए रखने के लिए कैल्शियम रिच फूड्स का सेवन करने की सलाह दी जाती है. कैल्शियम एक जरूरी मिनरल होता है, जो हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है और शरीर की फंक्शनिंग को बेहतर बनाए रखने में मददगार होता है. आमतौर पर दूध, दही, पनीर को कैल्शियम का अच्छा सोर्स माना जाता है, लेकिन अन्य चीजों में भी भरपूर कैल्शियम होता है. हड्डियां मजबूत बनाए रखने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए.

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक कैल्शियम आपके हड्डियों और दांतों का जरूरी हिस्सा है. कैल्शियम हार्ट और मसल्स की फंक्शनिंग के लिए भी जरूरी होता है. अधिकांश वयस्कों को रोज कम से कम 1300 मिलीग्राम कैल्शियम का सेवन करना चाहिए. हालांकि टीनएजर्स, महिलाओं और बुजुर्गों को ज्यादा कैल्शियम की जरूरत होती है. भारत में लाखों लोग कैल्शियम की कमी से जूझ रहे हैं और इससे निपटना बहुत जरूरी है. लंबे समय तक कैल्शियम की कमी रहे, तो हड्डियां कमजोर हो सकती हैं और नर्वस सिस्टम भी गड़बड़ा सकता है. ऐसे में इसे लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं बरतनी चाहिए.

ङ्क हरी पत्तेदार सब्जियों में कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है. पालक एक हरी पत्तेदार सब्जी है, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्त्रोत है. इसमें विटामिन च और फाइबर भी अच्छी मात्रा में होता है, जो हड्डियों की सेहत के लिए फायदेमंद हैं. हालांकि पालक में ऑक्सेलेट्स की मात्रा भी होती है, जो कैल्शियम के अवशोषण को कम कर सकती है, लेकिन फिर भी हड्डियों को मजबूत करने के लिए इसका सेवन लाभकारी होता है.टोफू को बेस्ट नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड माना जाता है. टोफू सोयाबीन से बनाया जाता है और यह कैल्शियम का एक बेहतरीन सोर्स है. टोफू में कैल्शियम के साथ अच्छी खासी मात्रा में प्रोटीन भी होता है. सोफू का सही तरीके से सेवन किया जाए तो हड्डियों की मजबूती के साथ मसल्स की ग्रोथ भी बेहतर हो सकती है. अगर आप दूध, दही नहीं खाते हैं, तो टोफू का सेवन करें. टोफू आयरन, मैग्नीशियम और फास्फोरस से भी भरपूर होता है. चिया सीड्स दिखने में जितने छोटे होते हैं, उतने ही कैल्शियम से भरपूर होते हैं. ये सीड्स फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होते हैं. माना जाता है कि एक-दो चम्मच चिया सीड्स में एक गिलास के बराबर कैल्शियम पाया जाता है. अगर आप रोज एक चम्मच चिया सीड्स खाएंगे तो आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होगी. चिया सीड्स को स्मूदी, दलिया या सलाद में डालकर खा सकते हैं. तिल के बीज कैल्शियम का एक बेहतरीन स्त्रोत हैं. तिल में प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की भी भरपूर मात्रा होती है, जो ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं. इसके अलावा अंजीर कैल्शियम के साथ पोटैशियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होता है. यह हड्डियों की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है और पाचन को बेहतर बनाता है. आप अंजीर को सीधे खा सकते हैं या किसी चीज में मिलाकर खा सकते हैं. सोया मिल्क कैल्शियम का एक अच्छा स्त्रोत है. यह उन लोगों के लिए बेहतरीन ऑप्शन है, जो डेयरी प्रोडक्ट्स से परहेज करते हैं. सोया मिल्क में प्रोटीन, विटामिन क्च2, और अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी होते हैं, जो शरीर को ओवरऑल बूस्ट कर सकते हैं. इसके अलावा आलू भी कैल्शियम का एक अच्छा स्त्रोत है. आलू में कैल्शियम के अलावा

गांधी के अपमान के जरिए डॉ आंबेडकर के अपमान को किनारे लगाने का खेल

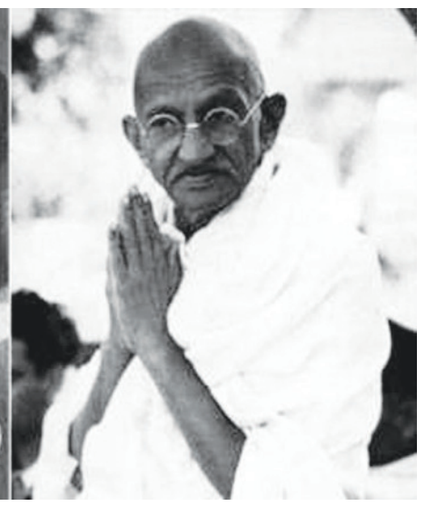

बेलगावी अधिवेशन में कांग्रेस ने अपने भीतर बड़ा बदलाव किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में और राहुल गांधी की वैचारिक स्पष्टता एवं संघर्ष के संकल्प के साथ कांग्रेस एक नए युग में प्रवेश कर रही है। पहली बार कांग्रेस महात्मा गांधी और डॉ अंबेडकर को एक साथ स्थापित करके संविधान बचाने की मुहिम को जमीन पर उतारने जा रही है। जाहिर तौर पर 26 दिसंबर के लिए प्राइम टाइम डिबेट का यह बड़ा मुद्दा था।अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर पटना में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम में लोक गायिका देवी को गांधीजी के प्रिय भजन गाने पर माफी मांगनी पड़ी। एक लोकगीत के बाद गायिका देवी ने %रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम% भजन गाना शुरू किया। लेकिन जैसे ही उन्होंने %ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान!% गाया, बापू सभागार में मौजूद तमाम भाजपा कार्यकर्ताओं ने %अल्लाह% शब्द का विरोध करना शुरू कर दिया। यह विरोध यहां तक पहुंच गया कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने गायिका देवी पर दबाव डाला कि वह इसके लिए माफी मांगें, सॉरी कहें। गायिका देवी ने मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं और संघी हिंदुत्ववादियों के समक्ष माफी मांगी। इसके बाद पूर्व मंत्री अश्विनी चौबे ने जोर-जोर से %जय श्रीराम% के नारे लगाए। प्रश्न यह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का प्रिय भजन गाने पर एक लोक गायिका से माफी मंगवाने के क्या मायने हैं? प्रथम दृष्टया यह घटना गांधीजी और गायिका देवी के अपमान से जुड़ी हुई है, इसलिए यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या अब इस देश में गांधी का भजन गाना जुर्म हो गया है? दरअसल, संघी प्रयोगशाला में मुसलमान, अल्लाह, खुदा, मस्जिद जैसे शब्दों के प्रति इतनी नफरत घोल दी गई है कि जैसे ही ये शब्द कान में पड़ते हैं, प्रतिरोध का गुबार खड़ा हो जाता है। भाजपा ने आईटी सेल द्वारा परोसे गए ज्ञान और नफरत के जरिए अपने समर्थकों को एक जोंबी ग्रुप में तब्दील कर दिया है। यही कारण है कि जैसे ही उन्होंने अल्लाह शब्द सुना, %भक्तों% को लगा जैसे किसी ने उनके कानों में खौलता हुआ तेल उड़ेल दिया। इसीलिए वे बेचैन होकर गायिका देवी के खिलाफ चिल्लाने लगे। नतीजे में गायिका देवी को माफी मांगनी पड़ी।लेकिन क्या यह मामला सिर्फ गांधी और गायिका देवी के अपमान तक महसूद है? या इसके पीछे कोई बड़ा खेल छिपा हुआ है? इसकी पड़ताल करने के लिए आयोजन और अपमान की टाइमिंग को समझने की जरूरत है। यह घटना 25 दिसंबर की है। जबकि इसका वीडियो एक दिन बाद 26 दिसंबर की शाम को वायरल होता है। इसके बाद

अचानक तमाम टीवी चैनलों पर इसकी चर्चा शुरू हो जाती है। क्या प्राइम टाइम डिबेट के लिए यह खबर वायरल की गई थी? दरअसल, 26 दिसंबर को ही कांग्रेस पार्टी ने %बेलगाम कांग्रेस% के 100 वर्ष पूरे होने पर कर्नाटक के उसी शहर, जो आज बेलगावी कहा जाता है, में अपनी वर्किंग कमेटी का अधिवेशन किया। बेलगाम कांग्रेस (1924) के लिए महात्मा गांधी पहली और आखिरी बार कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे। इस अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए गांधीजी ने हिन्दू - मुस्लिम एकता और खादी के साथ अस्पृश्यता निवारण को कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल किया। दरअसल, गांधी ने कांग्रेस को जमीन पर उतारने के लिए राजनीतिक आंदोलन के साथ सामाजिक कार्यक्रमों पर जोर दिया। यही कारण है कि कांग्रेस गांधी के नेतृत्व में तेजी से सामान्य लोगों के बीच लोकप्रिय हुई। गरीबों, वंचितों, किसानों के साथ-साथ दलितों और आदिवासियों को जोड़ने के लिए गांधी ने सुनियोजित कार्यक्रम शुरू किए। यही कारण है कि धीरे-धीरे कांग्रेस के साथ समूचा देश चल पड़ा। दलितों की मुक्ति के सवाल पर आगे चलकर उनका मुकाबला कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स से पढ़ाई करके भारत लौटे प्रभावशाली, बौद्धिक और अपने समाज के लिए समर्पित डॉ. अंबेडकर से हुआ। डॉ. अंबेडकर कांग्रेस और गांधीजी के अस्पृश्यता निवारण कार्यक्रम से संतुष्ट नहीं थे।वह त्वरित गति से सामाजिक बदलाव चाहते थे। लेकिन गांधीजी ब्राह्मणवादी सवर्णों का हृदय परिवर्तन की आकांक्षा लेकर उनके भीतर अपराध बोध पैदा करके दलितों का उद्धार करना चाहते थे। कहा जा सकता है कि दोनों का लक्ष्य एक ही था, लेकिन रास्ता और गति में काफी अंतर था। बावजूद इसके, अपवादों को छोड़कर दोनों एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव रखते थे। गांधीजी ने डॉ अंबेडकर को संविधान सभा में शामिल करने और प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाने के लिए नेहरू और पटेल को निर्देशित किया। डॉ. अंबेडकर ने गांधीजी के विश्वास को बरकरार रखते हुए भारत को एक बेहतरीन संविधान दिया, जिसे ग्रेनविल ऑस्टिन ने सामाजिक न्याय का दस्तावेज कहा है। इसके साथ ही डॉ अंबेडकर ने अपने जीवन- संघर्ष और विचारों के जरिए दलित-वंचित -शोषित समाज को सुनहरे भविष्य का सपना भी दिया।बेलगावी अधिवेशन में कांग्रेस ने अपने भीतर बड़ा बदलाव किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में और राहुल गांधी की वैचारिक स्पष्टता एवं संघर्ष के संकल्प के साथ कांग्रेस एक नए युग में प्रवेश कर रही है। पहली बार कांग्रेस महात्मा गांधी और डॉ अंबेडकर को एक साथ स्थापित करके संविधान बचाने की मुहिम को जमीन पर उतारने जा रही है। जाहिर तौर पर 26 दिसंबर के लिए प्राइम टाइम डिबेट का यह बड़ा मुद्दा था। लेकिन पटना में महात्मा गांधी के प्रिय भजन और लोक गायिका के अपमान के मुद्दे के जरिए भाजपा ने हैडलाइन मैनेजमेंट ही नहीं किया बल्कि कांग्रेस अधिवेशन को पूरी तरह से ब्लैकआउट कर दिया। लेकिन इस घटनाक्रम के पीछे असल कारण कोई और है।शीतकालीन सत्र के दौरान अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर का अपमान किया था। संविधान और डॉ अंबेडकर को लेकर पिछले कुछ समय से मुखर विपक्ष को घेरते हुए अमित शाह ने बड़े हिकारत से कहा था कि %आजकल अंबेडकर... अंबेडकर करना फैशन हो गया है। अगर इतनी बार भगवान का नाम लिया होता तो सात जन्म के लिए स्वर्ग मिल जाता।% इस मुद्दे पर कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष ने अमित शाह से माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग करते हुए संसद से सड़क तक विरोध किया। इसके मुकाबले में भाजपा और आरएसएस को कोई जवाब नहीं सूझ रहा था। हालांकि नरेंद्र मोदी ने एक दिन में लगातार पांच ट्वीट करके अमित शाह को बचाने की पुरजोर कोशिश की। लेकिन उतनी ही आक्रामकता के साथ कांग्रेस पार्टी ने अमित शाह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। राहुल गांधी ने नीले रंग की टीशर्ट पहनकर %मैं भी अंबेडकर% लिखे नारे वाले पोस्टर के साथ संसद में प्रदर्शन किया। राहुल गांधी पिछले दो साल से लगातार संविधान और सामाजिक न्याय की आवाज बुलंद कर रहे हैं। पचास फ़ीसदी आरक्षण की सीमा को बढ़ाने, जाति जनगणना और दलित, ओबीसी, आदिवासियों को सभी क्षेत्रों में समुचित प्रतिनिधित्व देने की बात वे लगातार कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी डॉ अंबेडकर की जन्मस्थली महू गए। लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने संविधान बचाने की मुहिम चलाई। नतीजा यह हुआ कि चार सौ सीटें जीतने का सपना देखने वाली भाजपा बहुमत भी हासिल नहीं कर पाई। राहुल गांधी और विपक्ष ने इस बात को पहचान लिया कि संविधान और डॉ अंबेडकर के सम्मान को लेकर देश का दलित वंचित समाज बेहद सचेत और आक्रामक है। अम्बेडकरवादी तबका किसी भी कीमत पर बाबा साहेब के अपमान को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

आज की राजनीति और सामाजिक आंदोलन के सबसे बड़े नायक डॉ अम्बेडकर हैं। हिंदुत्व के हमले के मुकाबले अम्बेडकरवाद सीना तानकर खड़ा है। अम्बेडकरवाद आज विपक्ष का अचूक हथियार बन गया है। पार्लियामेंट में पहली बार %जय भीम% का नारा गूंजा। इन परिस्थितियों में अमित शाह के पास बचने का कोई रास्ता नहीं था। मिजाज के मुताबिक अमित शाह ने अपने बयान पर कोई माफी नहीं मांगी। इसलिए उनका विरोध बढ़ता चला गया। इससे उबरने और डॉ अंबेडकर के अपमान के मुद्दे को भटकाने के लिए ही क्या पटना की घटना को अंजाम दिया गया? यह घटना कहीं महात्मा गांधी के अपमान के जरिए डॉ अम्बेडकर के अपमान को किनारे लगाने का खेल तो नहीं है? अगर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल महात्मा गांधी के अपमान पर मुखर होते हैं और डॉ अम्बेडकर के अपमान को भूल जाते हैं तो निश्चित तौर पर अमित शाह बहुत राहत महसूस करेंगे। संभवतया इसीलिए पटना में इस पूरे खेल की साजिश रची गई।

संपादकीय

नीतीश को महंगा पड़ेगा छात्रों पर जुल्म

बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली पर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें फेंकी। उनका जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाज़त नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के खलाफ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है।नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि %वे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी। हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था, तो वे मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। अगले साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है।70वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिये। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उन के खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। 3.25 लाख ने 13 दिसम्बर को परीक्षा दी परन्तु इसके पर्चे लीक होने, कई कोचिंग संस्थानों द्वारा दिये गये प्रश्नपत्रों से सवाल मिलने तथा अन्य अनियमितताओं के कारण इस परीक्षा को रद्द करने की मांग होने लगी, लेकिन बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा रद्द होने का सवाल ही नहीं है। बेहतर है कि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा की तैयारियों में जुट जायें।यह मुद्दा कहां तक जाता है और सरकार परीक्षार्थियों की मांगें पूरी करती है या नहीं, यह तो आने वाला वक्त ही बतायेगा; परन्तु रविवार के प्रदर्शन में हुई पुलिस कार्रवाई का खामियाजा नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एवं सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन को भुगतना पड़ सकता है जिन्हें फिर से जनता का सामना करना है। प्रदर्शनकारियों का तो साफ कहना था कि उनकी परीक्षा के बाद 2025 में नीतीश कुमार सरकार की परीक्षा होगी। इशारा साफ है कि दोनों पार्टियों का मताधार खिसक सकता है। इस प्रदर्शन पर हुई पुलिस कार्रवाई से आंदोलनकारियों के प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों में भी नाराज़गी हो गयी है। सीपीआई एमएल तो पहले से ही इस आंदोलन का समर्थन कर रहा है। प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि %परीक्षार्थियों के साथ जो ज्यादती की गयी है, उसे देखकर कलेजा कांप जाता है। अन्य विपक्षी दल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी आदि भी नीतीश सरकार पर हमलावर हो गये हैं। यहां तक कि एनडीए में सहयोगी चिराग पासवान ने भी नीतीश सरकार से मांग की है कि छात्रों पर लाठी बरसाने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो।यह मामला नीतीश कुमार पर इसलिये भारी पड़ सकता है क्योंकि रोजगार बिहार का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। जिस तरह से राज्य की इस सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण परीक्षा को सरकार की कार्यपद्धति ने संदिग्ध और अपारदर्शी बना दिया है, उसके कारण युवाओं एवं आम जनता में भारी रोष है। लोगों को अब वे दिन भी याद आ रहे हैं जब जेडीयू एवं आरजेडी की सरकार थी और जिस दौरान बड़ी तादाद में लोगों को रोजगार मिले थे।

दूरगामी लाभ का निर्णय है जिलों की समाप्ति का निर्णय

राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हांलाकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक

निर्णय के रुप में ही देखा गया।

भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चे अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी। सरकारी ऑफिस, सरकारी बंगले और ना जाने कितने ही कार्यो के लिए स्थान और आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं और अन्य सेवाएं अलग होगी। हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापमढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलो का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरु नहीं हो पाये हैं। दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। हांलाकि लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं।प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़बे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। सरकार की प्रशासनिक और लोकहितकारी होने का इसी से पता चलता है कि वह जनहित में जोखिम भरे निर्णय लेने में भी कोई संकोच ना करें। लोकतंत्र में जनता और जनता का हित बड़ी बात होनी चाहिए क्योंकि सरकार द्वारा निर्णयों का असर दूर तक जाता है। कड़बे निर्णय यदि लोकहित में होते हैं तो जनता ऐसे निर्णयों को हाथोंहाथ लेती है। इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सरकार बनने के पहले साल में ही बड़े निर्णय कर सबको चौंका दिया है। राजनीतिक लाभ हानि से परे हटकर मुख्यमंत्री ने 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय व्यापक जनहित में ही देखा जाना चाहिए।

आर्थिक विश्लेषकों को मानना है कि सरकार को अपने प्रशासनिक खर्चों को एक सीमा तक रखना चाहिए। हांलाकि सब कुछ जानते हुए भी होता इसके विपरीत ही है। सरकार राजस्व का अधिकांश खर्चा अपने प्रशासनिक दायित्वों वेतन-सुविधाओं में ही खर्च कर देती है वहीं नए जिले और संभाग बनने से प्रशासनिक खर्च बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी बात यह है कि नए जिले या संभाग बनाने के स्थान पर सरकारों को प्रशासनिक सेवाओं में सुधार और डिलीवरी सिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर देना चाहिए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजनीतिक जोखिम लेते हुए प्रशासनिक दृष्टि से सराहनीय निर्णय किया है। इससे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार ने प्रशासनिक दृष्टि से परिपक्वता का परिचय दिया है। हो सकता है कि निर्णय को लेकर विरोध देखने को मिले पर विरोध के खिलाफ भी सरकार को सख्ती दिखानी होगी इससे आमजन में सरकार और सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को सराहा ही जाएगा। सरकारों को राजनीतिक लाभ हानि के साथ ही व्यापक जनहित को भी ध्यान देना चाहिए और निर्णय लेने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिये। आज लोग निर्णय लेने वाली सरकार को पसंद करती है नाकि निर्णयों को टालने वाली सरकार को। इस मायने से भजन लाल शर्मा के एक साल के कार्यकाल का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए क्योंकि यह सरकार निर्णयों की सरकार बन गई है।

बच्चों को प्रकृति के साथ जोड़े रखने के खास उपाय

अगर आप अपने बच्चों को प्रकृति के साथ भी जोड़ना चाहते है तो आपको बच्चें बनकर उनके साथ समय बीताना चाहिए। पर प्रकृति के साथ पलना-बढ़ना शायद बीते जमाने की बात हो चुकी है, पर इन बातों का ध्यान रख कर बच्चों को प्रकृति के करीब ला सकते हैं। जानें कैसे बच्चों को प्रकृति के साथ जीना सिखाएं...

-बच्चें को प्रकृति के करीब लाए

आजकल इतने ज्यादा स्मार्टफोन हो गए है कि हर बच्चे के हाथ में देखने को मिलता है। यहां तक कि बच्चों ने इस फोन को ही अपना बेस्ट फ्रैंड बना लिया है जो कि उनके सेहत और दिमाग पर गहरा असर डालते है। इस तरह बच्चे प्रकृति से दूर जा रहे हैं। इसे में समय से पहले ही आपके बच्चों में कई तरह की बीमारी देखी जा सकती है। ऐसे में आपके चाहिए कि आप आपने बच्चें को प्रकृति के करीब लाए ताकि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें।

-सुबह-शाम वॉक पर जाए

आपको अपने बच्चों के साथ सुबह और शाम वॉक पर जाना चाहिए। वॉक करने के लिए आपको पार्क में जाना चाहिए यहां पर सड़क के किनारे पेड़ लगे हो। यह सुबह की वॉक के लिए बेहतर होगा क्योकि इनसे हमें स्वच्छ ऑक्सीजन मिलती है और यह प्रकृति के करीब ले जाते है।

-सुकुन मिलने वाली जगहों पर जाए

आपने बच्चों को ऐसी जगह पर लेकर जाएं जहां पर उनहें सुकुन मिलें जैसे कि हरियाली ले भरें खेत आदि। खेतों की हरियाली देखने से आंखों और दिमाग को बहुत सुकुन मिलता है। बच्चों को ऐसे फार्म में ले जाएं जहां पर बच्चों को भी प्रकृति की अहमियत पता चल पाए।

-सूखे पत्तों पर कूदें

बच्चों को खुश करने के लिए आपको चाहिए कि आप भी उनके साथ बच्चें बन कर झड़े हुए पत्तों को इकठा करके उन पर कूदें। बच्चों को इन पत्तों को इस गट्ठा कर के कूदने और आपका ये नया रुप दोनों ही अच्छे लगेंगे।

-पिकनिक पर ले जाए

अपने बच्चों को पिकनिक पर लेकर जाएं। वहां पर कोशिश करें कि बच्चें अपने फोन पर विडियोगेम खालना छोड़कर गुल्ली डंडा खेले। यह उनके लिए नई गेम होगी और ऐसा करना से कुछ समय के लिए बच्चें प्रकृति का आनंद भी मान पाएगे।

-रात के समय तारे गिनना

मौसम का बदलाव रात के अंधेरे में भी बदलाव लाता है। गर्मी की रात, सर्दी की रातों से अलग होती हैं। सर्दी की रातों में आसमान साफ नजर आता है। बच्चों को आकाश में रात में आ रहे बदलावों के बारे में बताए और साथ ही रात को छत पर जाकर इसका प्रेक्टिकल भी कर के दिखाएं।

खेल खेलने से बच्चों को होते हैं ये फायदे

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के खेल खेलना बहुत ही जरुरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नही होगा न ही वह एक्टिव रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नही आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या फायदे हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं। आजकल देखा गया है कि बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नही होते। ऐसे में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजे। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

1. सामाजिक कौशल का विकास जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

2. टीम वर्क टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है। 3. मस्तिष्क का विकास जब बच्चें किसी भी तरह का कोई खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है। 4. खेलों से शारीरिक विकास खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खालने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

5. इम्यूनिटी के लिए स्पोर्ट्स फायदेमंद हैं जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहोल का भी पता लगेगा।

6. खिलाड़ी की भावना आपका अपने बच्चो को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है। 7. धैर्य खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आख़िरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गर्मी में कैसे रहा जाता है। 8. सहनशीलता खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है।अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

बच्चे का वजन कम होने पर खिलाएं उन्हे ये आहार

कई बार पेरेंटस को ये टेंशन रहती है कि उनका वजन सही तरीके से नहीं बढ़ रहा, जबकि साथ वाले बच्चे का वजन सही तरीके से बढ़ रहा होता है ऐसे में आपके मन में कहीं ना कहीं ये सवाल जरूर आता है कि कहीं आपके खान-पान की देखभाल में या परवरिश में कुछ कमीं तो नहीं रह गई?

आजकल बच्चों का खानपान सही न होने की वजह से उनका वजन उम्र के हिसाब से सही नहीं होता है। बच्चों के सही वजन में भोजन सबसे ज?यादा सहायक होता है पर आजकल के बच्चे खाने के मामले में बहुत नखरीले होते है। ऐसे में बच्चों को क्या खिलाया जाएं कि वह स्वस्थ बने रहें और उनका वजन भी संतुलित रहे।

आइए जानें कमजोर शिशुओं व बच्चों को दिया जाने वाला आहार: मलाई सहित दूध

अगर बच्चे का वजन कम है तो उसे मलाई वाला दूध पिलाएं। अगर उसे पीने में अच्छा नहीं लगता है तो शेक बनाकर दें, लेकिन उसके शरीर में मलाई पहुंचनी चाहिए।

घी और मक्खन

बच्चे का वजन बढ़ाना हो, तो घी और मक्खन खिलाना जरूरी होता है। इसे दाल में डालकर दें तो सबसे ज्यादा असर होगा।

सूप, सैंडविच, खीर और हलवा

ये चारों ही चीजें बच्चे के स्वास्थ्य को फायदा करती हैं अगर इन्हे सही मात्रा में दिया जाएं।

आलू और अंडा

अंडा और आलू, दोनों में ताकत होती है। एक में प्रोटीन काफी ज्यादा होता है दूसरे में कार्बोहाइड्रेट। ऐसे में आप बच्चे को ये दोनों ही उबालकर खिला सकती हैं।

स्प्राउट

बच्चे को स्प्राउट खिलाएं, इससे उसका वजन सही होगा। अगर बच?चा बहुत छोटा है तो उसे दाल का पानी पिलाएं। ? व्यवहार और दिनचर्या

बच्चे को स्वस्थ बनाना है तो उसके व्यवहार और दिनचर्या पर ध्यान दें। छोटे बच्चों को इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। शिशुओं को सही समय पर खुराक दें और उनका ध्यान रखें।

क्रच में बच्चों को मिलता है ऐसा माहौल...

क्रच एक ऐसी जगह है जहां पर बच्चों को घर जैसा प्यार और माहौल मिलता है। क्रच मे छोटे बच्चों की देखभाल की जाती है। आजकल जो माता-पिता दोनों ही काम करते है, ऐसे में समय कम होने की वजह से उनके पास बच्चों की देखभाल करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह अपने बच्चों को क्रच में छोड़ जाते है, जहां पर उनकी केयर घर जैसे माहौल में की जाती है। -क्रच आजकल बहुत से ऐसे छोटे स्कूल खोले गए है जहां पर बच्चों को हर तरह की बाते सीखने को मिलती है, जैसे कि वहां पर बच्चों को साफ रखने, गंदे कपड़े बदलने, उनके खान-पीने के साथ खेलने तक का भी ध्यान रखा जाता है। ऐसी जगहों को क्रच कहा जाता है। क्रच में बहुत से हमउम्र बच्चे रहते हैं जिनके साथ आपके बच्चे छोटी-छोटी चीजों को भी सीखते हैं। -सेफ जगह बच्चो के लिए क्रच सेफ जगह है। यहां पर बच्चों के सोने की जगह, खेलने के लिए खिलोने और घर जैसा माहौल होता है।

-खिलोनें

क्रच में बच्चों के खेलने का सामान बच्चों की उम्र के हिसाब से रखा होता है जैसे कि रंगबिरंगे खिलौने, मोटरगाड़ियां, वीडियो गेम्स, कार्टून देखने के लिए टीवी, उन के सोने के लिए बैड, पढ़ने-लिखने के लिए बच्चों की कुछ किताबें।

-मेड

क्रच में बच्चों को संभालने के लिए 2-3 मेड भी रखी होती है जो कि सुबह से लेकर शाम तक बच्चों की अच्छे से केयर करता है। -समय और फीस

क्रच में बच्चों की उम्र के हिसाब से उनका समय और फीस रखी जाती है। अगर बच्चा 5-6 महीने का है तो उसे वह सुबह के 7 बजे से शाम के 7 बजे तक क्रच में रहता है तो ऐसे में उसकी फीस भी इसी हिसाब से रखी जाती है। जिन क्रच में बच्चों को खाना भी दिया जाता है वहां की फीस भी ज्यादा होती है।

-सूचित करना

अगर क्रच में कोई बच्चा रो रहा होता है तो उसे चुप करवाते हैं। अगर बच्चा बीमार तो क्रच वाले उसकी जानकारी उनके माता-पिता को देते हैं। वह खुद से कोई भी दवा नही देते बल्कि माता-पिता को फोन पर बता देते हैं। बताने के बाद अगर बच्चे के माता-पिता दवा देने के लिए बोले तो ही वह बच्चें को दवा देते हैं।

स्वस्थ बालों के लिए उपाय

बाल किसी के भी व्यक्तित्व का अहम हिस्सा होते हैं। बालों को लेकर आए दिन कोई न कोई समस्या और उलझन भी होती ही रहती है। शायद आप भी बालों की किसी समस्या से परेशान हों। तो क्यों न आजमाएं हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के उपयोगी टिप्स।

दोमुंहे बालों के लिए

दोमुंहे बालों को ठीक करने के लिए विभिन्न कंडीशनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। लेकिन दोमुंहे बालों से निजात पाने का सबसे बेहतर उपाय है ट्रिमिंग कराना। अगर आप कुछ देर के लिए अपने दोमुंहे बालों को छिपाना चाहती हैं तो स्टाइलिंग क्रीम या थोडी सी पेट्रोलियम जेली हाथों में लेकर बालों के सिरों पर लगाएं।

बालों की चमक बढाएं

गलत तरीकेसे की गई मसाज, कठोर शैंपू का इस्तेमाल और गलत आहार इन सभी के कारण बाल बेजान हो जाते हैं। बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए ग्लॉसी सीरम लगाएं फिर बडे, फैले हुए और साफ-सुथरे मेकअप ब्रश को बालों पर फिराएं। घुंघराले बालों के लिए उन्हें संवारने से पहले लीव इन कंडीशनर लगाएं, ताकि वे चमकदार और हलके नजर आएं।

बालों को मजबूत बनाएं

हफ्ते में एक बार क्लेरिफाइंग शैंपू का इस्तेमाल करें। इसे पहले सूखे बालों पर लगाएं, फिर पानी से धोएं।

दूर करें बालों की अतिरिक्त तैलीयता ज्यादा मेडिसन, तनाव, गलत आहार और हार्मोनल असंतुलन से तैलीय ग्रंथियों का संतुलन बिगड जाता है। इसलिए बालों की अतिरिक्त तैलीयता को दूर करने के लिए किसी मृदु शैंपू से रोजाना बालों को साफ करें। फिर बालों के सिरें पर कोई लाइट कंडीशनर लगाएं। अगर आपके पास रोजाना बाल धोने का समय न हो तो सिर की त्वचा पर बेबी पाउडर लगाएं। यह सिर की त्वचा का अतिरिक्त तेल सोखने में मदद करेगा।

जानिए खूबसूरती पाने के छिपे रहस्यों को

खूबसूरती पाने के लिए आप काफी मेहनत करती हैं। कभी ये तो कभी वो परंतु फिर भी आपको वह खूबसूरती नहीं मिल पाती जिसकी आप हकदार हैं। तो आइए हम बताते हैं प्रकृति के कुछ ऐसे रहस्यों को जिन्हें जान कर आप भी मनचाही खूबसूरती पा सकती हैं।

- ग्लिसरीन , नींबू और गुलाब जल प्रत्येक चौथाई चम्मच, एक घिसा हुआ बादाम और दूध की मलाई एक चम्मच। सबको मिलाकर रात को सोते समय हाथों पर मलें इससे हाथ मुलायम होंगे और रंग निखरजाएगा।
- नींबू, शहद, बेसन और तिल के तेल का उबटन करने से त्वचा में प्राकृतिक निखार आकर सौंदर्य बढ़ता है।
- संतरे के छिलकों का रस गुलाब जल में मिलाकर चेहरे पर मलने से चेहरे का रंग निखरता है।
- गाजर, टमाटर, संतरा और चुकंदर का रस 25 ग्राम नित्य दो माह तक पीने से चेहरे की छाया, दाग, मुंहासे दूर होकर चेहरा सुंदर और साफ हो जाता है।
- लम्बे समय तक नित्य पपीता खाने से कमर का सौंदर्य बढ़ता है। नाखूनों पर अनार के दानों का रस मलने से उनका सौंदर्य खिल उठता है।
- आधा कप दही में एक नींबू निचोड़ कर मिला लें। इसे बालों पर 20 मिनट रहने दें। फिर सिर धोएं। इससे बाल मुलायम एवं काले होंगे।
- यदि पेट, तोंद बढ़ गई हो तो नित्य सरसों के तेल की मालिश करें और 'उठ-बैठ' वाली कसरत करें।
- कच्चे दूध में पिसी हुई हल्दी मिलाकर मलने से त्वचा मुलायम हो जाती है।
- टमाटर और नींबू का रस तथा दूध समान मात्रा में मिलाकर त्वचा पर लगाएं। लगाने के 15 मिनट बाद स्नान करें। त्वचा का सौंदर्य बढ़ेगा।
- एक कप दही में एक पूरे नींबू का रस मिलाकर अच्छी तरह फेटें। इसे सिर के बाल, चेहरे, हाथ आदि पर मलें। तकरीबन 15 मिनट उपरांत स्नान करें। इससे सौंदर्य बढ़ेगा।
- कोहनी की त्वचा प्राय: सख्त एवं काली पड़ जाती है। इस पर नींबू का रस मलें। 15 मिनट उपरांत धो लें। कोहनियां सुंदर हो जाएंगी।

- उबले आलू का गूदा अंगुलियों पर तथा हाथों पर मलें। दस मिनट उपरांत स्वच्छ पानी से धो लें। अंगुलियों और हाथों का रंग निखर उठेगा।

पंजाबी कढ़ी

सामग्री: मसाले के लिए: 1 टीस्पून राई, आधा टीस्पून मेथी, डेढ़ टीस्पून कलौंजी , 1 टीस्पून साबुत धनिया, आधा टीस्पून जीरा। सभी मसालों को सेंक कर पीस लें।

पकौड़े के लिए: 250 ग्राम बेसन, 1-1 कटा प्याज और आलू, कटी हुई मेथी और पालक, 1 टीस्पून मसाला, नमक स्वादानुसार और तलने के लिए तेल।

कढ़ी के लिए: 1 किलो खट्टा दही, 1 कप बेसन, 1 लीटर पानी, दो कटे प्याज, 6 लहसुन की कली, 1 इंच अदरक का टुकड़ा, 2 टीस्पून नमक और 3 टेबलस्पून तेल।

विधि: बेसन, पानी और नमक को अच्छी तरह फेंटें। दही को फेंटकर उसमें मिला लें. अदरक और लहसुन का पेस्ट बनाएं। कढ़ाई में तेल गर्म करें और पेस्ट को भूनें। अब कटे प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें. फिर पाउडर किया हुआ मसाला डालें। अब दही-बेसन का मिश्रण डाल दें। नमक डालें। उबाल आने तक चलाते रहें। धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं। पकौड़ों की सभी सामग्रियां मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। तेल गर्म करें और पकौड़े तल लें। अब इन पकौड़ों को उबलती हुई कढ़ी में मिलाएं और थोड़ी देर पकाएं। कटी हरी धनिया से सजाकर परोसें।

छोटी-छोटी बातें

- दूध अगर जल जाए तो दो-तीन हरे पान के पत्ते डाल कर आंच पर रखें। गंध चली जाएगी।
- कड़ाही व बर्तन के नीचे की कालिख साफ करने के लिए इमली को भिगोकर प्रयोग में लाएं।
- घी में पान का पत्ता डालकर गर्म करें। ऊपर का मैल छंट जाएगा और घी ज्यादा दिनों तक शुद्ध रहेगा।
- मटर की सब्जी बनाते समय उसमें थोड़ी सी चीनी मिला दें, तो मटर अधिक हरी रहेगी और उसमें हल्की सी मिठास बनी रहेगी।
- मसाला भूनते समय उसमें थोड़ा-सा दही मिलाने से सब्जी का रंग और स्वाद बेहतर हो जाएगा।
- अनार के छिलके को मुंह में रख कर चूसने से खांसी का वेग कम हो जाता है।
- खांसी में अदरक या मुलहठी का टुकड़ा मुंह में रखकर चूसें।

सौंदर्य का अहम हिस्सा हैं नाखून

सुंदर, तराशे, खूबसूरत चमकते नाखून हाथों तथा पैरों की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। अकसर बहुत सी स्त्रियों को यह समस्या होती है कि आकर्षक रंग-रूप के बावजूद उनके नाखून भद्दे और बेजान से दिखते हैं, जिसके कारण उन्हें अपने हाथों-पैरों को छिपाना पडता है। नाखूनों में पाई जाने वाली मुख्य समस्याएं है :

1. सूखापन 2. चिटकना 3. धारियां पडना

यदि आप व्यस्त जीवन में से थोडा सा समय निकालकर, नाखूनों की देखभाल में लगाएं तो अवश्य ही नाखून, आपके आकर्षक व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बन जाएंगे।

महत्वपूर्ण टिप्स

- जब भी आप घरेलू काम करें, नाखूनों की सफाई के लिए पांच मिनट का समय अवश्य निकालें। कल पर टालने से पता भी नहीं चलेगा कि समस्या कितनी बढ गई। नाखूनों में फंसी हुई गंदगी हटाने के लिए टूथपिक में रुई का फाहा लपेट लें। उसे नीबू के रस से गीला करें व आहिस्ता-आहिस्ता नाखूनों के आसपास व नीचे की त्वचा साफ करें। यदि त्वचा कटी हो तो नीबू की जगह दूध का इस्तेमाल करें।

- यदि गार्डनिंग कर रही हैं तो नाखूनों को नहाने वाले साबुन की टिकिया पर पहले खरोंच लें। नाखून साबुन से भर जाएंगे। ऐसा करने से गार्डन की मिट्टी, नाखूनों में नहीं भरेगी।
- जब भी खाली बैठी टीवी देख रही हों या किताब पढ रही हों, नाखूनों को नीबू के छिलकों से रगडते रहें। इसके अलावा क्रीम, मलाई, पेट्रोलियम जेली, बादाम तेल या अन्य किसी तेल से नाखूनों की मालिश करें। इससे नाखून जल्दी बढते हैं व स्वस्थ रहते हैं।
- जो लोग नाखून कुतरते हैं, उनके नाखून कमजोर हो जाते हैं। उनमें संक्रमण होने का भी डर रहता है। ऐसे व्यक्तियों को अपना ध्यान किसी न किसी काम में अवश्य लगा कर रखना चाहिए।
- बर्तन व कपडे धोने के पाउडर से हाथों को बचाएं। धुलाई करते समय रबर के दास्ताने अवश्य पहनें।
- नाखूनों पर यदि सफेद धब्बे दिखाई दें तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि यह एनीमिया का लक्षण भी हो सकता है।
- यदि नाखून चिटक रहे हैं तो प्रतिदिन एक ग्लास दूध में प्रोटीन पाउडर घोल कर पिएं।
- रात में सोने से पहले नाखूनों पर क्रीम व नीबू लगाएं। कुछ न होने पर मलाई भी लगा सकती हैं।
- एक कटोरी पानी में तीन चौथाई बेबी ऑयल लेकर उसे हलका गर्म करें, उबालें नहीं। अब उसे एक प्याली में उडेल कर उसमें पांच मिनट तक उंगलियां भिगोएं। फिर गुनगुने पानी से धो लें। समय-समय पर ऑलिव ऑयल बादाम के तेल से मालिश करने से नाखूनों की रंगत बनी रहती है।

जरूरी है सफाई

- गुंजन के मुताबिक हाथों व पैरों की देखभाल, पंद्रह दिन में एक बार अवश्य करें। इसके लिए सबसे पहले नेलपॉलिश रिमूवर से पुरानी नेलपॉलिश साफ कर लें। नेलकटर या छोटी कैंची से बढे हुए या टेढे-मेढे नाखून काट दें। पैरों के नाखूनों को हमेशा सीधा ही काटें।
- नेल फाइलर से नाखूनों को आकार दें।

- नेलपॉलिश लगाने के लिए ब्रश नाखूनों के बीचो-बीच क्यूटिकल से नोंक की दिशा में चलाएं। जब पहला कोट एकदम सूख जाए तभी दूसरा कोट लगाएं।

यदि नाखूनों या पैरों या हाथ में कोई संक्रमण हो तो इलाज करवाएं। इस बीच पेडिक्योर न कराएं।

सावधानियां

स्वस्थ आहार का असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पडता है। क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट एवं डाइट कंसल्टेंट प्रियंका निगम के अनुसार मात्र मेनिक्योर या पेडिक्योर से ही नाखूनों की देखभाल नहीं हो सकती। इसके लिए संतुलित आहार भी जरूरी है। इसलिए अपने आहार में दूध, दही, खनिज लवणों, पालक, मेथी साग को भी सम्मिलित करें। सूखे मेवे बादाम और अखरोट आदि के सेवन से नाखूनों की रंगत व चमक बनी रहती है। साथ ही कैल्शियम का भी सेवन नियमित रूप से करें। इससे नाखून स्वस्थ रहेंगे।

ध्यान दें

- हमारी उंगलियों के नाखून एक हफ्ते में.05 सेंटीमीटर बढते हैं, जो पैरों के नाखूनों से चार गुना ज्यादा है।
- नाखूनों में अकसर फंगस इनफेक्शन हो जाता है, जो शरीर के किसी अन्य भाग के संक्रमण की तुलना में काफी देर से दूर होता है।
- तापमान और उमस के दुष्प्रभाव से नाखूनों को बचाने के लिए पानी खूब पीजिए।
- तेज केमिकल युक्त उत्पादों के इस्तेमाल से बचें जैसे सप्ताह में एक बार से ज्यादा नेल वार्निश/रिमूवर का प्रयोग न करें। इससे नाखून और उसके आसपास की त्वचा पर दुष्प्रभाव पडता है।
- एसीटोन फ्री रिमूवर का ही इस्तेमाल करें।
- पेच खोलने, कसने या अन्य ऐसे कामों में नाखून का इस्तेमाल न करें, जिसे करने केलिए औजारों की जरूरत होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 1944

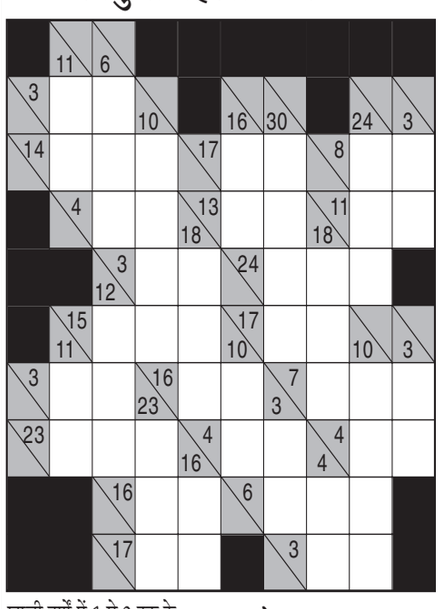

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

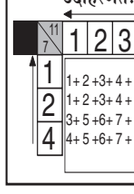

काकुरो - 1943 का हल

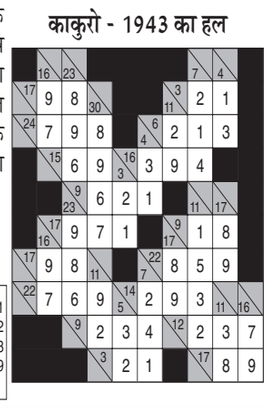

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

□ □ □

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

□ □ □

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-1944

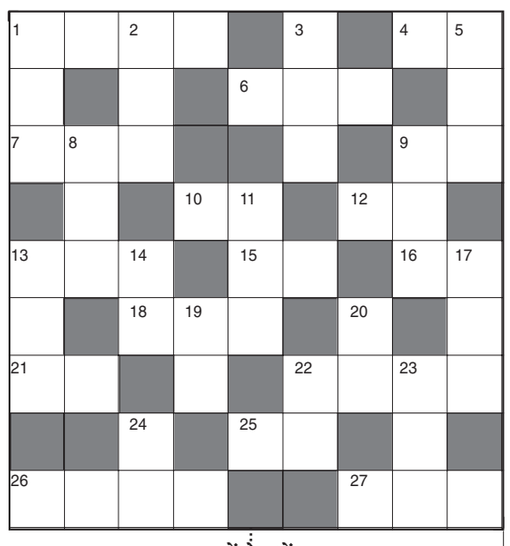

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'यारना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी ?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1943

ऐ	त	बा	र		जु	मं		जी	
त		द		क	मां		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		मं
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	जं		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			ह्म	सि	ल
म	ह्म	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्ते
सं	सा	र		ल	की			नू	री

सूडोकु -1944

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1943 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 1944

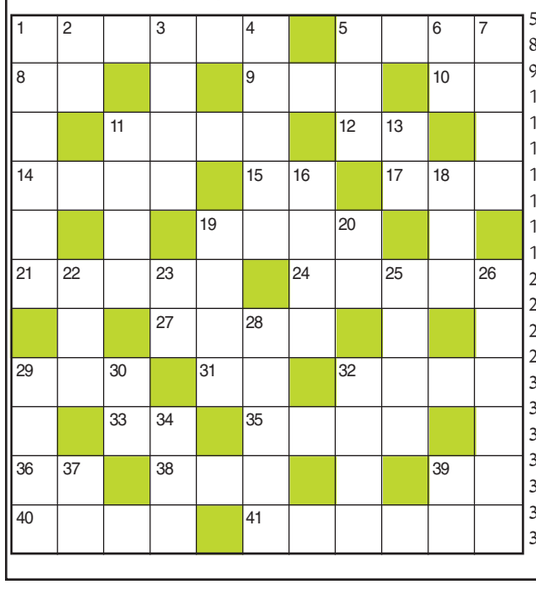

बाएँ से दाएँ

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना, प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 1943 का हल

असम राइफल्स ने मणिपुर में हथियार और विस्फोटक का जखीरा जब्त किया

एजेंसी

इम्फाल। असम राइफल्स ने मणिपुर के चंदेल जिले में हथियारों और विस्फोटक का बड़ा जखीरा जब्त किया। जब्त की गई सामग्री में अमेरिकी निर्मित एम 16 राइफल, स्थानीय लाथोड गन, एम 16 राइफल मैगजीन, आईईडी, मोटोरोला संचार सेट, 5.56मि.मी. गोला-बारूद, पोंपी, लाथोड बम, एक एके-56 राइफल और एक टाइप 81 चीनी असॉल्ट राइफल सहित तीन मैगजीन शामिल हैं। पकड़े गए व्यक्तियों और जब्त हथियारों को आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।

उप्र पुलिस के किए गए एनकांउटर की हो न्यायिक जांच : एसजीपीसी

चंडीगढ़। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इस साल की अंतिम बैठक में उत्तर प्रदेश पुलिस के हाल ही में किए गए एनकांउटर की न्यायिक जांच की मांग की है। पंजाब के पुलिस थानों पर हो रहे ग्रेनेड हमलों के चलते उत्तर प्रदेश पुलिस ने हाल ही में पंजाब के तीन युवकों को एनकांउटर किया था। मृतक युवकों के परिजन एनकांउटर पर सवाल खड़े कर रहे हैं। एसजीपीसी ने मृतकों के परिजनों की आशंकाओं का समर्थन करते हुए हुई बैठक में प्रधान हरजिंद्र सिंह धामी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में है। प्रारंभिक तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि बेहद कम उम्र के युवाओं को जानबूझ कर निशाना बनाया गया है। इस एनकांउटर की न्यायिक जांच होनी चाहिए। एसजीपीसी की बैठक में अकाली दल के पूर्व प्रधान सुखबीर बादल पर बीती चार दिसंबर को फायरिंग करने के आरोपित आतंकी नारायण सिंह चौड़ा को पंथ से छेकने (बाहर करने)की मांग को भी खारिज कर दिया गया। कमेटी की बैठक में पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के मामले की जांच के लिए बनाई गई कमेटी का कार्यकाल एक माह के लिए बढ़ाने का भी फैसला लिया गया। बैठक में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी श्रद्धांजलि दी गई।

'पुजारी-ग्रंथी सम्मान' चुनावी घोषणाएं, हिंदुओं को बहकाने की कोशिश - महंत गौरव शर्मा

नई दिल्ली । दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना' की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यदि आप विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर सत्ता में वापसी करती है तो दिल्ली के मंदिरों में पूजा करने वाले पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपये की मासिक सम्मान राशि दी जाएगी। दिल्ली के चांदनी चौक स्थित नृसिंह मंदिर के मुख्य पुजारी महंत गौरव शर्मा ने कहा कि यह सब चुनावी घोषणाएं हैं और कुछ नहीं। यह सिर्फ लोगों को पागल बनाने के लिए है क्योंकि वह देख रहे हैं कि हिंदू अब जाग चुका है। इनकी बातों में अब कोई नहीं आने वाला है। वह नई-नई स्कीम लेकर हिंदुओं को बहकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सबको मालूम है कि ऐसा कुछ होने वाला नहीं है। महंत गौरव ने कहा कि सभी पुजारी और महंत पहले से ही भाजपा से जुड़े हुए हैं और यह योजना चुनावी तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा है। केजरीवाल ने हमेशा मुस्लिम समुदाय के मौलवियों को लाभ दिया है, लेकिन कभी पुजारियों की ओर उनका ध्यान नहीं गया। अगर कभी कोई मंदिर में गए भी तो चुनावी राजनीति के तहत, जैसे कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में गए थे। हनुमान जी को भी यह मालूम है कि उनका काम पड़ने पर ही यहां आते हैं, वरना पूजा में उनका ध्यान नहीं रहता। यह सब तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा है।

उत्तराखंड में नए साल पर पर्यटकों से गुलजार हर्षिल, दयारा और केदारकांठा

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के पर्यटन स्थलों पर नए साल का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगमन हो रहा है। 'न्यू ईयर डेस्टिनेशन' के रूप में खासी ख्याति बटोर रहे केदारकांठा, हर्षिल, दयारा जैसे मनोरम स्थल इन दिनों पर्यटकों से गुलजार हैं। भी हर्षिल, दयारा और सांकरी क्षेत्र में तीन हजार से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ। जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर लगभग पांच हजार से अधिक पर्यटकों के प्रवास की सूचना है। बर्फबारी के कारण इन क्षेत्रों की सुंदरता में चार चांद लग गए हैं, जिससे पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। यह आगमन स्थानीय पर्यटन व्यवसायियों के लिए खुशहाली का प्रतीक बन चुका है और नए साल के जश्न के लिए पर्यटक यहां आकर अपने समय का आनंद ले रहे हैं। शीतकाल में बर्फबारी के कारण जनपद के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे हर्षिल, दयारा और केदारकांठा की सुंदरता में अद्भुत वृद्धि हो जाती है। बर्फबारी का यह दृश्य पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है और वे यहां आने के लिए उत्साहित रहते हैं। इस सीजन में इन क्षेत्रों में बर्फबारी हो चुकी है, जिससे दयारा और केदारकांठा बर्फ की सफेद चादर से ढंके हुए हैं। इस समय पर्यटकों की भारी संख्या यहां नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंची है, जिससे स्थानीय होटल, ढाबा संचालकों और पर्यटन व्यवसायियों के चेहरों पर खुशी छाई हुई है।

महाराष्ट्र में गुंडाराज नहीं चलने देंगे : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में किसी का भी गुंडाराज नहीं चलने देंगे। बीड़ में सरपंच हत्याकांड के आरोपितों की गहन छानबीन की जाएगी और मामले में दोषी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यहां पत्रकारों को बताया कि आज उन्होंने इस मामले में मृत सरपंच संतोष देशमुख के परिवार वालों से बात की और उन्हें आश्वस्त किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने संतोष देशमुख के परिवार वालों से कहा कि वे चिंता न करें, आरोपित चाहे कितनी ही पहुंच वाला होगा, उस पर कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। फडणवीस ने बताया कि आज आरोपित ने सरेंडर किया है, उससे पूछताछ की जाएगी और जो

सबूत मिलेंगे, उसके हिसाब से आगे भी मामला दर्ज किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बीड जिले के मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की 9 दिसंबर को हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मीक कराड आरोपित है। संतोष देशमुख की हत्या के बाद वाल्मीक कराड फरार था लेकिन आज 22 दिन बाद वाल्मीक कराड ने पुणे के सीआईडी दफ्तर में सरेंडर कर दिया। इसके बाद भाजपा विधायक सुरेश धस और विधायक क्षीरसागर ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री खुद पत्रकारों के समक्ष आए और उन्होंने इस संदर्भ में सरकार का पक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने कहा उन्होंने पहले ही मामले की जांच सीआईडी को सौंप दिया है और सीआईडी निष्पक्ष जांच कर रही है। इस मामले सभी तरह के सबूतों को खंगाला जाएगा और सबूतों के आधार पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली चुनाव के लिए मायावती ने बनायी रणनीति, आकाश आनंद संभालेंगे कमान

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी पूरी मजबूती के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती दो दिन पहले दिल्ली में बैठक कर चुनाव की रणनीति भी बना ली है। दिल्ली चुनाव की कमान पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद को सौंपी गई है।पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी दल जोर-शोर से तैयारी में लगे हुए हैं। इसी क्रम में बसपा भी पूरी ताकत के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ेगी, जिसके लिए विशेष रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली चुनाव के दौरान राजनीतिक दल बड़ी रैलियां और कार्यक्रम आयोजित करेंगे। वहीं बसपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से मिलेंगे और कांग्रेस और भाजपा के कारनामों के बारे में बताते हुए बसपा की नीतियों से अवगत कराएंगे।

जनता को आश्वस्त करेंगे कि बसपा की सरकार बनने पर दलितों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों हुई बैठक में पार्टी ने कई सीटों पर अपने उम्मीदवारों का चयन भी कर लिया है। दिल्ली चुनाव की कमान पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद को मिली है। पांच जनवरी के वे दिल्ली कोंडली स्थित अम्बेडकर पार्क में जनसभा करने जा रहे हैं।

संभल एएसआई सर्वे: बावड़ी का दूसरा तल, पत्थरों से बनी संरचनाएं एवं सीढ़ियां सामने आईं

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी स्थित मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मणगंज में मिली प्राचीन बावड़ी में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वे एवं खोदाई का कार्य लगातार 11वें दिन भी जारी रहा। एएसआई की टीम के निर्देशन में प्राचीन बावड़ी की खोदाई और मिट्टी हटाने का काम चल रहा है। आज बावड़ी का दूसरा तल, पत्थरों से बनी संरचनाएं व सीढ़ियां सामने आ गईं। चंदौसी नगर पालिका के 50 मजदूर शाम करीब 5 बजे तक बावड़ी की साफ-सफाई में लगे रहे। इसके बाद खोदाई रोक दी गयी। अब फिर खोदाई होगी।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि एएसआई की तीन सदस्यीय टीम और नगर पालिका के सहयोग से दर्जनों मजदूर बावड़ी की खोदाई में भी जुटे रहे। बावड़ी के द्वितीय तल, पत्थरों से बनी संरचनाएं, सुरंगनुमा रास्ते और दर्जनों सीढ़ियां दिखाई देने लगी हैं। बावड़ी के कुएं और गलियारों की पूरी संरचना को साफ करने का

कार्य जारी है। वहीं दो दिन पूर्व रविवार को बावड़ी में एक व्यक्ति के द्वारा शंखनाद करने और कुछ पंपलेट बांटने के बाद से पुलिस व पीएसी का पहरा सख्त हो गया है। स्थानीय प्रशसन ने बावड़ी परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। पूर्व सांसद ने प्राचीन बावड़ी को पुरातत्व विभाग अथवा पर्यटन विभाग को सौंपने की मांग उठाईएएसआई की देखरेख में जैसे-जैसे खोदाई का कार्य आगे बढ़ रहा है, बहुत सी चीजें स्पष्ट होती जा रही हैं। मुरादाबाद लोकसभा से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री स्व. रानी इंद्रामोहिनी के बेटे राजा चंद्रविजय सिंह उर्फ बेबी राजा के प्रतिनिधि कौशल किशोर ने बीते दिन संभल जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया को दिए प्रार्थना पत्र में चंदौसी स्थित मोहल्ला लक्ष्मणगंज में प्राचीन बावड़ी को पुरातत्व विभाग अथवा पर्यटन विभाग को सौंपने की मांग की ताकि संभल जनपद के साथ पूरे मुरादाबाद मंडल के लोगों को एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में पर्यटन का स्थाना मिल सके। पूर्व सांसद राजा चंद्र विजय सिंह उर्फ बेबी राजा ने कहा कि चंदौसी में मिली प्राचीन बावड़ी एक अनोखी धरोहर है। उनके पूर्वज बताया करते थे कि उत्तर प्रदेश में बावड़ी निर्माण कम ही स्थानों पर होता था।

मप्र के हरदा में पिकअप की टक्कर से बाइक सवार चार लोगों की मौत

एजेंसी

हरदा। मध्य प्रदेश के हरदा जिले में साल 2024 के अंतिम दिन मंगलवार शाम को भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां छीपाबड़ थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार एक 12 वर्षीय बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

छीपाबड़ थाना प्रभारी मुकेश सिंह गौड़ ने बताया कि हादसा मंगलवार शाम करीब छह बजे चारुवा और सोनपुरा गांव के बीच हुआ। मिर्च से भरा पिकअप वाहन छीपाबड़ से मोरगढ़ी की ओर जा रहा था। इसी दौरान सोनपुरा से चारुवा की ओर आ रही बाइक को पिकअप चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। बाइक पर चार लोग सवार थे। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो ने हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ा। उन्होंने बताया कि हादसे में अमन (20 वर्ष) पुत्र रामेश्वर प्रजापति निवासी मझली, रामवतार (70 वर्ष) पुत्र शिवनारायण प्रजापति निवासी मझली, सुखराम

(30 वर्ष) पुत्र फत्तू कोरकू निवासी जामुनिया तथा नितिन (12 वर्ष) पुत्र पर्वत सिंह प्रजापति निवासी खारी चौकी की मौत हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चारों के शवों को खिरकिया अस्पताल में रखवा दिया है। बुधवार सुबह शवों का पोस्टमार्टम किया जाएगा। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पिकअप को जब्त कर छीपाबड़ थाना में खड़ा कराया है। इस भीषण हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसर गया। जानकारी मिली है कि हरदा शहर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मंझली में रहने वाले मृतक रामवतार प्रजापति पांच भाइयों से सबसे बड़े थे। जो अपने छोटे भाई रामेश्वर प्रजापति के बेटे मृतक अमन की सगाई की बात करने के लिए खंडवा जिले की खारी टिमरनी गए थे। इस दौरान परिवार के छह सदस्य भी साथ में थे। वहीं, रिश्ता पक्का कराने के लिए मध्यस्थता के लिए सुखराम गया था।

महाकुम्भ के यात्री रेलवे स्टेशनों पर नहीं खाएंगे धक्का-मुक्की, रेलकर्मियों की जैकेट पर लगे स्कैनर से बना सकेंगे टिकट

एजेंसी

प्रयागराज। महाकुम्भ में प्रयागराज आने-जाने श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इसके लिए रेलवे ने जहां श्रद्धालुओं-यात्रियों को प्रयागराज, मिरजापुर और वाराणसी सहित आसपास के रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों और उनके रुकने, खान-पान सहित विभिन्न सुविधाएं मुहैया करायी हैं वहीं विभिन्नट्रेनों में टिकटों को लेने के लिए बेहतर सुविधा को बड़ी संख्या में काउंटर तो खोले ही गए हैं। इसके साथ ही रेलवे ने कर्मियों की जैकेट पर स्नैकर की विशेष सुविधा देकर अब आम यात्री तक टिकट पाने को बहुत ही आसान कर दिया है। यह प्रयागराज मण्डल की डिजिटल तकनीक के उपयोग से टिकटिंग प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने एक

अभिनव पहल है। सीपीआरओ शशि कांत त्रिपाठी ने बताया कि महाकुम्भ के दौरान, रेलवे के वाणिज्य विभाग के कर्मयोगी प्रयागराज जंक्शन पर विशेष ड्यूटी पर तैनात रहेंगे और हरे रंग की जैकेट पहनेंगे। इन जैकेट्स के पीछे एक क्यूआर कोड अंकित होगा, जिसे श्रद्धालु अपने मोबाइल से स्कैन कर सीधे यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। यह ऐप यात्रियों को बिना लाइन में खड़े अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करेगा।

इस विशेष पहल से श्रद्धालु रेलवे स्टेशन पर भीड़ और लम्बी लाइनों से बचते हुए सहजता से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। डिजिटल भुगतान के माध्यम से टिकट बुकिंग की यह प्रक्रिया न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि महाकुम्भ के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करेगी।रेलवे कर्मी हरे रंग की जैकेट पहनकर स्टेशन और विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर अपनी सेवाएं देंगे, जिससे श्रद्धालुओं को टिकट बुकिंग सम्बंधित सहायता हर जगह मिल सके। क्यूआर कोड स्कैन करने पर एक लिंक मिलेगा, जो सीधे यूटीएस ऐप पर ले जाएगा। इसके माध्यम से यात्री टिकट बुकिंग के साथ-साथ अन्य सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे की यह पहल डिजिटल इंडिया की दिशा में एक कदम और महाकुम्भ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी। रेलवे का यह प्रयास तीर्थयात्रियों के अनुभव को और भी यादगार बनाएगा।

मतदाता पंजीकरण में जाली दस्तावेज को लेकर 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर जाली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल करके मतदाता पंजीकरण आवेदन जमा कराने वाले 12 लोगों के खिलाफ़ एफ़आईआर दर्ज की है। पुलिस ने यह कार्रवाई कापसहेड़ा एसडीएम और एक चुनाव अधिकारी की शिकायत पर की है। कापसहेड़ा एसडीएम ने थाना द्वारका सेक्टर-17 और बिंदापुर के एसएचओ को छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। वहीं नरेला में एक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को लिखे पत्र में कहा कि जांच में यह पाया गया है कि कुछ आवेदकों ने पहचान और निवास के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड और बिजली बिल सहित दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ करके अधिकारियों को धोखा देने का प्रयास किया है। यह एक गंभीर अपराध है, क्योंकि आवेदकों ने मतदाता सूची में हेरफेर करने के लिए जानबूझकर गलत जानकारी और दस्तावेज प्रदान किए हैं। धोखाधड़ी के इरादे से जालसाजी करने और जाली दस्तावेजों को असली के रूप में इस्तेमाल करने के आरोप में आउटर नॉर्थ जिला के नरेला इंडस्ट्रीयल थाना में छह लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की धारा 318 (4)/3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं बिंदापुर थाना में दो लोगों के खिलाफ जबकि द्वारका सेक्टर-17 थाने में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

आआपा सरकार के भ्रष्टाचार के चलते दिल्लीवासियों की सभी उम्मीदें तार-तार हुईं: विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी की विफलताओं का हवाला देते हुए आज कहा कि आआपा सरकार के भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के चलते बीत रहा 2024 का साल दिल्ली की जनता के लिए वादाखिलाफी, झूठे दिलासे और धोखाधड़ी से भरा रहा। उन्होंने कहा कि यह साल आप आदमी पार्टी के शासनकाल का आखिरी साल होने के कारण लोगों को सरकार से नई-नई योजनाओं और सुख सुविधाओं की उम्मीद थी, लेकिन पूरा साल यूं ही बीत गया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस साल की शुरुआत में दिल्ली की जनता से आम आदमी पार्टी ने बड़े-बड़े वादे किए। 10 हजार बस मार्शलों को सरकार पूरे साल धोखा देती रही और विधानसभा से लेकर उपराज्यपाल कार्यालय तक उनकी पुनर्नियुक्ति पर आरोप प्रत्यारोप की राजनीति खेलती रही। उपराज्यपाल के आदेश के बावजूद सरकार ने एक भी मार्शल को आज तक नियुक्ति पत्र नहीं दिया।

उन्होंने बताया कि मानसून की बारिश के बाद राजधानी की सारी सड़कें टूट गईं और गड्ढों से पट गईं। भाजपा टूटी सड़कों की जगह नई सड़कें बनाने की मांग बराबर करती रही, लेकिन केजरीवाल लोगों को 'आपका बेटा आ गया है, अब सारे काम होंगे' जैसे जुमलों से बहलाते रहे। लोगों के काम करने की बजाय केजरीवाल अपने शीश महल को

बचाने का प्रपंच करते रहे। उनके भ्रष्टाचार की कहानी खुलने के बाद विजिलेंस और अन्य जांच एजेंसियों को जांच की कार्रवाई शुरू करनी पड़ी। गुप्ता ने कहा कि एक्यूआई का एक हजार का आंकड़ा पार होने के बावजूद लोग दमघोंटू हवा में सांस लेने को मजबूर होते रहे लेकिन सरकार ग्रैप तीन- चार लागू करके अपने भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं को छुपाने में व्यस्त रही। आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने कुशासन के 10 साल का काला चिट्ठा खुलने के डर से कैग की 14 रिपोर्ट्स को पिछले दो साल से दबा कर रखा हुआ है। विपक्ष के भारी दबाव, उपराज्यपाल के आदेश और हाई कोर्ट के दखल के बावजूद सरकार ने अभी तक इन 14 पेंडिंग रिपोर्ट्स को विधानसभा में प्रस्तुत नहीं किया है । नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हालांकि इस सरकार की वादाखिलाफी पिछले 10 सालों से लगातार चल रही है लेकिन 2024 में सरकार ने सभी सीमाएं लांघ दी। इस सरकार ने न तो दिल्ली के 90 हजार गरीबों को अंत्योदय योजना के तहत राशन कार्ड जारी किया, न सीनियर सिटीजंस को पेंशन दी और न ही यमुना को साफ करने का वादा केजरीवाल ने पूरा किया। 24 घंटे बिजली पानी देने का वादा भी हवा हवाई हो गया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सरकार ने मार्च में दिल्ली की महिलाओं को एक हजार रुपये देने का वादा किया जो वक्त की आंधी में हवा हवाई हो गया। उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी अपनी सरकार बनाकर जन-जन की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार बैठी है।

जयपुर में टैंकर का वॉल्व टूटने से ऑक्सीजन प्लांट में गैस लीक

एजेंसी

जयपुर। विश्वकर्मा थाना इलाके में एक ऑक्सीजन प्लांट में गैस लीकेज होने से दहशत फैल गई। टैंकर का वॉल्व टूटने से प्लांट से ऑक्सीजन का लीकेज हुआ था। पुलिस ने मेन वॉल बंद करवाकर गैस लीकेज को बंद करवाया। पुलिस की ओर से ऑक्सीजन गैस के रिसाव के चलते पारदर्शिता कम होने से आसपास के इलाकों में वाहनों को धीमे गति से निकाला गया।

थानाधिकारी राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि विश्वकर्मा रोड नंबर-18 पर स्थित ऑक्सीजन प्लांट पर गैस लीकेज हुआ था। ऑक्सीजन प्लांट के एक टैंकर में 20 टन गैस भरी हुई थी। शाम करीब चार बजे टैंकर का वॉल्व टूटने से गैस लीकेज हो गई जिसके चलते 200-300 मीटर तक ऑक्सीजन गैस तेजी से फैल गई। गैस लीकेज के चलते स्थानीय लोगों में

दहशत का माहौल फैल गया। विश्वकर्मा थाना पुलिस सूचना पर फायर बिग्रेड की गाड़ी के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने ऑक्सीजन प्लांट के मेन वाल्व को बंद करकवार लीकेज को बंद करवाया। ऑक्सीजन गैस के लीकेज से पारदर्शिता कम होने के चलते आसपास के इलाकों में वाहनों को पुलिस ने धीमे गति से हटवाया।

फायर बिग्रेड की मदद से पानी के बौछार कर गैस के लेवल को कम किया गया। पुलिस ने हादसे में किसी के हताहत होने से इनकार किया है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने की मेल मिलाप से रहने की अपील, अशांति के लिए मांगी माफी

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में मई 2023 से हो रही हिंसा और अशांति के लिए गहरा खेद व्यक्त करते हुए जनता से माफी मांगी है। उन्होंने लोगों से मेल-मिलाप से रहने और शांति व समृद्धि से भरे नए जीवन की शुरूआत की अपील की। साल के अंतिम दिन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं मणिपुर के लोगों से माफी मांगता हूं। इस अशांति में कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और बेघर हो गए। मुझे इसका गहरा खेद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष राज्य के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा और उन्होंने हिंसा में मारे गए तथा विस्थापित हुए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने राज्य में शांति बहाली के लिए चल रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, पिछले तीन-चार महीनों में शांति की दिशा में प्रगति देखकर मुझे विश्वास है कि नए साल के साथ राज्य में सामान्य स्थिति और शांति वापस आएगी। उन्होंने सभी समुदायों से पुरानी गलतियों को भुलाकर मेल-मिलाप से रहने की अपील की और कहा कि पुरानी गलतियों को माफ करें और शांति और समृद्धि से भरे नए जीवन की शुरुआत करें। मणिपुर के सभी समुदायों को एक साथ रहना होगा। उन्होंने 2024 की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह वर्ष विकास और सौहार्द का रहा। वर्ष 2025 में और प्रगति की उम्मीद है, आइए हम मिलकर एक मजबूत और समावेशी राज्य का निर्माण करें।

जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा की स्मारिका विमोचन कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

भीलवाड़ा। श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस,राजस्थान महिला शाखा का अधिवेशन शहर के रामधाम रोड पर स्थित पीएफसी गार्डन रेस्टोरेंट में आयोजित हुआ। प्रान्तीय महिला शाखा द्वारा अपने दो वर्ष के कार्यकाल की गतिविधियों के आधार पर तैयार स्मारिका ''सेवा समपर्ण'' का विमोचन अतिथियों एवं संगठन के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। समारोह में जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्षा पुष्पा गोखरू ने कहा कि संगठन की महिला शाखा ने संघ-समाज के हित में सराहनीय कार्य किए। संत-साध्वियों की सेवा में भी महिला संगठन सदा तत्पर रहा। उन्होंने कहा कि दायित्व मिलने के बाद अच्छा कार्य करके जाने पर मन में संतुष्टि के भाव रहते है। जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान शाखा के अध्यक्ष निर्मल पोखरना ने प्रान्तीय महिला शाखा की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि हर कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा सहयोग मिला एवं महिला शाखा सदा संघ चतुर्विद संघ की सेवा में समर्पित रही। उन्होंने कहा कि प्रान्तीय अध्यक्षा नीता बाबेल एवं उनकी टीम को जो भी दायित्व सौंपा गया उसे उन्होने बखूबी निभाया। महिला शाखा ने जो अनुकरणीय कार्य किए वह आने वाली टीम के लिए भी प्रेरणादायी रहेंगे। जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष लाड़ मेहता ने कहा कि नीता बाबेल के नेतृत्व में राजस्थान महिला शाखा ने जो कार्य किए वह प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय है। जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान प्रान्तीय महिला शाखा अध्यक्षा नीता बाबेल ने कहा कि सबके सहयोग से ही समाजहित में श्रेष्ठ कार्य करने का प्रयास किया गया। संत-साध्वियों की सेवा हो या दर्शन-वंदन, तपस्वियो का अभिनंदन हो या जीवदया के कार्य,संगठन ने हर क्षेत्र में अच्छे कार्य करने का प्रयास किया। उन्होंने संगठन की गतिविधियों को सफल बनाने में सहयोग के लिए राष्ट्रीय व प्रान्तीय पदाधिकारियों व अपनी कार्यकारिणी के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी राजेन्द्र सुराणा एवं अरविन्द झामड़ ने भी विचार व्यक्त किए। मंच पर वरिष्ठ समाजसेवी कंवरलाल सूरिया, अमरसिंह डूंगरवाल आदि अतिथि भी मौजूद थे। अतिथियों ने जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा की वर्ष 2023-2024 की गतिविधियों पर आधारित स्मारिका का भी विमोचन किया। राजस्थान प्रांतीय महामंत्री चंदा कोठारी ने बताया की कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण गीत से हुई । गीत नीता बाबेल, नीतू चोरड़िया,सरिता पोखरना,प्रीति गुगलिया,स्नेहलता चोधरी ने प्रस्तुत किया।

उड़ान आपकी है

संतोष-भरा जीवन जीने के लिए अपने व्यक्तित्व की डोर थामना बिल्कुल वैसे ही ज़रूरी है.. जैसे खुश होने के लिए खुद मुस्कुराना..

बालिका को जीवन के प्रथम चरण से ही हर बात के लिए रोका टोका जाता रहा है। ऐसे उठो बैठो, अकेले बाहर मत जाओ, यह न करो.. कहीं न कहीं ये बातें महिलाओं के मन में कमजोर होने का भाव जगाती हैं। और अरमानों का वह आज़ाद परिंदा, क़ैद में रहकर, हौसला खोकर उड़ान भरना भूल जाता है। नतीजतन, स्त्री धीरे धीरे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर होने लगती है। आत्मविश्वास की कमी के कारण भी हर कार्य करने से पहले उसे सहमति की आवश्यकता होती है। फिर धीरे धीरे वह दूसरों के निर्णय को ही अपना निर्णय बना लेती है। गुजरते समय के साथ आत्मसम्मान में कमी आ जाती है और मन में अनजाना-सा दुख पनपने लगता है।

हम सब आईने की तरह होते हैं। जैसे खुद को देखेंगे, स्वयं के बारे में जैसा सोचेंगे, वही हमारे कार्यों में दिखेगा, फिर वैसा ही लोग हमारे बारे में सोचेंगे। इसलिए आज से ही अपनी नींव मजबूत करना शुरू करें। खुद को जानें, खुद पर यक़ीन करें और फिर मजबूती से क़दम बढ़ाएं।

सामान्य भूलें जो हमें जीवन की कमान समंभालने से रोकती हैं -

-खुद से, खुद की मर्ज़ी से अनजान।

-राय और मश्विरे लिए बिना कुछ भी न कर पाना।

-छोटी-से छोटी भूल के लिए कई दिनों तक शर्मिंदा महसूस करना।

-ज़िंदगी तो दूर, दिन तक की योजना न बना पाना।

-शब्दों का बेजा प्रयोग करना।

क्या आप भी अक्सर ऐसा कहती या सोचती हैं -

-डिग्री सही सब्जेक्ट में ली होती, तो आज नौकरी ढूंढना आसान होता।

-जब इतना पैसा होगा, ज़िंदगी में मज़ा तो तब आएगा।

-अगर स्कूटी की जगह कार होती, तो काम बढ़ाया भी जा सकता था।

इसे आप कुछ इस तरह भी कह सकती हैं -

-मैंने जीवन में कुछ करने के दूसरे विकल्पों के बारे में नहीं सोचा।

-पैसों का प्रबंधन कभी ठीक से नहीं हुआ मुझसे।

-मुझे सुविधाएं ज़रा ज्यादा चाहिए।

अब अगर यह तय करना है कि ज़िंदगी की कमान संभालनी है, तो सबसे पहली बात, शिक़ायतें करना छोड़ दें। आपकी ज़िंदगी की कमियों या समस्याओं के लिए अगर खुद उपाय नहीं किया, तो किसी पर दोष मढ़ने का हक़ नहीं।

हर दिन, हर परिस्थिति में ये चार मंत्र हमेशा याद रखिए -

1-चाहे हालात कैसे भी हों, किसी के सिर दोष मढ़ने के बजाय केवल निदान पर ध्यान दूंगी।

2-मेरी अपनी कोई भी दिक़्क़त हो, पहले उसका हल खुद ही ढूंढूंगी।

3-अपने बारे में ईमानदार रहना होगा, चाहे कितनी भी बड़ी समस्या में फंस जाऊं।

4. अपने सपनों, अपनी इच्छाओं की अनदेखी नहीं करूंगी। न ही कभी यह सोचूंगी कि मैं फलां कार्य के लिए योग्य नहीं हूं।

पता करें कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है-

-एक काग़ज पर कार्यों की प्राथमिकता अनुसार सूची बनाएं।

-पता करें कि कौन-सी बाधाएं आपको अंदर से परेशान कर रही हैं?

स्वयं पर विश्वास करें

-विश्वास करें कि आप अपने लक्ष्य को वास्तविक बनाने में सक्षम हैं। यदि आप अपनी शक्ति व क्षमताओं पर विश्वास करेंगी, तभी लोग व घटनाएं भी आपका समर्थन करेंगी।

-आपके विचार ही अनुभव बनाते हैं, इसलिए भय या संदेह को खुद पर हावी न होने दें।

-मुस्कुराती रहें और स्वयं से हश्वयार करें।

कार्यान्वित करें- योजना बनाएं कि आप स्वयं को किस रूप में देखना चाहती हैं। उसी तस्वीर की प्रतिकृति मन में बना लें।

स्वयं के फ़ैसले लें- आपके लिए जो कार्य वाक़ई आवश्यक है, उसकी तरफ़ ठोस क़दम बढ़ाएं। दूसरों के विचारों को अहमियत देना जरूरी है, पर अंतिम फ़ैसला स्वविवेक व अपनी आवश्यकता के आधार पर करें।

आत्मनिर्भर बनें- हर विषय में जानकारी लें। गैजेट्स, शहर के रास्ते आदि के बारे में जानें, ताकि समय आने पर आपको किसी पर निर्भर न रहना पड़े। स्वयं के कार्य करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। फिर कोई भी कार्य करने से पहले आप राय नहीं लेंगी, बल्कि दूसरों को परामर्श देने में भी सक्षम होंगी।

स्वयं के लिए समय निकालें- जो कुछ करना आपको अच्छा लगता है, उस कार्य को करने में कुछ समय व्यतीत करें। आध्यात्मिक उन्नति करें।

एक मिनट कीजिए सोलह श्रृंगार!

अगर आपको ऐसा जादुई आईना मिल जाए, जिसमें आप एक मिनट में दर्जनों बार श्रृंगार कर सकें और एक बटन दबाते ही सभी रूप ओझल हो जाएं तो कैसा रहे? चौंकिए नहीं। यूरोप के ब्यूटी काउंटरों पर एक ऐसे आईने की नुमाइश की जा रही है, जिसमें महिलाएं विभिन्न रूपों को आजमा कर सबसे अच्छे रूप का चयन कर रही हैं। जापानी ब्यूटी ब्रांड शिसीडो द्वारा तैयार किया गया यह आईना उपयोगकर्ता को आंखों, होठों और गालों का वास्तविक मेक-अप करने का भी विकल्प उपलब्ध कराता है। कंपनी के यूरोपीय स्टोर्स में यह आईना महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है। आईने में एक कैमरा लगा है, जो महिला के रूप को अपनी मैमोरी में कैद कर लेता है। इसके बाद आईने के संवेदनशील टच स्क्रीन को छूकर 50 से अधिक आंखों और होठों के रंगों का चयन किया जा सकता हैं। 12 प्रकार के लालिमा से युक्त गालों के रंग का भी चुनाव इस आईने को देख कर किया जा सकता है। इस आईने में दिखाई देने वाला रूप ठीक उसी प्रकार का होता है, जो वास्तविक आईने में दिखता है। यदि मेकअप करने के चलते आंखों का रंग साफ नहीं दिखाई देता है, तो उसे स्क्रीन पर देखा जा सकता है। महिला अपने पसंदीदा रूप का चयन करने के बाद अपना फोटो भी ले सकती हैं। आईने में लगी मशीन उनके विभिन्न रूपों में से कुछ का संचय कर लेती है, जो बाद में पसंदीदा रूप के चयन में सहायता करती है।

उपनाम दर्शाए परिवार प्रेम

अगर बात विवाह जैसे पवित्र बंधन की हो तो हमारे देश में इसे बखूबी निभाया जाता है। शादी के बाद पत्नी की पहचान पति से ही होती है। खासकर उसके नाम और उपनाम से। मगर अमेरिका में तो लोग अपनी पत्नी का उपनाम तक लगाने लगे हैं। हालांकि विकसित देशों में भी पत्नी का उपनाम लेने पर पहले कोर्ट में अर्जी देनी पड़ती है और फिर पैसे भी भरने पड़ते हैं। ऐसा नहीं है कि वहां इसका विरोध नहीं किया जाता, लेकिन फिर भी 350 डॉलर देकर वहां पत्नी का उपनाम इस्तेमाल किया जा सकता है।

पति काटे कोर्ट के चक्कर: आजकल कई पति शादी के बाद अपनी पत्नी का सरनेम रखना पसंद कर रहे हैं। लेकिन उन्हें कुछ कानूनी दांवपेंच से गुजरना पड़ता है। जबकि औरतों के साथ यह बात लागू नहीं होती। उन्हें आसानी से अपने पति का सरनेम मिल जाता है। भारत में पति को पत्नी से ऊपर का दर्जा मिलता है, इसीलिए जब लड़की शादी कर अपने घर जाती है तो वह अपने पति के सरनेम से जानी जाती है। हमारे देश में कम लेकिन बाहर के देशों में कई लोग ऐसे हैं, जो पत्नी का सरनेम खुशी से अपने नाम के साथ जोड़ना चाहते हैं।

महिलाएं भी दाखिल करती हैं अर्जी: कई देश ऐसे हैं जहां पति का सरनेम रखने के लिए भी कोर्ट की इजाजत लेनी पड़ती है। इराक, यमन, जार्डन, सीरिया में तो औरतें अपने पिता का उपनाम रखती हैं। शादी के बाद भी उनका नाम पिता के उपनाम के साथ ही जाना जाता है। अगर कोई महिला अपने पति का सरनेम रखने की इच्छा जताती है तो उसे कोर्ट में अर्जी दाखिल करनी होती है और बिना अदालती आदेश के वह अपने पति का सरनेम नहीं रख सकती।

पति के साथ खुद का सरनेम: भारत परम्पराओं का देश है। यहां परम्पराएं निभाई जाती हैं। शादी के बाद एक लड़की को अपने पति का नाम मिलता है। महिलाएं भी यहां पति का सरनेम रखना पसंद करती हैं। प्रियंका गांधी शादी के बाद अपने आप को प्रियंका वडेरा कहलाना अधिक पसंद करती हैं। कई मामले में महिलाएं पति के सरनेम के साथ-साथ अपना सरनेम भी रखती हैं। ऐश्वर्या राय ने शादी के बाद अपने पति का सरनेम लगाया और ऐश्वर्या राय बच्चन हो गईं। अभिनेत्री मानसी जोशी ने रोहित राय से शादी करने के बाद अपना नाम मानसी जोशी राय रखा है। लोग उन्हें इस नाम से जानते हैं, इसलिए शायद उन्होंने ऐसा किया।

शिखर की चाह

कामकाजी इंसान की ख्वाहिश लीडरशिप के शिखर पर पहुंचने की होती है। महिलाओं को यह राह निष्कंटक नहीं लगती। लेकिन इस राह को आसान वे खुद ही बना सकती हैं...

यह आपका कार्यक्षेत्र है। यहां आपका काम आपको पहचान और समान दिलाता है। आपको आत्मनिर्भर बनाता है। बेशक, यहां कई चुनौतियां हैं, पर यह न भूलें कि यहां अवसर भी हैं। आगे बढ़ने और लीडर बनने के अवसर। सो, पहले समझें कि लीडरशिप के लिए किन गुणों की दरकार होती है-

जिम्मेदारी- लीडर अधिकार से पहले जवाबदेही लेते हैं, क्योंकि जवाबदेही के साथ अधिकार तो मिल ही जाते हैं। वे लक्ष्य तय करते हैं। लीडर अतिरिक्त जिम्मेदारियों को कभी 'न' नहीं कहते।

संवाद- औरों को अपनी राय रखने और फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हर तरह के फीडबैक का सम्मान करते हैं। दुराव छिपाव नहीं रखते।

आत्म अवलोकन- लीडर अपनी ग़लतियां मानते हैं और उन्हें दूसरों पर नहीं थोपते। न ही वे बहाने बनाते।

प्रोत्साहन- सहकर्मियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। मदद और मार्गदर्शन के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। औरों की तरक़्क़ी में सहायक बनते हैं।

आइडिया- लीडर नए आइडिया और हश्वलान देते हैं, जिन पर उनके साथ अनुयायी चलते हैं।

तैयारी- अपनी योग्यताएं बढ़ाते रहते हैं। लीड करने के लिए तैयार रहते हैं। चाहे चुनौती कुछ भी हो, स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। दफ़्तर में कई चुनौतियां महिलाओं के सामने खड़ी होती हैं, जिनमें एक जो सबसे महत्वपूर्ण है, उसका ताल्लुक़ केवल और केवल छवि से है।

इस बारे में हिलैरी क्लिंटन के एक प्रेस सहयोगी के कथन से जाना जा सकता है- 'महिला लीडर क्या कह रही है या वो क्या कहेगी, से कहीं ज्यादा लोग इस बारे में बात करते हैं कि वो कहते वक़्त कैसी दिख रही थी।' आप कैसी दिखती हैं, दफ़्तर में कैसे रहती हैं से लेकर किससे, क्या बात करती हैं, ये सब माइक्रोस्कोप के नीचे रखकर देखा जाता है।

इसलिए, ध्यान रखें

-सबसे पहला प्रयास तो उन लोगों से जो केवल रूप या ड्रेस की बातें करते हैं, ध्यान हटाकर काम पर लगाना है। कुछ दिनों बाद ये लोग भी आपके फोकस के क़ायल हो जाएंगे।

-योग्यता में लगातार सुधार व निखार लाती रहें।

-फ़ैसले लेने के मामले में कमज़ोर साबित हुईं, तो दफ़्तर में सहायक भूमिकाओं तक सीमित रह जाएंगी।

-बहुत सारे लोग मदद के लिए तैयार होंगे और चाहेंगे कि बदले में आप उनका एहसान मानें। अपनी समस्याओं से जहां तक संभव हो, खुद निपटें।

-दफ़्तर में निजी बातें करना या अनावश्यक घरेलू बातें करना दूसरों को ग़लत अर्थ लगाकर, आपका ध्यान भटकाने का मौक़ा दे सकता है।

ये भी आजमाएं- नवीनतम गैजेट्स रखें। ये बताते हैं कि आप जमाने के साथ चलने वाली हैं। इनसे यह भी संदेश मिलता है कि सूचनाओं और संदेशों का आदान-प्रदान आपके लिए जरूरी है, यानी आपकी पोजीशन और काम महत्वपूर्ण हैं।

हमेशा याद रखें- स्त्री होने के कारण अतिरिक्त सुविधाओं और छूट की उम्मीद न रखें। ये मिल तो जाएंगी, पर आपको सिर्फ़ कमजोर महिला समझकर ख़ारिज कर दिए जाने का ख़तरा भी रहेगा, जो आपकी लीडरशिप की राह में सबसे बड़ी बाधा है। लोगों से सहयोग तो लें, लेकिन उन पर आश्रित न हो जाएं।

आलोचकों से न उलझें- आलोचकों पर अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। मशहूर अमेरिकी गायिका बियोंसे नोल्स कहती हैं, 'मैं यह उम्मीद नहीं कर सकती कि मैं जो भी करूं, वह हर किसी को पसंद आए ही।'

गृहक्षेत्र में सद्भाव- अमेरिकी शेयर मार्केट में बड़ी कमाई करने वाली सेली क्रॉचेक की सलाह है- स्त्री सुनिश्चित करे कि पति उसके काम व जिम्मेदारियों को समझ रहा है।

तैयारी करें जहां- पहुंचना चाहती हैं, उसके लिए आवश्यक तैयारी करें। यह हर सफल महिला का मंत्र है। बिना तैयारी के अवसर भी बेकार चले जाते हैं।

सिडनी टेस्ट में नहीं खेलेंगे मिचेल स्टार्क? ऑस्ट्रेलियाई कोच ने बड़ा हिंट देकर चौंकाया

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टार्क के चोटिल होने की संभावना के चलते उनके सिडनी टेस्ट में खेलने पर संशय बना हुआ है. ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने स्टार्क के सिडनी टेस्ट में खेलने पर बहुत बड़ा हिंट दिया था, लेकिन अब तक कुछ साफ नहीं हो पाया है. वहीं एक मीडिया रिपोर्ट अनुसार स्टार्क सीरीज का आखिरी टेस्ट खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला कम से कम गुरुवार से पहले नहीं लिया जाएगा।

सबालेंका ने जराजुआ को हराकर सत्र की शुरुआत की

ब्रिस्बेन। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में रेनाटा जराजुआ को हराकर अपने सत्र की शुरुआत की। बेलारुस की सबालेंका ने 63 मिनट तक चले मुकाबले में मेक्सिको की जराजुआ को 6-4, 6-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। तीसरे दौर में सबालेंका का मुकाबला कजाकिस्तान की यूलिया पुतिनत्सेवा से होगा।मैच के जीतने के बाद सबालेंका ने कहा कि मैं दबाव में रहने के उस चरण से आगे निकल चुकी हूँ। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा खिताबों और जीत के लिए भूखी रहती हूं जीतना लत लगाने जैसा है। मैं केवल अपने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने मुंबई सिटी एफसी को 3-0 से हराया

मुंबई। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मुंबई सिटी एफसी को 3-0 से हराया। मुंबई फुटबॉल एरिना में खेले गये मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के अलाएद्दीन अजारेई ने शुरुआती 46वें सेकंड में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह आईएसएल में किया गया सबसे तेज गोल था।83वें मिनट में अजराए ने सुधार करते हुए मैकर्टन निकसन के पास को बॉक्स के केंद्र से बाएं पैर से शॉट लगाकर गोल में बदल दिया। विंगर मैकार्टन निक्सन ने 86वें मिनट में तीसरा गोल किया। इस जीत से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 21 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

आईपीएल में अनसोल्ड रहने के बाद डेविड वार्नरने पीएसएल सीजन 10 ड्राफ्ट के लिए कराया पंजीकरण

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए हस्ताक्षर करने वाले नवीनतम खिलाड़ी बन गए हैं। पीएसएल ने वार्नर के ड्राफ्ट के लिए पंजीकरण की पुष्टि करते हुए एक्स लिखा, 2024 का शानदार अंत। ऑस्ट्रेलियाई पावरहाउस डेविड वार्नर ने पीएसएल ड्राफ्ट के लिए पंजीकरण कराया है! आगामी पीएसएल सीजन 10 के लिए नीलामी का आयोजन 11 जनवरी को बलूचिस्तान के ग्वादर शहर में होगा। यह सीजन 8 अप्रैल से शुरू होगा और 19 मई को समाप्त होगा। मंगलवार को वार्नर की घोषणा से पहले, के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउथी ने भी पीएसएल सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए साइन अप किया था। पीएसएल ड्राफ्ट में प्रवेश करने से पहले, वार्नर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में शामिल हुए, लेकिन उन्हें अपने लिए कोई खरीदार नहीं मिला। वार्नर को ऑस्ट्रेलिया का सबसे बेहतरीन ऑल-फॉर्मेट ओपनर माना जाता है, उन्होंने टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलियाई टीम के सुपर आठ से बाहर होने के बाद खेल के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने सात मैचों में दो अर्द्धशतकों सहित 178 रनों के साथ अभियान का अंत किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 112 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 44.59 की औसत से 8,786 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 335* है। वह टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 161 एकदिवसीय मैच खेलते हुए वार्नर ने 45.30 की औसत और 97 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से 6,93 रन बनाए उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 179 है। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वार्नर टी20आई में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 110 मैचों में 33.43 की औसत और 142.47 की स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाए हैं।

सुधांशु मित्तल ने खो खो विश्वकप का कार्यक्रम जारी किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। खो खो विश्वकप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि आगामी 13 जनवरी से भारत और नेपाल के बीच मुकाबले से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। श्री मित्तल ने आज यहां खो खो विश्वकप का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा कि पहला मुकाबला भारत और नेपाल के बीच 13 जनवरी को इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में शाम सात बजे होगा। विश्वकप के लिए पुरुष और महिला टीमों को चार-चार वर्गों में बांटा किया गया। पुरुष वर्ग के ग्रुप ए में भारत, नेपाल, पेरू, ब्राजील और भूटान है। ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, घाना, अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान है। ग्रुप सी में बंगलादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड है जबकि ग्रुप डी में इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और केन्या को रखा गया है।वहीं महिला वर्ग के ग्रुप ए में भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया हैं। ग्रुप बी में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया,केन्या, यूगांडा और नीदरलैंड और ग्रुप सी में नेपाल, भूटान, श्रीलंका, जर्मनी और बंगलादेश तथा ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका , न्यूजीलैंड,पोलैंड,पेरू और इंडोनेशिया को रखा गया है। उन्होंने बताया कि विश्वकप में महिला और पुरुष वर्ग में 20 देशों के बीच कुल 90 मुकाबले होंगे। पुरुष और महिला वर्ग में क्वार्टरफाइनल 17 जनवरी को 16 टीमों के बीच होगा। पुरुष और महिला वर्ग के सेमीफाइनल 18 जनवरी को खेले जायेंगे। पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल 19 जनवरी को होगा। उन्होंने बताया कि लीग मैचों में ग्रुप ए में भारत और नेपाल के पुरुष वर्ग का मैच 13 जनवरी शाम सात बजे होगा। 14 जनवरी को विभिन्न ग्रुपों में होने वाले मुकाबले इस प्रकार है– ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका और घाना की पुरुष टीमें भिड़ेंगी। इसी दिन ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के महिला टीम के बीच मैच सुबह खेला जायेगा। ग्रुप ए में पेरू और भूटान के पुरुष वर्ग का मैच होगा। ग्रुप डी में पोलैंड और इंडोनेशिया के महिला वर्ग का मैच होगा। ग्रुप डी में मलेशिया और केन्या के पुरुष वर्ग में, ग्रुप डी दक्षिण अफ्रीका और पेरू की महिला टीम के बीच मैच होगा। ग्रुप ए में भारत और दक्षिण कोरिया की महिला टीम भिड़ेंगी। ग्रुप ए में भारत और ब्राजील की पुरुष टीम के बीच मैच होगा। 15 जनवरी को होने वाले मुकाबले में ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया और युगांडा महिला। ग्रुप ए में नेपाल और ब्राजील की पुरुष टीम के बीच खेला जायेगा। ग्रुप डी में न्यूजीलैण्ड और पेरू की महिला टीम, ग्रुप डी में इंग्लैंड और मलेशिया की पुरुष टीम, ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और पोलैंड की महिला टीम खेलेगी।

कुन्हा पर दुर्व्यवहार के लिए दो मैच का प्रतिबंध और 80 हजार पाउंड का जुर्माना

एजेंसी

इप्सविच (इंग्लैंड)। वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के फॉरवर्ड मैथियस कुन्हा पर इप्सविच टाउन के साथ खेले गये मैच के बाद दुर्व्यवहार के लिए फुटबॉल एसोसियेशन (एफए) ने दो मैच का प्रतिबंध और 80 हजार पाउंड का जुर्माना लगाया गया है। स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार 14 दिसंबर को प्रीमियर लीग के मैच के खत्म होने के बाद कुन्हा इप्सविच एक सदस्य के साथ विवाद में शामिल थे और एफए ने ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया।

यह घटना जैक टेलर द्वारा इप्सविच के लिए आखिरी मैच में विजयी गोल करने के बाद हुई। वॉल्व्स ने अपने 19 मैचों में से चार जीते हैं और प्रीमियर लीग में 17वें स्थान पर हैं। एफए ने एक बयान में कहा, मैथियस कुन्हा को शनिवार 14 दिसंबर को वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स और इप्सविच टाउन के बीच प्रीमियर लीग के मैच के बाद दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है और 80 हजार पाउंड का जुर्माना लगाया गया है।

दिल्ली ने त्रिपुरा को 64 रनों से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। तेजस्वी दहिया (114) की शतकीय और सनत सांगवान (54), सुमित माथुर (नाबाद 47), और अर्पित राणा (41) की शानदार पारियों के बाद प्रिंस यादव (चार विकेट) और ईशांत शर्मा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दिल्ली की टीम ने त्रिपुरा को 64 रनों से पराजित किया। दिल्ली के 306 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी त्रिपुरा की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र एक रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। बिक्रमकुमार दास (शून्य) और जीवनजोत सिंह (एक) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद श्रीदम पॉल और कप्तान मनदीप सिंह ने तीसरे विकेट के लिए 95 रन जोड़े। 26वें ओवर में मयंक गुसाई ने मनदीप सिंह (46) को आउट किया। इसके बाद ईशांत शर्मा ने श्रीदम पॉल (64) को पवेलियन भेज दिया। बिक्रमजीत देबनाथ (45), रजत डे (32), मणिशंकर मुरासिंह (22), राणा दत्ता(20) रन बनाकर आउट हुये। दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण के आगे त्रिपुरा की पूरी टीम 49.2 ओवर में 242 रन पर ढ़ेर हो गई।

दिल्ली की ओर से प्रिंस यादव ने चार और ईशांत शर्मा ने तीन विकेट लिये। ऋतिक शौकीन ने और मयंक गुसाई ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दिल्ली ने त्रिपुरा के खिलाफ 306 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। त्रिपुरा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली की सनत सांगवान और अर्पित राणा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े। इसके बाद मयंक गुसाई (10) और आयुष बडोनी (15) दोनों ही बल्लेबाज रन आउट हुये। 31वें ओवर में सीके पॉल ने सनत सांगवान (54) को आउट किया। आयुष दोसेजा (10) रन बनाकर आउट हुये। आखिरी ओवर में तेजस्वी दहिया को मणिशंकर मुरासिंह ने आउट किया। दहिया ने 78 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के लगाते हुए (114) रनों की पारी खेली। सुमित माथुर ने 37 गेंदों में (नाबाद 47) रन बनाये। दिल्ली ने निर्धारित 50 ओवरों में 306 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

मुम्बई ने नागालैंड को 189 रनों से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। आयुष म्हात्रे (181) के तूफानी शतकीय अंगकृष रघुवंशी (53) और कप्तान शार्दुल ठाकुर (नाबाद 73) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मुम्बई ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले में नागालैंड को 189 रनों से हरा दिया।मुम्बई के 403 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नागालैंड की शुरुआत नागालैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 23 रन पर अपने पांच विकेट गवां दिये। हालांकि इस दौरान एस रुपेरो एक छोर थामे खड़े रहे। उन्होंने जगदीश सुचित के साथ छठे विकेट के लिए 85 रन जोड़े। छठे विकेट के रूप में एस रूपेरो (53)रन बनाकर आउट हुये। 48वें ओवर में इमलिवति लेमतुर (27) आउट हुये। 49वें ओवर में सूर्यांश शेडगे जगदीश सुचित को आउट किया। जगदीश सुचित ने 97 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (104) रनों की पारी खेली। नागालैंड की टीम निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 214 रन ही बना सकी और 189 रनों से मुकाबला हार गई। मुम्बई के लिए शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिये। रॉयस्टन डायस और सूर्यांश शेडगे को दो-दो विकेट मिले। सिद्धेश लाड और हर्षा तन्ना ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले नागालैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई के लिए आयुष म्हात्रे और अंगकृष रघुवंशी की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 156 रनों की साझेदारी की। 25वें ओवर में जगदीश सुचित ने अंगकृष रघुवंशी (53) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद जय बिस्ता (दो) रन बनाकर आउट हुये। सिद्धेश लाड (39), प्रसाद पवार (38) रन बनाकर आउट हुये । आयुष म्हात्रे ने 117 गेंदों में 15 चौके और 11 छक्के लगाते हुए (181) रनों की पारी खेली। शार्दुल ठाकुर 28 गेंदों में दो चौके और आठ छक्के लगाकर (73) रन पर नाबाद रहे। मुम्बई ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 403 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

उत्तर प्रदेश ने चंड़ीगढ़ को चार विकेट से हराया

एजेंसी

विजयनगरम। शिवम मावी (चार विकेट) और रिंकू सिंह (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (116) की शतकीय और अभिषेक गोस्वामी (50) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत उत्तर प्रदेश ने विजय हजारे ट्रॉफी में ग्रुप डी के मुकाबले में चंड़ीगढ़ को चार विकेट से हरा दिया। चंड़ीगढ़ को 271 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश की आर्यन जुयाल और अभिषेक गोस्वामी की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108रन जोड़े। 22वें ओवर में निशंकु बिरला ने अभिषेक गोस्वामी (50) को आउटकर चंड़ीगढ़ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अभिषेक सैनी ने करण शर्मा और समीर रिजवी को एक ही ओवर पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। प्रियम गर्ग ने (35) और शिवम मावी (22) रन बनाकर आउट हुये।आर्यन जुयाल ने 125 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के लगाते हुए (116) रन बनाये। कप्तान रिंकू सिंह ने 28 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 36) रनों की पारी खेली। उत्तर प्रदेश ने 46.5 ओवर में छह विकेट पर 275 रन बनाकर चार विकेट से मुकाबला जीत लिया।चंड़ीगढ़ की ओर से निशुंक बिरला और अभिषेक सैनी ने दो-दो विकेट लिये। जगजीत सिंह और निखिल शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चंड़ीगढ़ के लिए कप्तान मनन वोहरा और तुषार जोशी ने पहले विकेट के लिए 31 रन जोड़े। 11वें ओवर में आ?किब खान ने तुषार जोशी (18) को आउट कर उत्तर प्रदेश को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शिवम भांबरी ने कप्तान मनन वोहरा के साथ दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। 24वें ओवर में वी निगम ने मनन वोहरा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मनन वोहरा ने (44) रनों की पारी खेली। शिवम भांबरी ने (68) रन बनाये। अंकित कौशक (36), राज बावा (36), अर्मित लबाना (28), निखिल शर्मा (18) रन बना कर आट हुये। आखिर चार बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच सके। उत्तर प्रदेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे चंड़ीगढ़ की पूरी टीम 49.3 ओवरों में 271 रन पर सिमट गई।उत्तर प्रदेश के लिए शिवम मावी ने चार, रिंकू सिंह और आकिब खान ने दो-दो विकेट लिये। वी निगम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

हेमवती नंदन बहुगुणा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में अलीगंज क्लब और लिफा क्लब ने मैच जीते

एजेंसी

लखनऊ। सातवें हेमवती नंदन बहुगुणा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में खेले गये मैचों में एल डी ए अलीगंज क्लब और लिफा क्लब अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। पूर्व मंत्री डॉ अम्मार रिजवी ने आज सातवें हेमवती नंदन बहुगुणा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का चौक स्टेडियम में उद्घाटन किया। पहला मैच एल डी ए अलीगंज और लखनऊ यूथ क्लब के बीच खेला गया। इस मुकाबले में एल डी ए क्लब ने लखनऊ यूथ क्लब को 5-2 से हराया। एल डी ए अलीगंज की ओर से अमन पांडे ने 22 मिनट, उत्कर्ष पटेल 31, प्रियांशु कुमार 36,47, प्रियांशु वर्मा 47 मिनट में गोल किया। वहीं लखनऊ यूथ कि ओर से अमर ने 9,16 मिनट में गोल किया।दूसरे मैच में लिफा क्लब ने डी सी ए क्लब को (5-0) से हराया। लिफा क्लब कि ओर से राजवीर की हैट्रिक 13,17,40 में मिनट , युसूफ 31, शोभित 50, मिनट में गोल किया। टूर्नामेंट का पहला मैच एल डी ए अलीगंज और लखनऊ सिटी क्लब के बीच होगा। दूसरा मैच मिलानी क्लब और अलीगंज वॉरियर क्लब के बीच खेला जायेगा।

महाराष्ट्र की अनन्या नायडू ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

भोपाल। महाराष्ट्र की अनन्या नायडू ने एमपी स्टेट एकेडमी (एमपीएसए) शूटिंग रेंज में चल रही 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) (राइफल) की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 252.5 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने रेलवे की अनुभवी मेघना सज्जनार को मात्र 0.2 अंकों से हराकर पहला सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता। कांस्य पदक तमिलनाडु की आर. नर्मदा नितिन को मिला, जो 231.3 अंकों के साथ स्वर्ण पदक की होड़ से बाहर हो गयीं। विजेता ने पहले पांच-एकल-शॉट सीरीज के बाद ही 1.4 की बढ़त बना ली और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 24 शॉट के फाइनल के अंतिम दो शॉट में अनन्या और मेघना दोनों ने कुल 20.6 अंक बनाए, जिससे फाइनल हॉल में बैठे दर्शकों के साथ-साथ ऑनलाइन दर्शकों को भी रोमांचित कर दिया।

क्वालिफिकेशन परिणाम में अनन्या 8वें स्थान पर रहीं। राज्य की खिलाड़ी आर्या राजेश बोरसे ने कुल 633.3 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि नर्मदा नितिन ने क्वालिफिकेशन और फाइनल दोनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्कोरबोर्ड पर शीर्ष 3 में अपना स्थान बनाए रखा। उन्होंने 632.9 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर क्वालीफाई किया।अनन्या ने क्वालिफिकेशन में अपनी अंतिम रैंक को अंतिम विजेता में बदलकर शानदार प्रदर्शन किया। 10 मीटर एयर राइफल जूनियर महिला स्पर्धा में गौतमी भनोट ने 251.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। रजत पदक विजेता मयूरी लक्ष्मण पवार (महाराष्ट्र) और गौतमी दोनों एक समय 168.0 अंकों पर बराबरी पर थीं, लेकिन अगले दो शॉट में मयूरी के 20.5 के मुकाबले 21.6 के स्कोर ने गौतमी को फिर से बढ़त दिलाने में मदद की। दिशा धनकर (हरियाणा) ने 229.9 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

वेस्ट हैम यूनाइटेड के स्ट्राइकर माइकलएंटोनियो को अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी

लंदन। वेस्ट हैम यूनाइटेड के स्ट्राइकर माइकल एंटोनियो को एक गंभीर कार दुर्घटना के बाद अस्पताल में तीन सप्ताह बिताने के बाद छुट्टी दे दी गई है। 7 दिसंबर को एपिंग, एसेक्स में हुई दुर्घटना के बाद एंटोनियो के निचले अंग में फ्रैक्चर की सर्जरी की गई थी और उन्हें सेंट्रल लंदन के एक अस्पताल में ले जाया गया था। नेशनल हेल्थ सर्विसेज और एयर एम्बुलेंस यूके की त्वरित प्रतिक्रिया के बाद, कार में फंसे एंटोनियो को वाहन से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया। ईस्ट लंदन स्थित इस क्लब ने एनएचएस और एयर एम्बुलेंस को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद देने के पाउंड तक जुटाए हैं। क्लब की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया, वेस्ट हैम यूनाइटेड ने हाल ही में प्रीमियर लीग में वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के खिलाफ़ खेले गए मैच में पहने गए कपड़ों की नीलामी के बाद एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके चैरिटी को लगभग 60,000 पाउंड का दान दिया है। मिशेल एंटोनियो की सड़क दुर्घटना के बाद हुई नीलामी से प्राप्त राशि एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके चैरिटी के बीच बराबर-बराबर बांटी जाएगी, जो यूके की एयर एम्बुलेंस चैरिटी के जीवन रक्षक कार्यों का समर्थन करने वाली राष्ट्रीय चैरिटी है। एंटोनियो प्रीमियर लीग में वेस्ट हैम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर हैं, जिन्होंने 268 लीग मैचों में 68 गोल किए हैं। वेस्ट हैम के कप्तान जेरेड बोवेन ने कहा, हम सभी एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके दोनों द्वारा मिशेल को उनके और उनके परिवार के लिए चुनौतीपूर्ण समय के दौरान दी गई देखभाल के लिए आभारी हैं।

पंत की आलोचना विफलता के लिए करें, आउट होने के तरीके के लिए नहीं: संजय मांजरेकर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने ऋषभ पंत का बचाव करते हुए आलोचकों से विकेटकीपर-बल्लेबाज के आउट होने के तरीके के बजाय उनके परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है। यह टिप्पणी मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के विवादास्पद शॉट चयन के मद्देनजर आई है, जिसने भारत के पतन और अंततः 184 रन की हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेलबर्न टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान, जब भारत मैच बचाने के लिए संघर्ष कर रहा था, तब पंत ट्रेविस हेड की गेंद पर जोखिम भरा छक्का लगाने के प्रयास में गिर गए। गलत समय पर शॉट लगाने के कारण वह आउट हो गए और भारतीय बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया, जिसके कारण वे 5वें दिन के अंतिम 91 ओवरों में टिक नहीं पाए। भारत की हार ने उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-2 से पीछे कर दिया, जिससे भारत की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को नुकसान पहुंचा, जिससे पंत के शॉट चयन की व्यापक आलोचना हुई। हालांकि, मांजरेकर ने एक बारीक दृष्टिकोण पेश किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पंत की आलोचना उनके आउट होने के तरीके के बजाय बड़े स्कोर बनाने में उनकी विफलता के लिए की जानी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर, मांजरेकर ने पंत की प्रभावशाली टेस्ट साख को उजागर किया, साथ ही उनके आउट होने के तरीके का अधिक विश्लेषण करने के खिलाफ चेतावनी दी। मांजरेकर ने पोस्ट किया, पंत की आलोचना केवल उनकी विफलताओं के लिए की जानी चाहिए, न कि उनके विफल होने के तरीके के लिए। टेस्ट में उनका औसत 42 है और किसी भारतीय द्वारा खेली गई कम से कम 3 बेहतरीन पारियां हैं! 42 टेस्ट में, उन्होंने 6 शतक और 7 नाइंटीज बनाए हैं। वह एक महान खिलाड़ी है, जो पर्याप्त रन नहीं बना पा रहा है और यही इसका सार है।मांजरेकर की टिप्पणी ने मैच विजेता के रूप में पंत के रिकॉर्ड को रेखांकित किया, जिन्होंने अपने युवा करियर में कई बार दबाव में अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक प्रदर्शन भी शामिल है। मौजूदा सीरीज में पंत का योगदान निराशाजनक रहा है, बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने चार मैचों (सात पारियों) में 22 की औसत से सिर्फ 154 रन बनाए हैं।

2025 में भारतीय शटलरों की नजरें ऑल इंग्लैंड, विश्व चैंपियनशिप पर

पुणे।

नई दिल्ली। 2024 में मिले-जुले नतीजों का सामना करने के बाद, भारतीय शटलर नए साल के लिए उत्साह के साथ तैयार होंगे क्योंकि सीजन की शुरुआत मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन के साथ हुई है, लेकिन मुख्य फोकस सबसे प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप और विश्व चैंपियनशिप के साथ-साथ अन्य बड़े आयोजनों पर होगा। भारतीय शटलरों ने 2024 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में कुल पांच खिताब जीते हैं। पांच खिताबों में से एक-एक पुरुष और महिला एकल में, दो पुरुष युगल में और एक महिला युगल में है।

नए सत्र की शुरुआत एशियाई स्विंग के साथ होगी क्योंकि सुपर 1000 टूर्नामेंट, मलेशिया ओपन, 7 जनवरी को कुआलालंपुर में शुरू होगा, इसके बाद इंडियन ओपन होगा, जो एक सुपर 750 इवेंट है, जो 14-19 जनवरी को देश की राजधानी में निर्धारित है।इंडोनेशिया मास्टर सुपर 500 (21 से 26 जनवरी) और थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 (28 जनवरी से 2 फरवरी) एशियाई सर्किट का समापन करेंगे, जिसके बाद यूरोप में मुकाबले शुरू होंगे।यूरोपीय लेग की शुरुआत बर्मिंघम के यूटिलिटा एरिना में 11 से 16 मार्च तक चलने वाले दुनिया के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित बैडमिंटन टूर्नामेंट ऑल इंग्लैंड ओपन से होगी। भारतीय शटलर लंबे समय से ऑल इंग्लैंड ओपन में भाग ले रहे हैं, लेकिन 1980 से 2024 के बीच पांच फाइनल में पहुंचने के साथ अब तक केवल दो खिताब ही जीत पाए हैं।

बैडमिंटन के दिग्गज प्रकाश पादुकोण एकमात्र भारतीय हैं, जो दो बार ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं, पहली बार 1980 में, जब उन्होंने प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया था। अगले वर्ष, उन्होंने टूर्नामेंट में अपना दूसरा फाइनल खेला, लेकिन अपने पुरुष एकल खिताब का बचाव करने में सफल नहीं हो सके। 21 साल के लंबे इंतजार के बाद, पुलेला गोपीचंद 2001 में ऑल इंग्लैंड ओपन जीतने वाले दूसरे भारतीय बने। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल 2015 में ऑल इंग्लैंड के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं और उपविजेता रहीं, जबकि लक्ष्य सेन गोपीचंद के बाद 21 साल में पुरुष फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष शटलर बने।हाल ही में शादी के बंधन में बंधने वाली पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की गतिशील पुरुष युगल जोड़ी और 2022 और 2023 में लगातार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली होनहार महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद सहित स्टार शटलर इस खिताब को जीतने और 24 साल के इंतजार को खत्म करने का प्रयास करेंगे। पूर्व चैंपियन सात्विक और चिराग 2024 में टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद चीन के निंगबो में 8 से 13 अप्रैल तक होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में पुरुष युगल खिताब बरकरार रखने का लक्ष्य रखेंगे।

मैं तुमसे नफरत नहीं करती...अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद

मलाइका अरोड़ा

ने क्यों कही ऐसी बात? वायरल हुआ दिल छू लेने वाला पोस्ट

साल 2024 खत्म होने वाला है और लोग इस साल में हुई अच्छी-बुरी यादों को शेयर कर रहे हैं. अब एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने 2024 को लेकर कुछ बातें लिखी हैं. इस साल से उन्होंने क्या सीखा और उन्हें इससे क्या शिकायत है ये सबकुछ मलाइका अरोड़ा ने एक पोस्ट के ज़रिए तमाम फैंस के साथ शेयर किया है.मलाइका अरोड़ा ने एक पोस्ट के जरिए बताया है कि उनके लिए ये साल कितनी चुनौतियों से भरा रहा है. एक्ट्रेस का ये नया पोस्ट काफी वायरल हो रहा है, जिसमें मलाइका ने अपने दिल की बात खुलकर बताई है.

मलाइका अरोड़ा का 2024 के नाम पोस्ट

मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम मून ओमेंस पेज पर शेयर किया गया एक पोस्ट अपनी इंस्टा स्टोरी में पोस्ट किया है, जिसमें 2024 के बारे में अच्छी-बुरी बातें लिखी हैं. पोस्ट में लिखा है, 'मैं तुमसे नफरत नहीं करती, 2024, लेकिन तुम कठिन साल रहे हो, जिसमें खूब सारे चैलेंज, कई बदलाव और काफी कुछ सीखने को मिला. तुमने सिखाया कि पलक झपकते ही लाइफ बदल सकती है और खुद पर ज्यादा भरोसा करना भी सिखाया.'

इस पोस्ट में आगे लिखा है, 'लेकिन इन सबसे ऊपर, तुमने मुझे ये समझाया कि किस तरह मुझे अपनी मेंटल हेल्थ, इमोशनल और फीजिकल हेल्थ को ठीक रखना है. ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें मैं अभी तक समझ नहीं पाई हूं, लेकिन मुझे यकीन है कि जो कुछ भी हुआ है और क्यों हुआ है ये सबकुछ मैं समय के साथ समझ पाऊंगी.'

पोस्ट के जरिए क्या है मलाइका अरोड़ा का इशारा ?

2024 में 11 सितंबर को मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल मेहता का निधन हो गया था. इस खबर ने मलाइका और उनके परिवार को हिला दिया था. इसके साथ ही इसी साल उनका कई साल पुराना रिश्ता जो अर्जुन कपूर के साथ था वो खत्म हो गया. हालांकि, अर्जुन या मलाइका ने इसपर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया, लेकिन खबरे हैं कि अब वो दोनों साथ नहीं हैं. अर्जुन कह चुके हैं कि वो सिंगल हैं. मलाइका की लाइफ में इस साल काफी उतार चढ़ाव आए, जिसके कारण एक्ट्रेस को परेशानी उठानी पड़ी. लेकिन साथ ही आजकल मलाइका अपनी सिंगल लाइफ एन्जॉय कर रही हैं.

मलाइका अरोड़ा की शादी

मलाइका अरोड़ा का फिल्मी करियर म्यूजिक वीडियो के जरिए शुरू हुआ था. इसके बाद मलाइका कई फिल्मों में नजर आईं, कई सुपरहिट गाने भी किए, लेकिन इनका करियर बतौर फिटनेस ट्रेनर ज्यादा पसंद किया जाता है. 1998 में मलाइका अरोड़ा ने अरबाज खान से शादी की थी, जिनसे उन्हें एक बेटा भी है.

शाहरुख-सलमान-प्रभास नहीं, 21वीं सदी के बेस्ट एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हुआ सिर्फ ये एक इंडियन

फिल्म इंडस्ट्री में कई सारे एक्टर्स ऐसे हैं जो अपने दमदार अभिनय से अलग पहचान बनाते हैं. एरक्टर्स का जलवा तब सही मायने में पता चलता है जब लोग एक्टर की एक्टिंग के लिए फिल्म देखने लग जाएं. सभी एक्टर्स इस लीग में शामिल नहीं हो पाते हैं लेकिन कुछ एक्टर्स ऐसे होते हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि वे किसी भी हिट या फ्लॉप फिल्मों में हों लेकिन उनकी एक्टिंग को हमेशा पसंद किया जाता है. हर साल फेवरेट एक्टर्स की लिस्ट आती है. इस साल भी द इंडिपेंटेंट ने दुनिया के शानदार एक्टर्स की लिस्ट निकाली है. दुनिया के 60 शानदार एक्टर्स की लिस्ट जारी की कई है इसमें सिर्फ एक ही भारतीय कलाकार को जगह मिली है.

कौन सा बॉलीवुड एक्टर इस लिस्ट में

द इंडिपेंडेंट ने 21वीं सदी के 60 सबसे बड़े एक्टर्स की लिस्ट जारी की है. इस लिस्ट में कई बड़े एक्टर्स के नाम शामिल किए गए हैं. इसी लिस्ट में बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर इरफान खान का नाम भी शामिल है. उन्हें भी दुनिया के शानदार एक्टर्स की लिस्ट में जगह मिली है. इस लिस्ट में उन फिल्मों को ही शामिल किया गया है जो 2000 से पहले रिलीज हुई थीं. हालांकि इरफान खान के करियर का सबसे शानदार काम तो अंत के दिनों में ही देखने को मिला. एक्टर को सही मायने में तब नोटिस किया गया जब उन्होंने साल 2003 में तिग्मांशु धुलिया की फिल्म हासिल में काम किया था. इसी साल मकबूल फिल्म में भी उनकी एक्टिंग को नोटिस किया गया.

इसके बाद इरफान खान ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. उन्होंने हासिल, लाइफ इन अ मैट्रो, द लन्चबॉक्स, स्लमडॉग मिलेनियर, हैदर, लाइफ ऑफ पाई, तलवार और करीब करीब सिंगल जैसी फिल्मों में काम किया था. उनकी आखिरी फिल्म अंग्रेजी मीडियम ही थी. एक्टर का जन्म राजस्थान में हुआ था. उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से अभिनय की तालीम ली थी. अब एक्टर इस दुनिया में नहीं रहे और साल 2020 में उनका निधन हो चुका है. वे 53 साल के थे. आज भी फैंस इरफान खान को बहुत मिस करते हैं.

एक फिल्म में इस एक्ट्रेस ने किए 30 KISS सीन, फिर भी फ्लॉप रहा करियर, जानें अब कैसी लाइफ जी रही हैं

बॉलीवुड में तमाम ऐसी एक्ट्रेसेस रही हैं, जिनका शुरुआती करियर तो बढ़ियां चला, लेकिन धीरे-धीरे वो इंडस्ट्री में कहीं गुम हो गईं. उन एक्ट्रेसेस में सोनल चौहान का नाम भी शामिल है, जिन्होंने 'जन्नत' (2008) से बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी. पहली ही फिल्म से सोनल नेशनल क्रश बन गई थीं और इसके बाद उन्होंने कई फिल्में, म्यूजिक वीडियो किए, लेकिन बॉलीवुड में उनका किरयर खास नहीं चला.सोनल चौहान ने साउथ सिनेमा का सहारा लिया और वहां अभी भी एक्टिव हैं, हालांकि किसी न किसी हिंदी फिल्म में बतौर सपोर्टिंग एक्ट्रेस सोनल दिख जाती हैं. एक हिंदी फिल्म में उन्होंने 30 किस सीन दिए जो काफी सुर्खियों में रहा, फिर भी वो बॉलीवुड में टिक नहीं पाईं. वो फिल्म कौन सी थी और सोनल चौहान का फिल्मी करियर कैसा रहा, आइए जानते हैं.

सोनल चौहान का शुरुआती फिल्मी करियर

16 मई 1987 को नोएडा में सोनल चौहान का जन्म हुआ. नोएडा के ही दिल्ली पब्लिक स्कूल से सोनल की पढ़ाई हुई. इसके बाद दिल्ली के गार्गी कॉलेज से सोनल ने आगे की पढ़ाई की. सोनल ने 2005 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब जीता था और इस टाइटल को जीतने वाली सोनल पहली भारतीय हैं. सोनल पहली बार हिमेश रेशमिया के एल्बम आपका सुरूर के गाने 'समझो न' में नजर आई थीं. इसके बाद फिल्म जन्नत (2008) में सोनल पहली बार इमरान हाशमी के साथ नजर आईं जो की हिट हुई थी. इसके बाद सोनल ने कई फिल्में कीं, लेकिन खास सफल न हो पाईं.

एक फिल्म में सोनल चौहान ने दिए 30 किस सीन

2013 में फिल्म 3जी- अ किलर कनेक्शन आई, जिसमें सोनल चौहान एक्टर नील नितिन मुकेश के साथ नजर आईं. ये एक फ्लॉप फिल्म थी लेकिन इसमें उन्होंने 30 किस सीन दिए. इस फिल्म में कई बोल्ड सीन थे. फिल्म फ्लॉप रही. फिल्म ने इस वजह से सुर्खियां बटोरी थी क्योंकि इस फिल्म ने इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत की फिल्म मर्डर के किस सीन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था. उस फिल्म में 20 किस सीन थे और फिल्म 3जी में 30 किस सीन थे.

सोनल चौहान की साउथ इंडियन फिल्में

सोनल चौहान ने साउथ सिनेमा में तमिल, तेलुगू और कन्नड़ भाषाओं की फिल्में की हैं. इनकी पहली तेलुगू फिल्म रेनबो (2008) थी जो हिट हुई. इसके बाद उन्होंने नागार्जुन, प्रभास और रवि तेजा के साथ भी हिट फिल्में की हैं. सोनल चौहान अभी भी साउथ की फिल्मों में एक्टिव हैं. इसके अलावा सोनल इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहती हैं और फैंस के लिए तस्वीरें-वीडियो शेयर करती रहती हैं.

अलग धर्म होने की वजह से

ऋचा चड्ढा

और अली फजल की शादी में कितनी दिक्कतें आईं? पहली बार हुआ खुलासा

सिनेमा की दुनिया में दूसरे धर्म के शख्स से इश्क होना और फिर शादी-ब्याह करना आम बात है. हालांकि कई बार इन सितारों का दूसरे धर्म में जीवनसाथी ढूंढना विवाद की वजह भी बन जाता है. कई बार बाहर तो कोई बार घर में ही दिक्कतें होती हैं. कुछ वक्त पहले इस्लाम धर्म को मानने वाले अली फजल और हिंदू धर्म को मानने वाली ऋचा चड्ढा ने भी धर्म की परवाह किए बिना एक दूसरे को जीवनसाथी बनाया है. क्या इनकी शादी में दिक्कतें आईं? रिश्तेदारों ने क्या कहा? पहली बार दोनों एक्टर ने इन सवालों का जवाब दिया है.अली और ऋचा इन दिनों अपने प्रोडेक्शन हाउस तले बनी फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' को लेकर चर्चा में हैं. ये फिल्म प्राइम वीडियो पर रिलीज़ हुई है. इसी फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में दोनों ने लल्लनटॉप को एक इंटरव्यू दिया, जहां उन्होंने बहुत सी बातों के साथ-साथ अपनी शादी पर भी चर्चा की. इस दौरान अलग धर्म होने पर शादी में क्या कोई दिक्कत आई? इस सवाल पर भी खुलकर बात की.

शादी से पहले काफी वक्त साथ में रहे अली और ऋचा

दूर के रिश्तेदारों ने क्या कुछ कहा था? इस सवाल पर अली फजल ने कहा, हमारी शादी काफी बाद में हुई, उससे पहले हम साथ में काफी वक्त रह चुके थे. हमारी सोशल मीडिया सिखा देती है कि (इनसे कैसे डील करना है). नजरअंदाज करना जरूरी है, वरना आपका मेंटल स्टेट घुस जाएगा पूरा (खराब हो जाएगा).इसी दौरान ऋचा ने कहा कि शादी काफी शांति से हो गई.

ऋचा चड्ढा ने कहा कि परिवार का जो आउटर सर्किल होता है, उसके बारे में हमें दिवाली गिफ्ट में ही पता चल जाता है. उन्होंने कहा, हर परिवार का अपना एक डायनैमिक होता है, फिर वो चाहे कहीं पर भी हो. दुनिया के किसी कोने में भी, किस चीजें ठीक होती हैं और किस चीजें बस शांत होती हैं. मुझे था कि अगर मां बाप सपोर्ट कर रहे हैं और खुश हैं तो उससे आगे क्या है कोई फर्क नहीं पड़ता है.